सेंसेक्स 84,666.28 ● निफ्टी 25,839.65 ● डॉलर 89.86 ₹ ●सोना 1,26,790 ₹ ● चांदी 1,99,000 ₹

पेज 06 दृष्टिकोण सकारात्मक है, तो दुनिया...
पेज 08 सरैयाहाट पुलिस ने बिहार से...
पेज 12

पारा आपडेट

मैक्सिमम 23.00 | मिनीमम 9.00

सूर्यास्त (आज) ▸ 17.03

सूर्योदय (कल) ▸ 06.19

बोकारो से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

झारखंड दर्शन

हर खबर पर नजर

पौष माह कृष्ण पक्ष षष्ठी संवत 2082

RNI No. : JHAHIN/2018/76658 | बोकारो, बुधवार 10 दिसंबर 2025 ● पृष्ठ : 12 मूल्य : 3/- रुपया ● वर्ष : 08 अंक : 157 Email : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

झारखंड दर्शन के पाठकों व शुभेच्छुओं से आग्रह है कि किसी भी प्रकार के विज्ञापन देने के लिए आप फोन नंबर 9262578999 या 7979814155 पर सम्पर्क कर सकते हैं। साथ ही अगर आप तक हमारे अखबार की प्रति नहीं पहुंच रही है तो भी उपरोक्त नंबर पर सम्पर्क कर सकते हैं।

प्रबंधक

आवश्यकता

हमारे हिंदी दैनिक झारखंड दर्शन को अपने लेखा विभाग के लिए एक योग्य और अनुभवी अकाउंटेंट और मार्केटिंग के लिए व्यक्ति की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपना रिज्यूमे इस ईमेल एवं फोन नंबर पर भेज सकते हैं।
email - jharkhanddarshan405@gmail.com
Phone - 91025 69636, 92625 78999

झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र

बालू के मुददे पर सदन हुआ गर्म, पक्ष-विपक्ष में जमकर हुई बहस

संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीताकलीन सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन बालू के मुददे पर गर्म रहा। सत्ता पक्ष और विपक्ष में जमकर बहस हुई। अल्पसूचित प्रश्न के तहत भाजपा के विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने झारखंड में बालू की किल्लत का मुददा उठाया।

उन्होंने कहा कि पलामू जिले में बालू के व्यवसाय को थाना के जरिये मैनेज किया जा रहा है। लोगों को दूसरे राज्यों से विवश होकर महंगी दर पर बालू मंगाना पड रहा है। इसके जवाब में विभागीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पेसा कानून की घोषणा तक बालू घाटों से बालू के उठाव पर रोक लगाई गई है।

- मंत्री ने कहा- 374 घाटों पर 100 रुपये प्रति सीएफटी उपलब्ध है बालू
- नवीन जायसवाल ने मंत्री पर सदन को गुमराह करने का लगाया आरोप
- कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने मंत्री से मांगी सस्ते बालू घाटों की सूची

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जनहित में राज्य के 374 घाटों पर 100 रुपये प्रति सीएफटी बालू लोगों को उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि ऐसे 71 बालू घाट पलामू में भी हैं। मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जनता के प्रति संकल्पित है। उन्होंने बताया कि एमडीओ (माइन डवेलपर ऑपरेटर) के चयन में राजस्व का नुकसान नहीं हुआ है।

वहीं मामले में भाजपा विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि पूरे राज्य भर में बालू का अवैध उत्खनन हो रहा है। मंत्री इस मामले में सदन को गुमराह कर रहे हैं। झारखंड में कहीं भी 100 रुपये प्रति सीएफटी बालू नहीं मिल रहा है। कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने मंत्री से जानना चाहा कि पलामू जिले में 71 कौन से बालू घाट हैं जहां सस्ता बालू सरकार लोगों को उपलब्ध करा रही है। उन्होंने मंत्री से पलामू के उन 71 बालू घाटों की सूची की मांग की जहां सस्ते दर पर बालू दिया जा रहा है। विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने सरकार से जानना चाहा कि क्या यह सही है कि जेएसएमडीसी (झारखंड राज्य खनिज विकास निगम) की ओर से राज्य में बालू घाटा के संचालन की व्यवस्था के दौरान काफी कम दर पर एमडीओ का चयन किये जाने के कारण राज्य को राजस्व का बहुत बडा नुकसान हुआ है।

विधानसभा अध्यक्ष ने विधायक प्रदीप यादव पर जताई नाराजगी

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान मंगलवार को कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव पर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने नाराजगी जताई। अध्यक्ष ने कहा कि प्रदीप यादव बार-बार सवाल पूछकर अन्य सदस्यों का समय खराब कर रहे हैं। अध्यक्ष ने कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव से कहा कि विधानसभा केवल उनके सवालों के लिए नहीं है और अन्य सदस्यों को भी मौका मिलना चाहिए। उन्होंने विधायक को याद दिलाया कि वे एक जवाबदेह सदस्य हैं और उन्हें दूसरों के समय का भी सम्मान करना चाहिए। दरअसल, प्रदीप यादव ने ध्यानाकर्षण सूचना के तहत झारखंड में थैलिसिमिया और सिकल सेल जैसी घातक बीमारियों पर सवाल उठाए थे। वे विभागीय मंत्री इरफान अंसारी से कई जवाब जानना चाहते थे, लेकिन मंत्री के उत्तर से संतुष्ट न होने के कारण वे बार-बार सवाल पूछते रहे। इस पर अध्यक्ष ने उन्हें टोका।

संक्षिप्त खबरें

इंडिगो संकट जारी, मंगलवार को भी कई उड़ानें रद्द

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र की विमानन सेवा प्रदाता कंपनी इंडिगो की उड़ानें रद्द होने का क्रम मंगलवार को भी जारी रहा। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कम से कम 13 उड़ानें या तो रद्द हैं या नहीं चल रही हैं। इनमें आठ प्रस्थान उड़ानें और पांच आगमन उड़ानें हैं। इसी तरह से अहमदाबाद हवाई अड्डे पर आज सुबह आठ बजे तक 16 उड़ानें रद्द होने का ऐलान किया गया। इनमें नौ आगमन और सात प्रस्थान उड़ानें हैं। अन्य शहरों से भी इसी तरह उड़ानें के रद्द होने का समाचार है। उल्लेखनीय है कि इस महीने अब तक इंडिगो की पांच हजार से अधिक उड़ानें रद्द रही हैं।

चलती ट्रेन से युवक कूदा, मौत

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिले के पचम्बा उप नगर थाना इलाके के हरीचक में मंगलवार की सुबह पटरी पर ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गई है। युवक की पहचान प्रकाश दास (30) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवक ने गिरिडीह-कोडरमा रेलखंड में चलती ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जान दी है। इस घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के पिता टूपलाल दास और पत्नी अपने बच्चों के साथ मौके पर पहुंची। देखा कि प्रकाश का शव पटरी पर पड़ा है। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। इसके बाद घटनास्थल पर पचम्बा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा दिया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले में जांच पड़ताल कर रही है। युवक ने ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान क्यों दी है इसके कारणों का अबतक पता नहीं चल पाया है। इस पूरे मामले में पुलिस जांच कर रही है हालांकि चर्चा है कि घर में संपत्ति बंटवारे को लेकर कुछ विवाद हुआ था आंशका है कि इसी से नाराज होकर युवक ने यह कदम उठाया है। प्रकाश की मौत के बाद पूरा परिवार गमगीन है।

चाईबासा सीआरपीएफ कैंप में परेड के दौरान जवान की मौत

पश्चिमी सिंहभूम। चाईबासा स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 197 बटालियन कैंप में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक घटना घटी। नियमित परेड के दौरान एक जवान की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उनकी मौत हो गई। मृतक जवान की पहचान 46 वर्षीय गोपालजी सिंह के रूप में हुई है। साथी जवानों के अनुसार अचानक सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत के बाद उन्हें तुरंत चाईबासा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। गोपालजी सिंह उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के बेलघाट थाना क्षेत्र के सिसवा बाबू गांव के निवासी थे। कुछ दिनों की छुट्टी काटने के बाद वह रविवार को ही ड्यूटी पर लौटे थे।

दिल्ली विस्फोट मामले में जम्मू-कश्मीर में एनआईए का छापा

श्रीनगर। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की एक टीम ने मंगलवार को दिल्ली में लाल किले के पास बीते 10 नवंबर को हुए ब्लास्ट की जांच के तहत जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के जंगली इलाके में तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि एनआईए के अधिकारी पुलिस और सीआरपीएफ की मदद से 'व्हाइट कॉलर' टेरर मॉड्यूल के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए दो आरोपितों डॉ. अदील राथर और जसीर बिलाल वानी को साथ लेकर आए हैं। अधिकारियों के मुताबिक दोनों आरोपितों ने जांच करने वालों को दक्षिण कश्मीर जिले के मट्टन जंगल इलाके में कुछ ठिकानों के बारे में बताया था। इस बाबत अभी विस्तृत जानकारी की प्रतिक्षा है।

राज्यसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा

'वंदे मातरम्' की अहमियत कम करना चाहते हैं कुछ लोग : शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम्' की प्रासंगिकता उसके जन्मकाल से लेकर आज तक बनी हुई है और 2047 में विकसित भारत के निर्माण के दौरान भी बनी रहेगी। उन्होंने इसे मां भारती के प्रति समर्पण, कर्तव्य और भक्ति की भावना जगाने वाली अमर कृति बताया।

अमित शाह ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जहां भी देशभक्त एकत्र होते थे, उनकी बैठकों की शुरूआत 'वंदे मातरम्' के साथ होती थी। आज भी सीमा पर देश की रक्षा करते हुए वीर जवान जब सर्वोच्च बलिदान देते हैं, तो उनकी जुबान पर यही शब्द होता है– वंदे मातरम्।

गृहमंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ लोग इस ऐतिहासिक चर्चा को बंगाल चुनाव से जोड़कर इसकी महत्ता कम करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यह विषय राजनीति से ऊपर है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' पर चर्चा की जरूरत तब भी थी जब इसकी रचना हुई, आजादी के आंदोलन के दौरान भी थी, आज भी है और आगे भी बनी रहेगी। जो लोग इसकी प्रासंगिकता पर सवाल उठा रहे हैं, उन्हें अपनी समझ पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

'वंदे मातरम्' गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का नारा था

अमित शाह ने कहा कि 'वंदे मातरम्' गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का नारा था, स्वतंत्रता संग्राम का उत्साह और प्रेरणा स्रोत था। शहीद जब मातृभूमि के लिए बलिदान देते थे, तो अगले जन्म में भी भारत में जन्म लेकर देश की सेवा करने की प्रेरणा इसी उद्घोष से मिलती थी। उन्होंने बताया कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने इस रचना के माध्यम से भारत को माता मानने की सांस्कृतिक परंपरा और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को प्रतिष्ठित किया। अत्याचार, प्रतिबंधों और दमन के बावजूद यह गीत कश्मीर से कन्याकुमारी तक घर-घर में पहुंच गया और लोगों के दिलों को छू गया। अमित शाह ने कहा कि 'वंदे मातरम्' सदियों तक चले विदेशी आक्रमणों और अंग्रेजों द्वारा थोपे जा रहे सांस्कृतिक प्रभाव के प्रतिकार का प्रतीक भी रहा। इसी पृष्ठभूमि में बंकिम बाबू ने इस अमर कृति की रचना की, जिसने देशवासियों के अंदर अदम्य आत्मबल और राष्ट्रीय चेतना को जगाया।

इंडिगो पर सरकार सख्त, उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती करने का आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिगो संकट पर सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइन को उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कंपनी को ये कहा गया है कि वो यात्रियों सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए रिफंड और लगेज जल्द से जल्द वापस लौटाए।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने मंगलवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि देशभर में बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिल की अफरा-तफरी के बीच ऑपरेशन को स्थिर करने के लिए केंद्र ने इंडिगो के रूट्स में 10 फीसदी की कटौती की है। इससे पहले इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने राम मोहन नायडू से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान पीटर एल्बर्स नागरिक उड्डयन मंत्री के सामने हाथ जोड़े नजर आए।

राम मोहन नायडू ने आगे लिखा, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो को अपने कुल रूट्स में 10 फीसदी की कटौती करने का ऑर्डर दिया है। उन्होंने कहा कि इससे एयरलाइन के ऑपरेशन्स को स्टेबल करने और आगे कैंसिलेशन कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते इंडिगो के क्रू-मेंबर रोस्टर, फ़्लाइट शेड्यूल और कम्युनिकेशन की कमी के कारण कई यात्रियों को बहुत परेशानी हुई। इसको लेकर जहां जांच और जरूरी कार्रवाई चल रही है, वहीं, एयरलाइन के टॉप मैनेजमेंट के साथ स्टेबिलाइजेशन उपायों का रिव्यू करने के लिए एक और बैठक हुई।

वोटर लिस्ट में कथित रूप से नाम जुड़वाने का मामला

सोनिया गांधी और दिल्ली पुलिस को राऊज एवेन्यू सेशंस कोर्ट का नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू सेशंस कोर्ट ने सोनिया गांधी और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। स्पेशल जज विशाल गोगने इस मामले पर अगली सुनवाई 6 जनवरी, 2026 को सुनवाई करने का आदेश दिया। यह नोटिस कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ 1980 में वोटर लिस्ट में कथित रूप से नाम जुड़वाने पर एफआईआर दर्ज करने की मांग करने वाली याचिका मजिस्ट्रेट कोर्ट से खारिज करने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया गया है।

यह याचिका वकील विकास त्रिपाठी ने दायर की है। इसके पहले 11 सितंबर को एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने इसी याचिका को खारिज कर दिया था। याचिका में कहा गया है कि वोटर लिस्ट में सोनिया गांधी का नाम 1980 में ही जुड़ गया था, जबकि वे उस समय भारत की नागरिक भी नहीं थीं। वो 1983 में भारत की नागरिक बनीं। बीच में सोनिया गांधी का नाम वोटर लिस्ट से 1982 में हटाया गया और 1983 में फिर नाम जोड़ा गया। सोनिया गांधी भारत की नागरिक 1983 में बनीं।

याचिका में कहा गया है कि सोनिया गांधी ने भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन भी अप्रैल, 1983 में दिया था। याचिका में कहा गया है कि जब सोनिया गांधी 1983 में भारतीय नागरिक बनीं, तो 1980 में वोटर लिस्ट में जोड़ने के लिए कुछ फर्जी दस्तावेज दिए गए होंगे, जो एक संज्ञेय अपराध है। ऐसे में कोर्ट सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दे। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मामले पर न तो सोनिया गांधी को नोटिस जारी किया था और न ही दिल्ली पुलिस को।

झारखंड विधानसभा में 7721.25 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पास, भाजपा ने किया वॉकआउट

संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन सदन में ध्वनिमत से 7721.25 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट पारित किया गया। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर के जवाब शुरू होते ही बीजेपी विधायकों ने वॉकआउट कर दिया।

राजस्व और व्यय का ब्यौरा : वित्त मंत्री ने बताया कि एक अप्रैल से 30 नवंबर 2025 तक राज्य को 67,696.37 करोड़ रुपए की राजस्व प्राप्ति हुई, जिसमें से 66,871 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं – यानी कुल 98.8% खर्च।

राज्य करों से 41,600 करोड़ का लक्ष्य था, जिसमें 23,897 करोड़ की प्राप्ति हुई है। वहीं अन्य राज्य करों से 19,456 करोड़ की वसूली के मुकाबले अब तक 8,565.63 करोड़ रुपए मिले हैं।

केंद्र पर बकाया राशि का आरोप : वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार से 28,863.64 करोड़ रुपए नहीं मिले हैं। केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के 47,040 करोड़ में से 30,971 करोड़ ही मिले हैं, जबकि केंद्रीय अनुदान के 17,057 करोड़ में से सिर्फ 4,261.70 करोड़ मिले हैं।

450 रुपए में गैस सिलेंडर देने की बात : किशोर ने कहा, 'अगर केंद्र से पैसा मिलता तो राज्य सरकार 450 रुपए में गैस सिलेंडर दे सकती थी। उज्जवला योजना के तहत 65 लाख लाभुक हैं, जिन्हें 12 महीनों में गैस सिलेंडर देने पर 2100 करोड़ रुपए की लागत आती है।'

केंद्र पर सौतेले व्यवहार का आरोप: उन्होंने कहा कि झारखंड में बीजेपी की सरकार नहीं होने के कारण केंद्र सरकार सौतेला व्यवहार कर रही है। जल जीवन मिशन का 6300 करोड़ रुपए नहीं मिला। समाज कल्याण विभाग का 890 करोड़ रुपए लंबित है। पेंशन का 132 करोड़ रुपए भी नहीं मिला।

राज्य के वित्तीय हालात पर बयान : वित्त मंत्री ने कहा कि किसी विभाग में पैसे की कमी नहीं है। एफआरबीएम की सीमा 2.2% है। राज्य आंतरिक संसाधन को मजबूत कर रहा है और विकास के लिए 16,800 करोड़ रुपए का ऋण लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 'मंईयां सम्मान योजना' के लिए 13,500 करोड़ रुपए, और सामान्य योजनाओं के लिए 78,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। राज्य के कर्मचारियों को समय पर वेतन मिला है, कानून व्यवस्था नियंत्रित है, और भ्रष्टाचार में शामिल लोग जेल में हैं।

नक्सल पर नियंत्रण का दावा : किशोर ने कहा कि नक्सलवाद 'नियंत्रित हुआ है, खत्म नहीं हुआ।' भारत सरकार ने एसआईआर फंड बंद कर दिया है, लेकिन पिछले दो वर्षों में नक्सल अपराधों में उल्लेखनीय कमी आई है।

'राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह' > राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया 'राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह' समारोह का उद्घाटन

हस्तशिल्प संस्कृति का वाहक और आजीविका का आधार है : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को यहां कहा कि हस्तशिल्प हमारी संस्कृति के वाहक हैं और साथ ही, आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। राष्ट्रपति ने आज यह बात नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में सात दिवसीय (08-14 दिसंबर) 'राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह' समारोह की उद्घाटन के दौरान कही। उन्होंने अपनी अनूठी कारीगरी और नवाचार से देश की कलात्मक विरासत को समृद्ध रखने वाले कुशल शिल्पकारों, डिजाइनरों, स्टार्ट-अप्स और नवप्रवर्तकों शिल्पकारों को वर्ष 2023 और 2024 के लिए 36 'राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार' और 12 'शिल्प गुरु पुरस्कार' देकर सम्मानित किया। इनमें 02 डिजाइन और नवाचार पुरस्कार (कारीगर-डिजाइनर सहयोग) शामिल हैं। पुरस्कार विजेताओं में 20 महिला कारीगर हैं।

- शिल्पकारों को 36 'राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार' और 12 'शिल्प गुरु पुरस्कार' देकर किया सम्मानित

इस मौके पर केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, कपड़ा राज्यमंत्री पबित्र मार्गेरिटा, वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शामी राव और विकास आयुक्त हस्त शिल्प अमृत राज सहित अन्य अधिकारीगण, कारीगर, उद्योग प्रमुख, निर्यातक, डिजाइनर उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुर्मू ने कहा, 'हस्तशिल्प पारंपरिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों को सहायता प्रदान करता रहा है। यह क्षेत्र न केवल कारीगरों को आजीविका का साधन प्रदान करता है, बल्कि उनकी कला उन्हें समाज में पहचान और सम्मान भी दिलाता है। इस क्षेत्र से देश के 32 लाख से अधिक लोग जुड़े हुए हैं, जिनमें 68 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह क्षेत्र पर्यावरण के अनुकूल है और टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देता है।' उन्होंने समावेशी विकास और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए हस्तशिल्प उद्योग को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस अवसर पर गिरिराज सिंह ने राष्ट्रपति मुर्मू को अशोक प्रतीक चिन्ह वाला स्मृति चिन्ह और हाथ से बने हस्तशिल्प पुरस्कार कैटलॉग भेंट किया। इसके अलावा, विजेताओं को नकद राशि 3.5 लाख रुपये, 20 ग्राम स्वर्ण पदक, ताम्रपत्र, अंगवस्त्रम् और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

भारत वैश्विक हस्तशिल्प बाजार में ब्रांड के रूप में स्थापित होगा : गिरिराज

केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, 'जीएसटी (जीएसटी) दरों में कटौती से हस्तशिल्प उत्पादों के निर्यात को भारी प्रोत्साहन मिला है। बीते वर्षों में, हस्तशिल्प निर्यात 25,000 करोड़ रुपये से दोगुना होकर अब 50,000 करोड़ रुपये के स्तर को छू चुका है। सरकार ने 2031-32 तक इस आंकड़े को 01 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचाने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। केंद्र सरकार के महत्त्वपूर्ण कदमों के कारण, अब ग्रामीण शिल्पकारों का सामान सीधे अमेरिका, इंग्लैंड और दुनिया के किसी भी कोने में उपलब्ध हो सकेगा।' उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प की कला और स्थिरता को बढ़ाने के लिए अब नई तकनीकों और सामग्रियों को भी उत्साहपूर्वक अपनाया जा रहा है। इसमें बाँस, रेमी और फ्लैक्स जैसे टिकाऊ फाइबर का उपयोग प्रमुख है। 336 हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त होने से भारत वैश्विक हस्तशिल्प बाजार में एक मजबूत ब्रांड के रूप में स्थापित होगा।

शिल्पकारों का हुनर हमारे गांवों की पहचान : पबित्र मार्गेरिटा

राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने कहा, 'हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संजोना और अगली पीढ़ी तक पहुँचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमारे शिल्पकारों का हुनर हमारे गाँवों की पहचान, हमारी परंपराओं की गरिमा और पूरे देश का गौरव है।' उन्होंने कहा कि शिल्पकारों की कला केवल वस्तुएं नहीं बनाती बल्कि आशा, सम्मान और स्वाभिमान भी गढ़ती है। यह विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी और भारत की सांस्कृतिक धरोहर को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 10 दिसंबर 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

आयुष्मान योजना के तहत थैलेसीमिया मरीजों के इलाज के लिए सरकार 14 लाख रुपये वहन करेगी : इरफान

संवाददाता

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार झारखंड के थैलिसिमिया से पीडित बच्चों को आयुष्मान योजना के तहत अन्य राज्यों की तर्ज पर 14 लाख रुपये तक के इलाज का खर्च वहन करेगी। मंत्री ने यह बातें मंगलवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव के सवाल के जवाब में कही।

प्रदीप यादव ने यह मामला ध्यानाकर्षण की सूचना के तहत उठाया था। जवाब में मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के पास झारखंड में थैलिसिमिया और सिकल सेल जैसी बीमारियों से पीड़ित बच्चों का कोई सर्वे रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। लेकिन सरकार ऐसे पीड़ित बच्चों का सर्वे कराएगी और मरीजों के हित में सदर अस्पताल में बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध कराएगी। प्रदीप यादव ने मंत्री से ऐसे बच्चों को रक्तरदान करनेवालों के लिए आई कार्ड बनाने और ऐप बनाने की भी मांग की। उन्होंने बताया कि थैलिसिमिया और सिकल सेल जैसी बीमारियों से पीड़ित बच्चों में बोन मैरो ट्रांसप्लांट के लिए कर्नाटक 20 लाख, बिहार 15 और अरूणाचल प्रदेश में 15 लाख रुपये की सहायता राशि देती है, लेकिन झारखंड में ऐसी सुविधा नहीं है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार कोल इंडिया के सहयोग से इन बीमारियों के लिए 10 लाख रुपए तक की सहायता करती है। प्रदीप यादव ने मंत्री से झारखंड के थैलिसिमिया से पीड़ित बच्चों को रक्तदान से संबंधित व्यवस्था के बारे में पूछा इसपर मंत्री ने कहा कि यह सुविधा राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों में मौजूद है। मंत्री के इस जवाब पर प्रदीप यादव ने नाराजगी प्रकट की और मंत्री पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने मंत्री से एक माह में सभी प्रमंडलों में ऐसी व्यवस्था करने की मांग की।

रोटरी क्लब ऑफ रांची ने डिस्ट्रीक्ट कॉन्फ्रेंस समागम में सीएम को किया आमंत्रित

वरीय संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, गांडेय विधायक कल्पना सोरेन से सोमवार को रोटरी क्लब ऑफ रांची के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की।

इस मुलाकात के क्रम में प्रतिनिधिमंडल ने सीएम और विधायक कल्पना सोरेन को आगामी डिस्ट्रीक्ट कॉन्फ्रेस समागममें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। यह कॉन्फ्रेंस 19 से 21 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में क्लब के अध्यक्ष अमित अग्रवाल, अनिल सिंह, रेखा सिंह तथा रश्मि अग्रवाल शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कॉन्फ्रेस के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होने का आश्वासन दिया। उन्होंने रोटरी क्लब के सदस्यों को आगामी तीन दिवसीय सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी प्रदान कीं।

संक्षिप्त खबरें

जगदीश ने रामेश्वर के खाते से पांच लाख निकाल लिए

रांची। अनगड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम मेडा का रहने वालारमेशर लोहार को बहला फुसलाकर इंडियन ओवसीज और एस बी आई बैंक का खाता नंबर एटीएम कार्ड बैंक से लिंक किया हुआ मोबाईल नम्बर 8292964168 जगदीस लोहार ने ले लिया और बैंकिंग सुविधा बनाकर रामेशवर लोहार के खाते से पांच लाख रुपए निकाल लिए पीड़ित परिवार ने बताया कि तरह तरह का बहाना बना कर सिम कार्ड ओर एटीएम कार्ड ले लिया रामेश्वर ने कहा कि मै एक टुकड़ा जमीन बेचा था और मेरे खाते में सारा पैशा को डलवाया था वहीं पैसा को निकाल लिया पीड़ित ने अपने रूपए वापस दिलाने के लिए थाना से गुहार लगाया है।

सीबीआई की टीम गुरुवार को खूंटी पहुंचेगी

रांची। रांची सीबीआई (रांची) की टीम रोज वैली चिटफंड घोटाले की जांच में गुरुवार 11 दिसंबर को खूंटी पहुंचेग। सीबीआई की टीम 12 दिसंबर तक खूंटी सर्किट हाउस में रुकेगी। इस दौरान रोज वैली होटल एंड इंटरटेनमेंट लिमिटेड में निवेश करने वाले लोग अपने-अपने मामलों की शिकायतों से संबंधित दस्तावेज सीबीआई अधिकारियों को दे सकेंगे। सीबीआई की टीम हाईकोर्ट द्वारा चिटफंड घोटाले के सिलसिले में दिए गए आदेश के आलोक में रोज वैली ग्रुप के खिलाफ जांच कर रही है। इस ग्रुप ने देश के विभिन्न राज्य को लोगों को कम समय में बेहतर मुनाफे का लालच देकर निवेश कराया। इसके बाद लोगों का जमा किया हुआ 1078 करोड़ रुपये लेकर फरार हो गई। इस कंपनी ने झारखंड के लोगों को भी बेहतर रिटर्न के नाम पर ठगा है। ठगी के शिकार लोग सीबीआई अधिकारियों से मिल कर रोज वैली में किए गए निवेश से संबंधित शिकायत कर सकते हैं।

हाई कोर्ट ने महाधिवक्ता की अध्यक्षता में बनाई कमिटी, शहर के सुधार के लिए होगी बैठक

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने राजधानी रांची की अव्यवस्थित स्थिति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए शहर के समग्र सुधार के लिए सरकार और संबंधित विभागों को तुरंत ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने साफ किया कि राजधानी की व्यवस्था सुधारना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है और अब देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने टिप्पणी की कि रांची शहर की समस्याओं के समाधान के लिए सभी हितधारकों को एक मंच पर लाना जरूरी है। इसी उद्देश्य से अदालत ने उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा की है। अदालत ने निर्देश दिया है कि समिति की पहली बैठक 10 दिसंबर 2025 को शाम 5 बजे महाधिवक्ता राजीव रंजन के कार्यालय में आयोजित की जाए। कोर्ट ने उम्मीद जताई है कि सभी सदस्य व्यक्तिगत रूप से बैठक में शामिल होंगे, हालांकि आवश्यकता पड़ने पर वर्चुअल उपस्थिति की अनुमति भी दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 12 दिसंबर को होगी।

विशेष मध्यस्थता अभियान के दूसरे दिन 19 मामले सुलझे

रांची। झालसा के निर्देश पर अध्यक्ष-सह-न्यायायुक्त, अनिल कुमार मिश्रा-1 के मार्गदर्शन में तथा डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर की देखरेख में व्यवहार न्यायालय, रांची में पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान के मंगलवार को दूसरे दिन कुल 58 मामले विभिन्न न्यायालयों से स्थानांतरित होकर मध्यस्थता केंद्र, रांची में आये थे। जिसमें, 19 वादों को सफलतापूर्वक मध्यस्थों और अधिवक्ताओं के सहयोग से सुलझा लिया गया। दोनों पक्ष राजी-खुशी से अपने मामले को समाप्त करने के लिए तैयार हो गये।

एसबी शर्मा रांची के नए सीजेएम

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने न्यायिक सेवा के अधिकारियों के बीच बड़ा फेरबदल किया है। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल सत्य प्रकाश सिन्हा की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, सिविल जज (सीनियर डिवीजन) स्तर पर अधिकारियों का प्रमोशन, स्थानांतरण और पदस्थापन किया गया है। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए कार्यस्थल पर पदभार ग्रहण करने का निर्देश दिया गया है। अधिसूचना के मुताबिक प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज दुमका के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरेंद्रनाथ मिश्रा को प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट जज (पीडीजे) के पद पर प्रोन्नत किया गया है। रांची के सीजेएम चंदन को गोड्डा स्थानांतरित किया गया है। गोड्डा के सीजेएम शशि भूषण शर्मा को रांची का सीजेएम नियुक्त किया गया है। डालसा (झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण) रांची के सचिव रवि कुमार भास्कर को नगर उंटारी (गढ़वा) भेजा गया है।

विशाल युवा हिंदू वाहिनी झारखंड प्रदेश की नई कमेटी का हुआ गठन

रांची। विशाल युवा हिंदू वाहिनी झारखंड प्रदेश प्रभारी रंजीत जौहरी ने विभिन्न पदों की नियुक्ति की इसमें महिला पद पर अध्यक्ष बनी टी-सीरीज आस्था चैनल आर्टिस्ट श्रीमती वीणा श्री सरकार को नियुक्त किया गया। गुरविंदर कौर को महिला उपाध्यक्ष, मीडिया प्रभारी ऋतुराज वर्षा झारखंड उपाध्यक्ष पद पर पंकज चौधरी को नियुक्त किया गया ये सभी नवनियुक्त पदाधिकारी गण अपने-अपने क्षेत्र में अपनी प्रतिभा अनुसार अच्छे कार्य करें और समाज का कल्याण करें इसके लिए सभी पदाधिकारियों को गण शुभकामनाएं दी।

पीएम से मिले राज्यसभा सांसद आदित्य साहु

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सांगठनिक , राजनीतिक विषयों पर चर्चा की,मार्गदर्शन प्राप्त किया।

अवैध व्यावसायिक गतिविधियों पर कार्रवाई और बाजार परिसंपत्तियों के विकास पर निगम की महत्वपूर्ण बैठक

वरीय संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम के प्रशासक की अध्यक्षता में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें राजस्व-सृजन करने वाली परिसंपत्तियों के प्रबंधन, अवैध वाणिज्यिक गतिविधियों पर नियंत्रण, बस स्टैंडों के उन्नयन तथा शहर भर में होर्डिंग और मोनोपोल संरचनाओं के नियमन से संबंधित अहम निर्णय लिए गए।

बैठक में बाजार शाखा ने राजस्व संधारण एवं कलेक्शन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। समीक्षा के बाद निर्देश दिया गया कि नगर क्षेत्र में स्थापित सभी होर्डिंग्स और मोनोपोल्स का भौतिक निरीक्षण एवं क्रमांकन कराया जाए। निरीक्षण अभिलेखों में स्थान, अनुमत आकार, स्वीकृत अवधि, एजेंसी/आवंटी का नाम और बकाया राशि जैसी सूचनाओं को अद्यतन रखने पर जोर दिया गया। अनधिकृत या नियमविरुद्ध संरचनाओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

निगम ने स्पष्ट किया कि विज्ञापन एजेंसियों एवं बाजार परिसरों के बकायेदारों से शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कराया जाएगा। निर्धारित अवधि में भुगतान नहीं होने पर ब्लैकलिस्टिंग और पुनः आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। नागाबाबा खटाल और अटल स्मृति वेंडर मार्केट सहित विभिन्न परिसरों में लंबित किराया

वसूली और किरायेदारी के पुनर्मूल्यांकन की कार्यवाही भी की जाएगी।

आवासीय क्षेत्रों में बिना अनुमति चल रही व्यावसायिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए निगम विशेष अभियान चलाएगा। ऐसे प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा जाएगा तथा नियम उल्लंघन पाए जाने पर ट्रेड लाइसेंस निरस्त करने और संचालन बंद कराने की कार्रवाई होगी।

बैठक में नगर निगम बस स्टैंडों और बाजार परिसंपत्तियों के विकास, सौंदर्यीकरण, यात्री सुविधाओं के उन्नयन और सार्वजनिक उपयोगिता बढ़ाने के लिए संबंधित एजेंसियों व तकनीकी संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित कर विस्तृत योजना एवं प्रस्तुतीकरण तैयार करने पर भी सहमति बनी। साथ ही भविष्य की बंदोबस्ती एवं निविदा प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए अनुमान व बेस प्राइस निर्धारण समिति गठित करने का निर्णय लिया गया।

आरपीएफ हटिया और फ्लाइंग टीम की बड़ी कार्रवाई

23 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

- बरामद गांजा की बाजार में कीमत 11 लाख 50 हजार आंकी गयी

वरीय संवाददाता

रांची। आरपीएफ हटिया इंस्पेक्टर रुपेश कुमार की टीम और फ्लाइंग टीम द्वारा सोमवार को रेलवे स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म में यात्रियों की सुरक्षा के लिए चलाये जा रहे सर्च अभियान के दौरान टीम की नजर प्लेटफॉर्म में डरे सहमे बैठे दो युवकों पर पड़ी जिनसे टीम पूछ ताछ में मो फिरोज ने बताया कि वह बिहार चंपारण के ग्राम नरवल का रहने वाला है टीम ने उसके पास से एक पिटठु बैग और एक टॉली बैग में भरा हुआ गांजा बरामद किया, वहीं चंपारण बिहार के ग्राम भीताहा निवासी राम बिलास चौधरी के पास से भी एक पिट्ठु और एक हैंड बैग बरामद किया गया जिसे खोल कर देखने पर उसमें भी गांजा भरा हुआ पाया गया। आरपीएफ अधिकारियों ने दोनों तस्करों के पास से कुल 23 किलो गांजा बरामद किया,जिसकी बाजार कीमत 11 लाख 50 हजार रुपये आंकी गयी।

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि जब्त गांजे को ये लोग उड़िसा के राउलकेला से खरीद कर बिहार में महंगे दामों में बिक्री करने के लिए ले जा रहे थे।

बाद में कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कारवाई के लिए जीआरपी हटिया के हवाले कर दिया गया जहां दोनों को एनडीपीएस अधिनियम के तहत जेल भेज दिया गया।

रिम्स परिसर में विरोध के बीच अतिक्रमण हटाओ अभियान रहा जारी

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश के बाद रिम्स परिसर में अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी है। सोमवार की कार्रवाई के बाद मंगलवार को दूसरे दिन रिम्स डॉक्टर्स कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई।

पुलिस, प्रशासन और रिम्स प्रबंधन की संयुक्त टीम सुबह से ही अतिक्रमण हटाने में लगी रही। इसी क्रम में बरियातू थाना के पीछे बने अस्थायी झोपड़ों और गुमटियों को जेसीबी से हटाया गया है। जबकि कई अवैध ढांचों को तोड़कर खाली कराया गया। प्रशासन ने डीआईजी ग्राउंड की ओर भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया अभियान के दौरान स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली।

कई लोगों ने आरोप लगाया कि उन्हें अपना ढांचा हटाने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। लोगों का कहना है कि अतिक्रमण हटाने से पहले रिम्स की मौजूदा अव्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर ध्यान देना अधिक आवश्यक है।

विरोध के बावजूद टीम बिना रुके काम में जुटी रही। और अब तक करीब 70 स्थलों पर बने अतिक्रमण हटाए गए।

प्रशासन का 10 दिसंबर तक रिम्स परिसर को अतिक्रमण मुक्त करने का लक्ष्य

प्रशासन ने रिम्स क्षेत्र में कब्जा हटाने के लिए 10 दिसंबर तक की समय-सीमा तय की है। डॉक्टर कॉलोनी, भरम टोली, नया टोली और डीआईजी ग्राउंड जैसे इलाकों में बड़े पैमाने पर कार्रवाई की तैयारी है।

जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि अदालत के आदेश के अनुरूप रिम्स की पूरी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कर सुरक्षित किया जा सके। अधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी ने अब भी कब्जा नहीं छोड़ा, तो अधिनियमों के तहत बलपूर्वक हटाने के साथ-साथ खर्च की वसूली भी की जाएगी।

मरांडी ने उठाया एमबीबीएस नामांकन में गड़बड़ी का मामला

संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने एमबीबीएस नामांकन में कथित अनियमितताओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राज्य में मेडिकल एडमिशन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हो रही हैं। मेडिकल

काउंसलिंग के दौरान झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगी परीक्षा बोर्ड (जेसीईसीईबी) मेडिकल काउंसलिंग कमिटी (एमसीसी) की निर्धारित गाइडलाइन का पालन नहीं करता।मरांडी ने कहा कि एनटीए परीक्षा के बाद परिणाम जारी कर जेसीईसीईबी को भेजता है, लेकिन एनटीए पोर्टल से सही तरीके से लिंक न होने के कारण काउंसलिंग प्रक्रिया में कई अनियमितताएं सामने आती हैं। उन्होंने दावा किया कि इस खामी का फायदा उठाकर कुछ छात्र गलत जाति, आवासीय प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज जमा कर देते हैं, जिससे कई योग्य छात्रों का भविष्य प्रभावित होता है।

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि यह गड़बड़ियां जानबूझकर की जाती हैं, ताकि कुछ लोगों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने राज्य सरकार से जेसीईसीईबी के शीर्ष अधिकारियों को तत्काल हटाने, मौजूदा काउंसलिंग प्रक्रिया को रद्द कर पुनः संचालित करने

रवींद्र नाथ मिश्रा पर अवैध खनन संरक्षण का आरोप, केंद्र ने दिया कार्रवाई का निर्देश

रांची। हजारीबाग वन प्रमंडल में अवैध खनन, भ्रष्टाचार और पद दुरुपयोग के गंभीर आरोपों ने बड़ा मोड़ ले लिया है। 156 हेक्टेयर में अवैध खनन और सीआईडी की रिपोर्ट में आरोपों की पुष्टि के बावजूद कार्रवाई नहीं होने की शिकायत पर केंद्र सरकार ने झारखंड के मुख्य वन सचिव को जांच कर तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। शिकायत में कहा गया था कि हजारीबाग परिक्षेत्र के क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक रवींद्र नाथ मिश्रा को विभागीय स्तर पर न केवल संरक्षण दिया जा रहा है, बल्कि उन्हें प्रोत्साहन भी मिल रहा है।

गृह विभाग ने जारी की अधिसूचना

35 नए डीएसपी की हुई पोस्टिंग

- योगदान नहीं करने पर अभ्यर्थिता रद्द की जाएगी

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित संयुक्त असैनिक सेवा प्रतियोगिता परीक्षा-2023 के आधार पर राज्य सरकार ने झारखंड पुलिस सेवा में 35 अभ्यर्थियों को डीएसपी के पद पर औपबंधिक रूप से नियुक्त कर दिया है। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। सभी 35 नवनियुक्त डीएसपी को प्रशिक्षण के लिए झारखंड पुलिस अकादमी, हजारीबाग में पदस्थापित किया गया है। जारी अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि अधिसूचना जारी होने की तिथि से तीन माह के भीतर योगदान नहीं करने पर अभ्यर्थिता रद्द कर दी जाएगी।

झारखंड पुलिस अकादमी में हुए ये 35 डीएसपी पदस्थापित

आशीष अक्षत, रॉबिन कुमार, संदीप प्रकाश, रजीव रंजन, निधि अग्रवाल, इंद्रजीत कुमार, अमरदीप राज, विपिन भास्कर, सत्यम गर्ग, विशाल कुमार सिंह, अखिलेश कुमार, प्रभाकर कुमारमुन्ना सोरेन, फ्रेडरिक ए तिग्गा, मिथुन कुमार, राजू कुमार सुमन, विक्रम सिंह, अरविंद महतो, सुगंध सौरभ, उज्ज्वल कुमार, लीनस रतन, शैलेश रंजन सिन्हा, भूपेंद्र सिंह, पंकज राज, निशांत सिन्हा, विवेक चौधरी, सुजीत हेंब्रम, नीतीश कुमार, कश्मीरा हेंब्रम,शुभम महथा, सरिता कुमारी, विनय सोरेन, मनीष कुमार, जय स्पर्श तिर्की, राजेश कुमार दास शामिल हैं।

लंबित छात्रवृत्ति, केंद्र से गुहार लगाने दिल्ली जाएगी सरकार

वरीय संवाददाता

रांची। लंबित छात्रवृत्ति को लेकर एक तरफ इसको लेकर सियासत तेज है, वहीं दूसरी ओर राज्य के लाखों छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिलने से भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इधर, विपक्ष के सवालों से घिरा कल्याण विभाग की स्थिति सांप-छछूंदर वाली हो गई है। काफी जद्दोजहद के बाद इस वर्ष जो प्री मैट्रिक के ओबीसी छात्रों के लिए केंद्रीय मद से 4 करोड़ मिला है, वह राशि भी केंद्र को वापस होनेवाली है और राज्य सरकार को नए सिरे से समय-समय पर छात्रवृत्ति की राशि की मांग केंद्र से करनी होगी। तकनीकी प्रावधान के तहत केंद्रीय मद की राशि जब तक राज्य को नहीं मिलेगी, तब तक वित्त विभाग राज्य मद से छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं कर सकता है। जाहिर तौर पर सरकारी अड़चन दूर नहीं होने से राज्य के करीब 11 लाख ओबीसी विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित हैं। लंबित छात्रवृत्ति को लेकर राज्य सरकार केंद्र से गुहार लगाने जाने की तैयारी में है।

आदिवासी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने विधानसभा परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा कि जब तक केंद्र का इंटेंशन क्लियर नहीं होगा, तब तक समस्या के समाधान में दिक्कत रहेगी। उन्होंने कहा कि हमारे पास बजट का प्रावधान है, लेकिन केंद्र का हिस्सा आए बिना हम दरवाजा ओपन नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि कक्षा 1 से 8 तक की छात्रवृत्ति में कोई समस्या नहीं है, क्योंकि यह राज्य सरकार के दायरे में आता है और 70 प्रतिशत भुगतान पूरा भी किया जा चुका है। असल समस्या वहीं होती है जहां केंद्र-राज्य शेयरिंग है। कल्याण मंत्री ने बताया कि अगर केंद्र का शेयर राज्य तक नहीं पहुंचेगा तो वित्त विभाग हमें पैसा जारी नहीं कर पाएगा। बजट होते हुए भी दरवाजे बंद रहते हैं यही सबसे बड़ी टेक्निकल समस्या है।

मंत्री चमरा लिंडा ने केंद्र की नई प्रक्रिया पर उठाए सवाल

मंत्री चमरा लिंडा ने केंद्र की नई प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अब केंद्र सीधे पैसा नहीं देता। पहले राज्य मांगता है फिर केंद्र भेजता है। यह नई व्यवस्था से उत्पन्न समस्या का समाधान तो हो सकता है, लेकिन अब तक जो केंद्र से 3-4 करोड़ मिला है वह भी वापस जा सकता है। विभागीय मंत्री ने कहा कि सेशन खत्म होते ही वे दिल्ली जाकर पूरी समस्या पर बातचीत करेंगे और समाधान निकालेंगे।

प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले एसआई होंगे निलंबित

वरीय संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस ने अपने अधिकारियों के लिए निर्धारित आठ सप्ताह के अधिष्ठापन प्रशिक्षण को लेकर एक आदेश जारी किया है। प्रशिक्षण निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि सब इंस्पेक्टर और मेजर रैंक के किसी भी पुलिस पदाधिकारी को इस अनिवार्य प्रशिक्षण से किसी भी हालत में छूट नहीं दी जाएगी। अगर कोई अधिकारी प्रशिक्षण में शामिल नहीं होता है, तो उसे तुरंत निलंबित कर दिया जाएगा। वहीं अनुपस्थित रहने वाले पदाधिकारियों के नियंत्री पदाधिकारी से भी स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। यह आदेश ऐसे समय में आया है, जब आठ दिसंबर को झारखंड पुलिस अकादमी, हजारीबाग में यह प्रशिक्षण शुरू हो चुका है। प्रशिक्षण शुरू होने के बाद कई पुलिस पदाधिकारियों ने विभिन्न कारणों का हवाला देते हुए इस प्रशिक्षण से छूट के लिए आवेदन दिए थे। प्रशिक्षण निदेशालय ने इन आवेदनों पर विचार करने के बाद यह स्पष्ट कर दिया है कि यह प्रशिक्षण सेवा नियमों के तहत अत्यंत आवश्यक है। यह प्रशिक्षण एसीपी और एमएसीपी के लाभ के अलावा अगले पद पर प्रोन्नति प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है। प्रशिक्षण निदेशालय ने सभी संबंधित नियंत्री पदाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का स्पष्ट निर्देश दिया है कि उनके अधीन कार्यरत सभी सब इंस्पेक्टर और मेजर अनिवार्य रूप से इस अधिष्ठापन प्रशिक्षण में शामिल हों।

हिन्दी दैनिक
झारखंड दर्शन
बोकारो, बुधवार 10 दिसंबर 2025

E-mail : jharkhanddarshan405@gmail.com ● Website: jharkhand-darshan.com

संक्षिप्त खबरें

अमर स्वतंत्रता सेनानी कोका कमार को दी गई श्रद्धांजलि, उनकी याद में पौधरोपण

बोकारो। स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान द्वारा बोकारो के पर्यावरण-मित्र चौक स्थित पर्यावरण-मित्र वाटिका के स्वतंत्रता सेनानी स्मृति उद्यान में आज अमर स्वतंत्रता सेनानी कोका कमार की याद में उनके जन्म स्थान बोकारो जिला के कसमार प्रखंड स्थित ओरमो गांव से लाई गई पवित्र मिट्टी पर एक पौधा रोपित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा मुकुल ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम में कोका कमार का अतुलनीय योगदान रहा है, मगर ऐसे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग को सरकार और जिला प्रशासन द्वारा भुला दिया जाना न सिर्फ चिंता जनक है, बल्कि यह स्वतंत्रता सेनानी के प्रति अपमान भी हुआ है। इस पौधारोपण कार्यक्रम में रघुवर प्रसाद, शशि भूषण ओझा मुकुल, अखिलेश ओझा, लक्ष्मण शर्मा, मृणाल चौबे, ललित कुमार, वीरेंद्र चौबे, अजीत भगत, दिलीप तिवारी, अशोक पांडेय, अभय कुमार गोलू, बीरेंद्र मिश्र, राकेश तिवारी, रोहित सिंह, अनुराग मिश्र, मिथिलेश सिंह, युवराज सिंह सहित कई पर्यावरण रक्षक उपस्थित रहे।

बीडीओ ने दिव्यांग के घर जाकर भेंट की व्हील चेयर

बोकारो। बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार ने मंगलवार को एक सराहनीय और मानवीय पहल करते हुए बोकारो थर्मल स्थित गोविंदपुर बी पंचायत अंतर्गत निशन हॉट निवासी जुम्मन अंसारी के 36 वर्षीय पुत्र मो तमरेज अंसारी के घर जाकर उन्हें एक व्हील चेयर प्रदान की।तमरेज अंसारी दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण 70 प्रतिशत दिव्यांग हो चुका था। आवेदक ने व्हील चेयर के लिए बेरमो बीडीओ को आवेदन दिया था, जिस पर बीडीओ मुकेश कुमार ने तत्काल कार्रवाई की और स्वयं उसके आवास पर जाकर व्हील चेयर उपलब्ध कराया। इस मौके पर बीडीओ ने तमरेज अंसारी के स्वस्थ जीवन के लिए कामना भी की। इस दौरान बीपीआरओ मिथिलेश कुमार पांडेय, गौरव कुमार सिन्हा एवं संबंधित पोषक क्षेत्र की सेविका अर्चना कुमारी एवं स्थानीय ग्रामीण सहित परिवार जन उपस्थित थे।

स्टेट बार चुनाव में 30% महिला आरक्षण के फैसले से अधिवक्ताओं में खुशी

बोकारो। सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्टेट बार चुनाव में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण तय किए जाने के ऐतिहासिक निर्णय का पूरे राज्य में स्वागत किया जा रहा है। झारखंड हाई कोर्ट एवं सिविल कोर्ट की अधिवक्ता रिंकी झा ने इस फैसले पर अदालत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कदम महिला अधिवक्ताओं के सशक्तिकरण को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि वर्षों से पुरुषों की अधिक भागीदारी के कारण महिलाएँ चुनावी प्रक्रिया से दूरी बनाती थीं, लेकिन अब आरक्षण मिलने से वे भी बढ़-चढ़कर सहभागिता कर सकेंगी। अधिवक्ताओं ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस निर्णय से महिलाओं को समान अवसर सुनिश्चित किया है। इस अवसर पर अधिवक्ता अतुल कुमार रवानी, सुनील सिंह सिसोदिया, राम कृष्ण, मनोज सिंह, आत्मेश कुमार, पुनित सिंह, अनिल सिंह, अनीता कुमारी, रेशू बाला, प्रेम कुमार, अर्जुन झा, सीबी सिंह, राजीव रंजन सिंह, सुरेंद्र प्रसाद, राम कुमार सिंह, मुकेश सिंह, सतीन्द्र सिन्हा, रेखा कुमारी, पप्पू सिंह, केके धरमराज, निधि झा, मनोज तिवारी सहित कई अधिवक्ता उपस्थित थे।

रांची की रोमांचक शैक्षिक यात्रा, ज्ञान, अनुभव और मनोरंजन से भरपूर दिन

बोकारो। श्री अय्यप्पा पब्लिक स्कूल, बोकारो के कक्षा 9, 10, 11 और 12 के 75 छात्र रांची की एक समृद्ध और रोमांचक शैक्षिक यात्रा पर रवाना हुए। सात शिक्षक उप-प्रधानाचार्य सुरेश बाबू, सुश्री विजया भसन, संदीप भोला, श्रीमती आशा पी. कुमार, रविशंकर, श्रीमती बबीता सिंह और कौशल राज सिंह इस यात्रा में छात्रों के मार्गदर्शक एवं पर्यवेक्षक रहे। यात्रा का सफल आयोजन एडिफाइंग सर्विसेज द्वारा किया गया और संचालन शैलेन्द्र कुमार ने किया। सुबह 7:20 बजे उत्साह से भरा यह समूह स्कूल परिसर से रांची के लिए प्रस्थान हुआ। पहला पड़ाव था रांची साइंस सिटी, जहां छात्रों ने इंटरैक्टिव मॉड्यूल, वैज्ञानिक प्रदर्शनियाँ और तकनीक आधारित शिक्षण सामग्री का अवलोकन किया। इस अनुभव ने उनके कक्षा-ज्ञान को वास्तविक प्रयोगों से जोड़ने का अवसर प्रदान किया, जिससे विज्ञान और नवाचार के प्रति उनकी जिज्ञासा और गहरी हुई। इसके बाद छात्र पहुंचे तारामंडल, जहां उन्होंने अद्भुत खगोलीय शो का आनंद लिया। तारों, ग्रहों और ब्रह्मांड के रहस्यों को आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया गया, जिसने छात्रों को विस्मय से भर दिया और खगोल विज्ञान के प्रति विशेष आकर्षण उत्पन्न किया।

स्मार्ट मीटर के विरोध में सड़क पर उतरने की चेतावनी के साथ माकपा का हल्ला बोल

बोकारो। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) गोमिया प्रखंड कमेटी ने झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के कथारा क्षेत्र के सहायक अभियंता को गोमिया सब-डिवीजन कार्यालय में मांग पत्र सौंपा, जिसके माध्यम से स्मार्ट मीटर योजना को तुरंत बंद करने की मांग की गई है। सहायक अभियंता की अनुपस्थिति में यह मांगपत्र कार्यालय प्रभारी को दिया गया। माकपा नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास से जेबीवीएनएल द्वारा प्रत्येक उपभोक्ता के घर में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर पूरी तरह लागू होने के बाद बिजली आम जनता से और दूर हो जाएगी तथा बिजली दरें और महंगी हो जाएँगी। माकपा के राज्य कमेटी सदस्य रामचंद्र ठाकुर, प्रदीप कुमार विश्वास, प्रखंड सचिव राकेश कुमार, जिला कमेटी सदस्य विनय महतो सहित कई नेताओं ने कहा कि पार्टी स्मार्ट मीटर योजना को बंद कराने के लिए चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर रही है। उन्होंने निगम को चेतावनी दी कि तुरंत बैठक बुलाकर इस योजना को रद्द किया जाना चाहिए, अन्यथा माकपा सड़क पर उतरकर विरोध करेगी।मंगलवार को माकपा नेताओं ने स्मार्ट मीटर के खिलाफ प्रदर्शन किया, जिसमें माकपा नेता लखन महतो, अजय कुमार, भागीरथ पासवान सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

बोकारो स्टील ने चेकर प्लेट रोलिंग में रचा इतिहास, सेल में बना एकमात्र प्लांट

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट ने पहली बार सफलतापूर्वक चेकर प्लेट की रोलिंग कर उत्पादन क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है।

यह सफलता न केवल बीएसएल की उच्च तकनीकी दक्षता को प्रमाणित करती है, बल्कि उत्पाद विविधीकरण एवं बाजार विस्तार की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रायोगिक चरण में 1,250 मिमी से 1,500 मिमी चौड़ाई तथा 5 से 6 मिमी मोटाई के कुल 12 कॉयल्स का उत्पादन किया गया है।

इस संपूर्ण प्रक्रिया को बीएसएल की कुशल तकनीकी टीम ने आंतरिक संसाधनों के माध्यम से अपने माइक्रो प्लानिंग, उपयुक्त मशीन सेट-अप और सतत निगरानी के साथ सफलतापूर्वक अंजाम दिया। देश में चेकर प्लेट की वार्षिक मांग लगभग 3,60,000 टन आंकी गई है और अब बीएसएल में वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ होने से नियमित एचआर कॉइल उत्पादन के अतिरिक्त प्रतिमाह लगभग 30,000 टन की वृद्धि का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह उपलब्धि वित्तीय मोर्चे पर भी लाभदायक सिद्ध होगी, क्योंकि एचआर कॉयल की तुलना में प्रति टन लगभग 1,500 रूपए अधिक नेट सेल्स रियलाइजेशन (एनएसआर) प्राप्त होने से बीएसएल के वित्तीय प्रदर्शन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी सुनिश्चित होगी। वाणिज्यिक उत्पादन को गति प्रदान करने हेतु एडामाइट रोल्स की खरीद एल1 एवं एल2 ऑटोमेशन सिस्टम्स का उन्नयन तथा आवश्यक आईएसओ प्रमाणन सहित तकनीकी आधुनिकीकरण कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है, जिसके जनवरी 2026 तक पूर्ण होने की संभावना है। यह उल्लेखनीय है कि पूर्व में चेकर प्लेट का उत्पादन सेल के राउरकेला स्टील प्लांट में किया जाता था, लेकिन वर्तमान में बोकारो स्टील प्लांट, सेल के अंतर्गत इस उत्पाद की तकनीकी एवं वाणिज्यिक संभावनाओं को सफलतापूर्वक प्रदर्शित करने वाला एकमात्र प्लांट बनकर उभरा है। शीर्ष प्रबंधन ने पूरी टीम के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना करते हुए टीम भावना, नवाचार तथा कार्य के प्रति समर्पण के लिए सभी को बधाई दी। यह उपलब्धि अधिशासी निदेशक संकार्य, प्रिय रंजन, अधिशासी निदेशक ऑपरेशन, अनूप कुमार दत्त तथा मुख्य महाप्रबंधक हॉट स्ट्रिप मिल, पी के वर्मा के नेतृत्व में संभव हो सकी है।

बीएसएल में वरिष्ठ नेतृत्व के लिए जागरूकता कार्यशाला आयोजित

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्टील के एचआर-एलएंडडी विभाग में मंगलवार को सीजीएम, विभागाध्यक्ष, डिपार्टमेंटल सेफ्टी ऑफिसर (डीएसओ) तथा लाइन मैनेजर्स के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यस्थल सुरक्षा के प्रति संगठनात्मक प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना, नेतृत्व स्तर पर जागरूकता बढ़ाना तथा सभी परिचालन इकाइयों में सक्रिय सुरक्षा प्रबंधन को प्रोत्साहित करना था। कार्यशाला का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन तथा अधिशासी निदेशक (परिचालन) अनुप कुमार दत्त द्वारा किया गया। अपने संबोधन में दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने मजबूत सुरक्षा संस्कृति के निर्माण, परिचालन अनुशासन को बनाए रखने तथा सुरक्षित कार्यप्रणाली के लिए उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने में वरिष्ठ नेतृत्व की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है और इसे निर्णय लेने की प्रत्येक प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए।

सत्र की शुरूआत सुश्री नीता बा, सीजीएम (एचआर-एलएंडडी) के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने सुरक्षा प्रक्रियाओं पर निरंतर जागरूकता, क्षमता निर्माण तथा सर्वोत्तम प्रथाओं के पालन के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने प्रतिभागियों से सक्रिय रूप से चर्चा में शामिल होने और अपने-अपने कार्य क्षेत्रों में सुरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने हेतु इस कार्यशाला का लाभ उठाने की अपील की। कार्यशाला में जोखिम पहचान, जोखिम न्यूनीकरण रणनीतियां, लाइन प्रबंधन की जिम्मेदारी, अनुपालन आवश्यकताएं तथा निवारक सुरक्षा उपायों को अपनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया।

संवादात्मक चर्चाओं, संरचित प्रस्तुतियों और गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को नेतृत्व आधारित सुरक्षा हस्तक्षेप और अपेक्षाओं पर गहन समझ प्राप्त हुई। इस कार्यक्रम का समन्वय अमित आनंद एजीएम (एचआर-एलएंडडी), जे एन यादव, मैनेजर (एचआर-एलएंडडी) तथा एस के डी भौमिक, जेएम (एचआर-एलएंडडी) द्वारा किया गया।

डीपीएस चास के दो छात्र जिला कराटे के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। डीपीएस चास के दो होनहार छात्र अक्षित कुमार और विराज अग्रवाल ने 07 दिसंबर 2025 को सांसद खेल महोत्सव 2025 के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय कराटे चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सम्मान हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। क्युकोसिन कान कराटे एसोसिएशन द्वारा लायंस कला एकेडमी, सेक्टर-3 बी में आयोजित इस प्रतियोगिता में दोनों छात्रों की असाधारण उपलब्धियों ने न केवल उन्हें यह सम्मान दिलाया है, बल्कि पूरे स्कूल समुदाय को भी गौरवान्वित किया है।

प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी तकनीकी दक्षता के साथ-साथ अनुशासन, खेल भावना और आत्मविश्वास का बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसकी उपस्थित दर्शकों और प्रशिक्षकों ने जमकर प्रशंसा की। चैंपियनशिप में विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभाशाली बच्चों ने उत्साह और जोश के साथ हिस्सा लिया, जिसमें आयु वर्ग 14-16 (बॉयज) श्रेणी का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। सेमी-कॉन्टैक्ट स्टाइल में बेस्ट प्लेयर का प्रतिष्ठित सम्मान डीपीएस चास बोकारो के अक्षित कुमार को प्रदान किया गया, जबकि फुल-कॉन्टैक्ट स्टाइल में बेस्ट प्लेयर का पुरस्कार विराज अग्रवाल ने अपने शानदार कौशल और दृढ़ता से हासिल किया, जिससे स्कूल की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशिका/प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि सफलता, अनुशासन, समर्पण और खुद को लगातार चुनौती देने के साहस का परिणाम है, जिसका उदाहरण हमारे छात्रों ने प्रस्तुत किया है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे आयोजन जिले में कराटे खेल को प्रोत्साहित करने और नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। अंत में सभी विजेताओं को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

बोकारो बनेगा ग्रीन और स्मार्ट सिटी

डीसी झा ने सड़कों के सौंदर्यीकरण और सुरक्षा के लिए उठाया बड़ा कदम

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। शहर को सुंदर, स्वच्छ और आधुनिक बनाने की महत्वाकांक्षी पहल के तहत, जिला प्रशासन ने उकरीद मोड़ से नया मोड़ और गरगा पुल अमृत पार्क तक सड़कों के दोनों किनारों को विश्व-स्तरीय सौंदर्यीकरण प्रदान करने की योजना बनाई है। इसी सिलसिले में, उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने मंगलवार को समाहरणालय में डालमिया सीमेंट, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और बीएसएल के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। प्रारंभिक योजना के अनुसार, इस पहल में सड़कों के दोनों किनारों पर ग्रीन बेल्ट विकसित करने के लिए सघन पौधारोपण (प्लांटेशन) किया जाएगा, जिससे शहर का परिवेश हरा-भरा हो सके। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जिससे यह क्षेत्र और भी सुरक्षित बनेगा।नया मोड़ बिरसा मुंडा चौक और उकरीद मोड़ चौक को विशेष रूप से सजाया और संवारा जाएगा। दुंदीबाग और शिबू सोरेन स्मृति भवन के पास अवस्थित शिबू सोरेन स्क्वायर का भी व्यापक सौंदर्यीकरण किया जाएगा। सड़कों के किनारे जादुई पेंटिंग के साथ-साथ आधुनिक कलाकृतियां भी उकेरी जाएंगी, जो शहर को एक नया और कलात्मक आयाम देंगी। संपूर्ण योजना को एक विशेषज्ञ आर्किटेक्चर इंजीनियर की मदद से अंतिम रूप दिया जाएगा। इस संपूर्ण कार्य को योजनाबद्ध तरीके से संपन्न करने के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, निर्माण कार्य पूरा होने के बाद रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए डीसी की अध्यक्षता में एक समर्पित मेंटेनेंस कमेटी का भी गठन किया जाएगा, ताकि सौंदर्यीकरण दीर्घकालिक बना रहे।

समय पर आवेदनों का निस्तारण न किया तो होगी कार्रवाई : उपायुक्त

जनता दरबार में भूमि, पेंशन और दलालों की शिकायतों पर कड़ी कार्रवाई का निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। जिला समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से आए लोगों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों का अंबार लगा दिया। उपायुक्त ने एक-एक आवेदक की समस्याओं को अत्यंत गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना और मौके पर उपस्थित विभागीय अधिकारियों को तत्काल आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उपायुक्त श्री झा ने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का त्वरित एवं पारदर्शी समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि सभी प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जनता दरबार में सबसे अधिक शिकायतें भूमि विवाद, पेंशन, राशन, सामाजिक सुरक्षा से संबंधित मामलों पर दर्ज की गईं। इसके अलावा, जमीन के पेपर निकालने के लिए दलालों द्वारा पैसे लिए जाने की गंभीर शिकायतें, बिजली-पानी जैसी आधारभूत संरचना की कमी, और बोकारो स्टील सिटी में सड़क की समस्या पर भी लोगों ने अपनी व्यथा व्यक्त की। शिकायतों पर गंभीरता से सुनवाई करते हुए, डीसी ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे नियमित रूप से जन शिकायतों की समीक्षा करें। उन्होंने लंबित मामलों को जल्द निपटाने, फील्ड विजिट बढ़ाने और जनता के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने पर विशेष जोर दिया। डीसी ने स्पष्ट संदेश दिया कि अधिकारी जन समस्याओं के प्रति अधिक जवाबदेह बनें और पारदर्शी तरीके से समाधान दें।

गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल में स्पर्धा 2025-26 का भव्य आयोजन

बोकारो। गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर 5बी की ओर से आयोजित वार्षिक खेलकूद समारोह स्पर्धा 2025-26 मंगलवार को महाराणा रणजीत सिंह स्टेडियम में उत्साह, ऊर्जा और अनुशासन के बीच भव्यता के साथ संपन्न हुआ। पूरा मैदान बच्चों के जोश, रंगारंग प्रस्तुतियों और खेल भावना से सराबोर रहा। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार मुख्य अतिथि और सीआरपीएफ 26 वीं बटालियन के कमांडेंट प्रदीप कुमार सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष तरसेम सिंह, सचिव एस.पी. सिंह तथा अन्य सदस्यों ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। समारोह की शुरूआत रंगीन गुब्बारे उड़ाकर और मशाल प्रज्ज्वलित कर की गई। इसके बाद विद्यालय प्रार्थना और सैप्लिंग प्रस्तुति ने कार्यक्रम में आध्यात्मिकता और सृजनात्मकता का भाव जोड़ा। प्राचार्य अभिषेक कुमार ने स्वागत भाषण में कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में नेतृत्व, आत्मविश्वास और टीम भावना को विकसित करते हैं। मुख्य अतिथि शताब्दी मजूमदार ने कहा कि खेल चरित्र निर्माण और आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं विशिष्ट अतिथि प्रदीप कुमार सिंह ने खेलों को लक्ष्य निर्धारण, अनुशासन और धैर्य का आधार बताते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया।चारों सदनों पवन, पानी, धरत और आकाश द्वारा प्रस्तुत आकर्षक मार्च पास्ट ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। परिणाम में आकाश सदन प्रथम और पानी सदन द्वितीय घोषित हुए। मनमोहक पिरामिड प्रस्तुति ने विद्यार्थियों की शक्ति, लचीलापन और टीम-वर्क का शानदार प्रदर्शन किया। दिनभर चली एथलेटिक प्रतियोगिताओं 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर रिले, मार्बल रेस आदि में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नृत्य, संगीत, योग, ड्रिल, झारखंडी नृत्य और भांगड़ा की प्रस्तुतियों ने वातावरण को उत्साह और उमंग से भर दिया।

आम नागरिकों की सुरक्षा को ले प्रशासन संजीदा, डीसी ने दिए सख्त निर्देश

एक पखवाड़े में मांगी फायर सेफ्टी ऑडिट रिपोर्ट, फेल होने पर संस्थान होंगे सील

झारखंड दर्शन संवाददाता

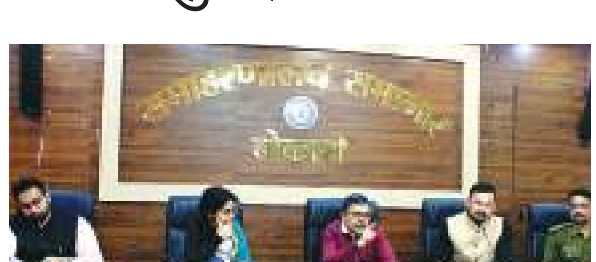

बोकारो। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर मंगलवार को कड़ा रुख अपनाया। उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा की अध्यक्षता में आयोजित जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार की महत्वपूर्ण बैठक में अस्पतालों, नर्सिंग होम, होटल, मॉल, रेस्टोरेंट और सभी बैंकों को अग्नि सुरक्षा संबंधी ऑडिट रिपोर्ट अगले 15 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से समर्पित करने का अल्टीमेटम दिया गया है। उपायुक्त श्री झा ने स्पष्ट कहा कि जहां भी आम नागरिकों की सुरक्षा का संबंध है, वहां सुरक्षा के हर मानक को सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अग्निशमन पदाधिकारी को व्यापक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि जो भी संस्थान सुरक्षा ऑडिट में असफल पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सील कर दिया जाएगा।

नगर क्षेत्र में अवस्थित हाईराइज बिल्डिंग्स और अपार्टमेंट्स की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। डीसी ने अग्निशमन पदाधिकारी और अपर नगर आयुक्त को संयुक्त निरीक्षण का निर्देश देते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि अवैध रूप से निर्मित और सुरक्षा मानकों को पूरा न करने वाली हाईराइज बिल्डिंग्स के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। इसके अतिरिक्त, सभी कार्यालय प्रधानों को निर्देशित किया गया है कि कार्यालय बंद करते समय सभी इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनिवार्य रूप से बंद कर दें, ताकि शॉर्ट सर्किट या आग लगने की आकस्मिक घटनाओं को रोका जा सके। बैंक परिसरों को भी आम नागरिक और बैंक कर्मियों की सुरक्षा के लिए फायर सेफ्टी मानकों को पूरा करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि अब आपदा प्रबंधन कार्य में संवेदनशीलता को पदाधिकारी की गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) दर्ज करने में एक मानक के रूप में प्रयोग किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य अधिकारियों में संवेदनशीलता बढ़ाने के साथ-साथ आपदा प्रबंधन कौशल में निपुणता लाना है। इस अवसर पर जिला आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से आपदा की स्थिति में उपयोग किए जाने वाले आवश्यक उपकरण, जैसे लाइफ जैकेट, सायरन, मेगा फोन और फर्स्ट एड बॉक्स, उपायुक्त कार्यालय, एसपी, अनुमंडल पदाधिकारियों और सभी अंचलाधिकारियों को वितरित किए गए।

डीवीसी ऐश पौंड में बड़ी दुर्घटना, भाकपा नेता की हाइवा से कुचलकर मौत, दर्जनों गाड़ियों में तोड़फोड़

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोकारो। बोकारो थर्मल के नूरी नगर स्थित डीवीसी के ऐश पौंड में मंगलवार की सुबह लगभग आठ बजे एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें छाई ढोने वाले एक खाली हाईवा नंबर-जेएच02बीपी-4606 की चपेट में आने से 65 वर्षीय भाकपा नेता तथा गोविंदपुर ए पंचायत के पूर्व पंसस मो मनीरुद्दीन की मौत हो गई।

घटना के बाद नूरी नगर के ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश भड़क गया। उत्तेजित ग्रामीणों ने तुरंत ऐश पौंड पहुंचकर घटना में संलिप्त हाईवा सहित आधा दर्जन हाईवा के शीशे तोड़ डाले और टायरों की हवा निकाल दी। जिन हाईवा के शीशे तोड़े गए उनमें जेएच 02 बीपी-4606, जेएच 16 7450, जेएच 09 बीडी-0249, जेएच 09 जीबी-3247, जेएच 02 बीएस-9034 और जेएच 09 बीबी-0249 शामिल हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने ऐश पौंड से हो रही छाई ट्रांसपोर्टिंग को भी पूरी तरह ठप करवा दिया और कांटा घर बंद करवा दिया।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि मो मुनीरूद्दीन अपनी बाइक नंबर-जेएच 09 एडब्ल्यू-7671 पर सवार होकर प्रत्येक दिन की तरह मंगलवार की सुबह लगभग पौने आठ बजे ऐश पौंड स्थित कांटा घर जा रहे थे। कांटा घर से पूर्व हाईवा चालक ने स्टेरिंग काटा और भाकपा नेता को बाइक सहित अपनी चपेट में ले लिया और उन्हें दस फीट तक घसीटते हुए चला गया। ऐश पौंड पर मौजूद लोगों और मजदूरों के शोर मचाने पर चालक वाहन रोककर फरार हो गया। घायल नेता को तुरंत डीवीसी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉ ऋतांकर भट्टाचार्य सहित डीजीएम हेल्थ डॉ संजय कुमार, डॉ एसके झा ने उनका इलाज किया और उन्हें बेहतर इलाज के लिए बोकारो रेफर कर दिया। हॉस्पिटल सूत्रों का कहना था कि उनकी मौत डीवीसी हॉस्पिटल में ही इलाज के दौरान हो गई थी, बावजूद इसके हंगामा टालने के लिए उन्हें बोकारो रेफर किया गया। बोकारो के मेडिकैंट हॉस्पिटल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। हाईवा बरवाबेड़ा निवासी तौफिक अंसारी की बताई जाती है। भाकपा नेता मो शाहजहां, बेरमो अंचल मंत्री ब्रज किशोर सिंह, नवीन कुमार पाठक, आजसू नेता मंजूर आलम, सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव, पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि महबूब आलम, सीके मुखिया विकास सिंह, चंद्रदेव घांसी, अख्तर अंसारी, श्रवण सिंह आदि हॉस्पिटल पहुंचकर घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों का कहना है कि मो मनीरुद्दीन ऐश पौंड में कार्यरत 54 मजदूरों की समस्या एवं मांगों को लेकर मुखर थे, जिसके कारण वे छाई ढुलाई का कार्य करने वाली वर्तमान कंपनी के सुपरवाइजर सहित कुछ लोगों की आंखों में खटक रहे थे। नूरी नगर के ग्रामीणों का आरोप है कि बरवाबेड़ा के उक्त हाईवा चालक ने जान-बूझकर घटना को अंजाम दिया है और यह दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या है। घटना एवं मुआवजे को लेकर हो रहे आंदोलन की सूचना पाकर बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार और सीओ संजीत कुमार भी बोकारो थर्मल पहुंचे। कथारा ओपी प्रभारी राजेश प्रजापति एवं बेरमो बीडीओ के द्वारा बार-बार फोन पर बुलाए जाने के बावजूद घटना के छह घंटे बाद डीवीसी के जीएम एएमएस राजेश विश्वास, डीजीएम प्रशासन कालीचरण शर्मा, सेफ्टी ऑफिसर अशोक कुमार चौबे घटनास्थल पर ही मौजूद ग्रामीणों एवं परिजनों के साथ वार्ता करने पहुंचे, जिस पर सभी ने डीवीसी प्रबंधन के विलंब पर नाराजगी जताई।

वार्ता में मौजूद सभी लोगों ने घटना के लिए मुख्य रूप से जिम्मेवार छाई का उठाव करने वाली कंपनी के स्थानीय सुपरवाइजर मुकेश पांडेय तथा हाईवा के मालिक मो तौफीक पर हत्या का मामला दर्ज करने, डीवीसी से 51 लाख रुपया बतौर मुआवजा, मृतक के आश्रित को नियोजन, 50 हजार रुपया प्रत्येक माह का भुगतान तथा अंतिम संस्कार के लिए 55 हजार रुपये की मांग की। डीवीसी के जीएम एवं डीजीएम द्वारा मांगों पर सहमति नहीं बनने के बाद सभी आंदोलनकारी शव को पावर प्लांट गेट पर रखने को आमादा थे। दूसरे दौर की वार्ता ऐश पौंड में ही जारी है।

संक्षिप्त खबरें

जेएमएम कार्यालय जनता के लिए हमेशा खुला रहेगा : मुस्लिम अंसारी

गिरिडीह/जमुआ। पिंडरसोत चौक पर मंगलवार को झामुमो पश्चिमी क्षेत्र की एक संगठित बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष मो० जलील ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जेएमएम नेता मुस्लिम अंसारी ने कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें बताईं। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा एक जमीनी पार्टी है, जो गांव, गरीब, किसान, श्रमिक और समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि जमुआ प्रखंड मुख्यालय में खोला गया जेएमएम कार्यालय जनता की समस्याओं के समाधान और जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ दिलाने के उद्देश्य से संचालित है। कुछ विरोधी दल गलत प्रचार कर रहे हैं कि चार दिनों में कार्यालय बंद हो जाएगा, लेकिन यह असत्य और भ्रामक बातें हैं। जेएमएम जनता और माटी के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और कार्यालय नियमित रूप से संचालित रहेगा। मुस्लिम अंसारी ने कार्यकताओं से कहा कि वे गांव-गांव जाकर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करें। बैठक में सिराज अंसारी, मुकेश राम, अनिल राम, पवन चौधरी, आशिक इकबाल और शोभरती अंसारी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एचआईवी-एड्स रोकथाम को लेकर सदर अस्पताल गिरिडीह में विधिक जागरूकता शिविर

गिरिडीह। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार गिरिडीह एवं सचिव सफदर अली नैयर के निदेर्शानुसार सदर अस्पताल में एचआईवीझएड्स रोकथाम एवं नियंत्रण अधिनियम 2014 के तहत विधिक जागरूकता सह साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। वक्ताओं ने बताया कि वर्ष 1988 से हर वर्ष 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है जिसका मुख्य उद्देश्य एचआईवी संक्रमण के खिलाफ जागरूकता फैलाना है। प्रारंभ में इसे केवल युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन बाद में स्पष्ट हुआ कि एचआईवी किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकता है। कार्यक्रम में एलएडीसीएस के फैयाज अहमद और रविकांत शर्मा ने एचआईवी संक्रमण, रोकथाम, उपचार और सामाजिक समर्थन के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। सदर अस्पताल की डॉक्टर रचना शर्मा और डॉ० रेखा झा ने भी अपनी महत्वपूर्ण बातें रखीं और लोगों को जागरूक होने की अपील की। शिविर को सफल बनाने में पीएलवी दिलीप कुमार, रंजना सिन्हा और मोहम्मद वारिस की सराहनीय भूमिका रही।

पांच सूत्री मांगों को लेकर गिरिडीह नगर निगम कर्मियों का एक दिवसीय भूख हड़ताल

गिरिडीह। झारखंड लोकल बॉडीज इम्प्लॉइज फेडरेशन के बैनर तले गिरिडीह नगर निगम कर्मियों ने अपनी पांच सूत्री मांगों के समर्थन में मंगलवार को निगम परिसर में एक दिवसीय भूख हड़ताल किया। कर्मियों ने सरकार पर वादों को पूरा न करने का आरोप लगाते हुए नाराजगी जाहिर की और चेतावनी दी कि यदि मांगें जल्द नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। फेडरेशन के नेता अशोक कुमार सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा बार-बार आश्वासन देने और मंत्रियों के साथ लिखित समझौते के बावजूद कर्मियों की मांगें लटकी हुई हैं। दैनिक वेतनभोगी कर्मियों का नियमितीकरण, वेतन वृद्धि और सेवा शर्तों में सुधार महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। धरना के कारण नगर निगम के कई कार्य ठप रहे। कर्मचारियों ने साफ कहा कि अब वे अपने हक से पीछे नहीं हटेंगे और संघर्ष जारी रहेगा। धरना में लखन हरिजन, अंजित चंद्रा, मोहम्मद साबिर, लखन शर्मा, रामकुमार सिन्हा, अशोक हरिजन, आकाश हाड़ी, बबलू हाड़ी और डब्लू हाड़ी सहित बड़ी संख्या में निगम कर्मचारी उपस्थित रहे।

खरगडीहा-हरखुडीह में मुखिया सुनीता देवी की अध्यक्षता में मवेशी रोकथाम पर विशेष ग्रामसभा

झारखंड दर्शन संवाददाता

गिरिडीह/जमुआ। पंचायत सचिवालय खरगडीहा में ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक मुखिया श्रीमती सुनीता देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें ग्राम छोटकी खरगडीहा और हरखुडीह के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य मवेशियों के खुले विचरण से किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान को रोकना तथा ग्रामीणों में सामूहिक जिम्मेदारी की भावना स्थापित करना था। बैठक में वर्तमान मुखिया महेंद्र प्रसाद वर्मा, बलदेव प्रसाद वर्मा, प्रेम कुमार, सरिता देवी, सविता देवी, कंचन देवी, कुमारी प्रतिमा स्वराज, छोटी कुमारी, संगिता देवी, रीता देवी, गुड़िया देवी, मोहम्मद अलाउद्दीन, नसीम अंसारी, संदीप दुबे, हीरालाल साव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभा में सर्वसम्मति से यह बड़ा निर्णय लिया गया कि कोई भी किसान अब बिना चरवाहा सुनिश्चित किए अपना मवेशी नहीं छोड़ेगा। दोनों राजस्व गांवों में ग्राम संगठन के माध्यम से कानी-कौड़ी हाउस का गठन करने पर सहमति बनी, जिसके तहत ऐसे किसानों पर आर्थिक दंड लगाया जाएगा जिनके मवेशी दूसरों की फसलों को नुकसान पहुंचाएंगे। भैंस पर 500 रुपये, गायझबैलझबछड़ा पर 250 रुपये तथा बकराझबकरी पर 150 रुपये की क्षतिपूर्ति तय की गई। यदि आरोपित किसान 24 घंटे में क्षतिपूर्ति नहीं देता है तो धनराशि दोगुनी कर वसूली जाएगी और 36 घंटे बाद प्रशासनिक पदाधिकारी बेंगाबाद को सूचना देकर संबंधित मवेशियों को पाचंबा गौशाला समिति को सौंप दिया जाएगा। ग्राम सभा में लिए गए इन निर्णयों को सभी ग्रामीणों ने स्वीकार किया और बैठक की कार्यवाही सम्पन्न हुई।

सड़क हादसे में टूटे परिवार का सहारा बने कंचन यादव, मृतका के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की

झारखंड दर्शन संवाददाता

हंटरगंज। बीते सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने हंटरगंज के एक परिवार की खुशियां छीन लीं। इस दुर्घटना में बाड़मोड़ निवासी मालो यादव की पत्नी मालती की मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र मिथलेश कुमार और दामाद सर्जन यादव गंभीर रूप से घायल होकर जीवन-मृत्यु की लड़ाई लड़ रहे हैं।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही राजद नेता एवं समाजसेवी कंचन यादव तत्काल बोडामोड़ स्थित मृतका के घर पहुँचे और शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। कंचन यादव ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है और ऐसे कठिन समय में वे पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने परिवार को आर्थिक सहायता भी प्रदान की और आश्वासन दिया कि आगे भी हर संभव मदद जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि उनकी संपत्ति गरीबों की सेवा के लिए है और वे किसी भी परिस्थिति में जरूरतमंदों की सहायता करने से पीछे नहीं हटेंगे। इधर, बूढ़े मालो यादव पर मानो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी की मौत ने उन्हें तोड़ दिया है और दूसरी ओर बेटा और दामाद की नाजुक स्थिति ने परिवार को आर्थिक संकट में धकेल दिया है। एक बेटे का इलाज शेरघाटी में चल रहा है जबकि दूसरा रिम्स में जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहा है। मालो यादव ने कहा कि वे अब उम्रदराज हो चुके हैं और कमाने वाला कोई नहीं बचा। उन्होंने सरकार से आर्थिक सहायता की गुहार लगाई है ताकि परिवार बिखरने से बच सके।

कड़ाके की ठंड में गरीबों के बीच पहुंचे युवा समाजसेवी कंचन यादव, किया कंबल वितरण

झारखंड दर्शन संवाददाता

हंटरगंज। डुमरीकला पंचायत के पूर्व मुखिया और राजद के समाजसेवी युवा नेता कंचन यादव ने कड़ाके की ठंड में मानव सेवा का परिचय देते हुए गरीब और असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। उन्होंने अपने आवास पर विभिन्न गांवों के गरीबों और बुजुर्गों को बुलाया और स्नेहपूर्वक उन्हें कंबल प्रदान किए। कार्यक्रम के बाद कंचन यादव ने स्वयं वाहन की व्यवस्था कर सभी लाभुकों को सुरक्षित उनके घरों तक भी पहुंचाया। कंबल प्राप्त कर ग्रामीणों के चेहरों पर राहत और खुशी साफ झलक रही थी। उन्होंने कंचन यादव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे सदैव इसी तरह जनता की सेवा में जुड़े रहें। इस दौरान डुमरी, बेला, देवरिया, गोड़वाली, फिटिंगटांड, तुलसीपुर सहित कई गांवों की लगभग पांच सौ महिलाओं और बुजुर्गों को कंबल दिए गए। कंचन यादव ने कहा कि समाज की सेवा ही उनका उद्देश्य है और जब तक वे रहेंगे गरीबों, असहायों और बुजुर्गों के सुख-दुख में साथ खड़े रहेंगे। क्षेत्र के कार्यकर्ता और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे, जिनमें पंचायत समिति सदस्य कृष्णकांत कुमार यादव, वार्ड सदस्य पति रघु यादव, नंदु यादव, सुनील यादव, श्याम यादव, गिरीश पासवान, भुवनेश्वर यादव, मुरारी यादव, सुखदेव यादव, राजेश यादव, अवधेश यादव, प्रदीप यादव, सुरेंद्र यादव, संतोष यादव सहित कई लोग शामिल थे।

जनता से सीधा संवाद, उपायुक्त ने सुनीं आमजनों की समस्याएं

झारखंड दर्शन संवाददाता

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनता दरबार में मंगलवार को उपायुक्त कीर्ति श्री ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं।

बड़ी संख्या में आमजन अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे थे, जिनमें भूमि विवाद, आवास, सड़क मरम्मत, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी तथा शिक्षा से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। लोग अपने-अपने मुद्दों को विस्तार से रखते रहे और उपायुक्त प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुनती रहीं।

उपायुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी मामलों का त्वरित, निष्पक्ष और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि लोगों को शीघ्र राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य जनता तक सीधी और प्रभावी सेवा पहुंचाना है और जनता दरबार इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। गौरतलब है कि जिला प्रशासन प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक जनता दरबार आयोजित करता है, जिसमें आमजन बिना किसी मध्यस्थ के सीधे जिला प्रशासन के समक्ष अपनी समस्याएं प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रशासन ने लोगों से अधिकाधिक संख्या में इस व्यवस्था का लाभ उठाने की अपील की है।

चतरा पुलिस का बड़ा अभियान, 27 एकड़ में फैली अवैध अफीम की खेती नष्ट

झारखंड दर्शन संवाददाता

चतरा। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में चतरा पुलिस ने अवैध अफीम की खेती के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया, जिसके तहत जिले के कई इलाकों में फैली 27 एकड़ अवैध अफीम की खेती का पूरी तरह उन्मूलन कर दिया गया। पुलिस की टीमों ने लावालौंग थाना क्षेत्र के भूसाड गांव, कुंदा थाना क्षेत्र के सखुआही जंगल, वशिष्ठनगर के कोलवा गांव और राजपुर थाना क्षेत्र के बेंगोंखुर्द में फैली अवैध खेती को शुरूआती अवस्था में ही नष्ट कर दिया, जिससे नशे के अवैध कारोबार पर बड़ा प्रहार हुआ है। पुलिस अवैध खेती में संलिप्त लोगों की पहचान करने में जुट गई है और उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। पुलिस प्रशासन प्रतिदिन इस तरह की अवैध खेती को नष्ट कर रहा है और आने वाले समय में पूरे जिले को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया गया है। चतरा पुलिस ने आमजन से अपील की है कि अवैध अफीम की खेती से दूर रहें और समाज में फैली इस कुरीति को समाप्त करने में पुलिस का सहयोग करें। पुलिस ने साफ किया है कि किसी भी गैरकानूनी गतिविधि में शामिल पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

करगली में टी-20 नौ दिवसीय सीसीएल अंतर क्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता में दूसरे दिन हुए दो मैच

झारखंड दर्शन संवाददाता

बेरमो। बिनोद बिहारी महतो फुटबॉल ग्राउंड करगली में चल रहे टी-20 नौ दिवसीय सीसीएल क्षेत्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन मंगलवार को दो मैच खेले गये। पहला मैच एसी बनाम एमएमएंडएस के बीच खेला गया। जिसमें एसी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 159 रनों का लक्ष्य दिया। जवाबी पारी में एमएंडएस की टीम 20 ओवर में 131 रन ही बना सकी।

एसी की टीम 28 रनों से मैच को जीत ली। प्लेयर ऑफ द मैच योगेंद्र कुमार बने। दूसरा मैच अरगड्डा बनाम कुजू के बीच खेला गया। जिसमें अरगड्डा की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 161 रनों का लक्ष्य लिया। जवाबी पारी में कुजू की टीम 155 रन बना सकी। अरगड्डा की टीम 6 रनों से मैच में जीत दर्ज किया। प्रतियोगिता का समापन 16 दिसंबर को फाइनल मैच के साथ होगा। मैच की कामेंट्री अबदुल रासिद ने किया। वहीं एम्पायर की भूमिका अली रजा व दिलीप सिंह निभा रहे थे। स्कोरर में प्रशांत कुमार रहे। यह प्रतियोगिता बीएंडके एसओपी विनय रंजन टुडू व कार्मिक प्रबंधक पीएन सिंह के देखरेख में करवाया जा रहा है।

दुर्गा मंदिर नव-निर्माण समिति की बैठक में निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्णय

झारखंड दर्शन संवाददाता

गिरिडीह/जमुआ। रेंबा स्थित श्री दुर्गा पूजा समिति और मंदिर नव-निर्माण समिति के संयुक्त तत्वावधान में दुर्गा मंदिर प्रांगण में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि निमार्णाधीन भव्य दुर्गा मंदिर के कार्य को यथाशीघ्र पूरा किया जाएगा और इसके उपरांत एक विशाल यज्ञ का आयोजन किया जाएगा।

वार्षिक पूजा 2025 के आय-व्यय का लेखा-जोखा कोषाध्यक्ष उदय द्विवेदी द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसे समिति ने स्वीकार किया। मंदिर निर्माण को गति देने के लिए प्रति घर 1100 रुपये सहयोग राशि निर्धारित की गई। सहयोग राशि संग्रहित करने के लिए एक केंद्रीय समिति का गठन भी किया गया जिसमें उदय द्विवेदी, भिखारी राम, लालजीत साव, उमेश राणा, मीतू महतो, बजरंग राणा, सुबोध गुप्ता, संजीव गुप्ता, नंदकिशोर पंडित, पुरुषोत्तम मंडल, मनोहर पंडित, पवन द्विवेदी सहित कई सदस्यों को शामिल किया गया।

बैठक की अध्यक्षता भोलानाथ द्विवेदी ने की जबकि बैठक में रामेश्वर मंडल, सुधीर द्विवेदी, अजय दुबे, पंडित कन्हैयालाल द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में मंदिर निर्माण कार्य शीघ्र समाप्त कराने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त खबरें

उपायुक्त के निर्देश पर धनबाद में चौक-चौराहों पर अलाव की व्यवस्था शुरू

धनबाद। धनबाद में ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जिला प्रशासन ने जरूरतमंदों के लिए त्वरित कदम उठाया है। झारखंड दर्शन दैनिक समाचार पत्र में कंबल वितरण और अलाव की व्यवस्था न होने से गरीबों की रातें मुश्किल शीर्षक से प्रकाशित खबर के बाद धनबाद उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने तुरंत संज्ञान लेते हुए पूरे जिले में अलाव की व्यवस्था कराने का आदेश दिया। उन्होंने नगर निगम, नगर परिषद सहित सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और उन सभी स्थानों पर जहां जरूरतमंद, दिहाड़ी मजदूर, प्रवासी और बेघर लोग रहते या रात में गुजरते हैं, वहां अलाव की सुविधा सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें ठंड से राहत मिल सके। प्रशासन ने उपायुक्त के निर्देश पर रात के समय लगने वाली भीषण ठंड से बचाव के लिए शहर के प्रमुख स्थानों पर अलाव जलवाने की शुरूआत कर दी है। प्रशासन का कहना है कि ठंड के मौसम में जरूरतमंदों की सुरक्षा और सुविधा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, और इसी उद्देश्य से जिलेभर में इस व्यवस्था को तेजी से लागू किया जा रहा है।

बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत बलियापुर में किसानों को सरसों बीज का वितरण

बलियापुर। बलियापुर के बाघजोबरा गांव में बिरसा फसल विस्तार योजना के तहत मंगलवार को सरसों बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी और पंचायत समिति सदस्य दिवाकर महतो ने संयुक्त रूप से दर्जनों किसानों के बीच सरसों का बीज वितरित किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित हुए और उन्होंने राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे कृषि हितैषी कार्यक्रमों की सराहना की। बीज वितरण के दौरान उप प्रमुख आशा देवी ने कहा कि झारखंड सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रबी फसल के लिए सरसों तथा गेहूं सहित अन्य फसलों के बीज निःशुल्क उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने और उनकी आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। कार्यक्रम में बीटीएम देवेंद्र कुमार, कृषक मित्र युधिष्ठिर महतो, प्रेमचंद महतो, धीरेन महतो और कई अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। स्थानीय किसानों ने कहा कि इस प्रकार के बीज वितरण कार्यक्रम उनके लिए अत्यंत लाभदायक साबित होते हैं, क्योंकि इससे वे समय से खेती शुरू कर पाते हैं और बेहतर उत्पादन की संभावना बढ़ जाती है।

राज सिन्हा ने सदन में उठाया हाजत में कैदियों के भोजन मद बढ़ाने व लंबित केसों के बढ़ते बोझ का मुद्दा

धनबाद। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में धनबाद के विधायक एवं पार्टी के सचेतक राज सिन्हा ने अल्पसूचित प्रश्न के तहत राज्य के सभी थानों और ओपी के हाजतों में बंद गिरफ्तार अभियुक्तों को भोजन के लिए निर्धारित प्रति व्यक्ति प्रतिदिन मात्र 11 रुपये की राशि पर गंभीर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह राशि वर्तमान समय की महंगाई के अनुरूप बिल्कुल भी पर्याप्त नहीं है और इससे कैदियों के लिए संतुलित भोजन की व्यवस्था कर पाना संभव नहीं है। राज सिन्हा ने यह भी सवाल खड़ा किया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 में कैदियों के भोजन मद में खर्च किए गए कुल राशि के विपत्र संधारित क्यों नहीं किए गए और सरकार इस दिशा में कब कार्रवाई करेगी। विधायक सिन्हा ने राज्य में पुलिस अनुसंधान की स्थिति पर भी चिंता व्यक्त की और सदन में बताया कि झारखंड में गंभीर और सामान्य दोनों प्रकार के कुल 46 हजार से अधिक मामले अनुसंधान के लिए लंबित हैं, जिसका मुख्य कारण यह है कि राज्य में स्वीकृत पुलिस बल तथा आईपीएस अधिकारियों और जवानों की संख्या मानकों के अनुसार नहीं है। जिससे न्यायिक प्रणाली भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि पुलिस बल की संख्या बढ़ाई जाए ताकि अनुसंधान कार्य समय पर पूरा हो सके और लंबित मामलों का बोझ कम किया जा सके।

धनबाद के अस्पतालों में अव्यवस्था पर विधायक ने जताई नाराजगी

धनबाद। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में मंगलवार को झरिया समेत पूरे धनबाद जिले के अस्पतालों में संसाधनों की कमी, अव्यवस्था और गंदगी से मरीजों को हो रही परेशानियों का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया गया। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से विधायक ने बताया कि धनबाद के एस.एन.एम.सी.एच. अस्पताल में इलाज के लिए केवल धनबाद ही नहीं, बल्कि कई अन्य जिलों से भी मरीज बड़ी संख्या में पहुंचते हैं, परंतु डायलिसिस मशीनों की कमी के कारण किडनी रोगियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। उन्होंने कहा कि कई आवश्यक जांचें बाहर करानी पड़ती हैं और दवाइयां भी मरीजों को अस्पताल के बजाय बाजार से खरीदनी पड़ती हैं, जिससे इलाज का खर्च काफी बढ़ जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्राइवेट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड से इलाज न होने की शिकायतें बढ़ रही हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की समस्याएँ और गहरी होती जा रही हैं।

साइबर ठगी करने वाले तीन अंतरजिला अपराधी गिरफ्तार

फर्जी व्हाट्सऐप खाते और धोखाधड़ी वाले मोबाइल एप के जरिए करते थे ठगी

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। धनबाद पुलिस ने जिले में लगातार बढ़ रहे साइबर अपराध पर नकेल कसते हुए एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तथा पुलिस उपाधीक्षक, साइबर अपराध रोकथाम के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। गुप्त सूचना की पुष्टि होने पर यह दल ग्राम चीरागोड़ा, थाना धनबाद स्थित उमाकांत कुमार के मकान पर पहुंचा, जहां किराये पर रह रहे तीन युवक उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर साइबर ठगी की वारदातों में संलिप्त पाए गए।

गिरफ्तार अपराधियों में सचिन कुमार (उम्र 21 वर्ष), महेश मंडल (उम्र 26 वर्ष) और बिनोद कुमार महतो (उम्र 26 वर्ष) शामिल हैं। इनके पास से बरामद मोबाइल फोन की प्रारंभिक जांच में कई संदिग्ध मोबाइल एप फाइलें, उन एप को संचालित करने हेतु बनाया गया संचालक पटल, सैकड़ों लोगों की निजी बैंकिंग जानकारी, एकमुश्त पासवर्ड से जुड़े रिकॉर्ड, डिजिटल बटुए से संबंधित डेटा तथा पैसों के अवैध लेनदेन के महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले। पूछताछ में इन तीनों ने स्वीकार किया कि वे संगठित तरीके से साइबर ठगी को अंजाम देते थे और कई राज्यों में फैले अन्य गिरोहों से भी जुड़े थे।

अभियुक्तों ने बताया कि वे कई फर्जी मोबाइल नंबरों से व्हाट्सऐप खाते बनाते थे और लोगों को परिवहन विभाग चालान (आर.टी.ओ चालान), भारतीय स्टेट बैंक इनाम (एस.बी.आई रिवार्ड) और आकर्षक नकद वापसी जैसी योजनाओं के नाम पर झांसा देकर मोबाइल एप की फाइल भेजते थे। जैसे ही कोई व्यक्ति इन फाइलों को अपने मोबाइल में डाउनलोड करता था, उसके मोबाइल का पूरा नियंत्रण इन ठगों के पास पहुंच जाता था। इसके बाद वे पीड़ितों के बैंक खातों में प्रवेश कर रुपये की निकासी कर लेते थे या उनके डिजिटल बटुए को पूरी तरह खाली कर देते थे। यह ठगी का तरीका तकनीकी रूप से अत्यंत जटिल और खतरनाक था, जिसके कारण कई लोग आर्थिक रूप से प्रभावित हो चुके थे। इस मामले में साइबर थाना, धनबाद में कांड संख्या 0089/2025 दर्ज किया गया है। अपराधियों पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318(4), 319(2), 338, 340(2), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(सी), 66(डी) तथा दूरसंचार अधिनियम 2023 की धारा 42(3)(ई) के तहत मामला दर्ज किया गया है। ये धाराएँ गंभीर साइबर अपराध, पहचान की धोखाधड़ी, वित्तीय ठगी और इलेक्ट्रॉनिक डेटा की चोरी जैसे मामलों पर लागू होती हैं। गिरफ्तार महेश मंडल का पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है। वह वर्ष 2022 में नयी दिल्ली विशेष प्रकोष्ठ द्वारा दर्ज एक मामले (कांड संख्याझ258/2022) में भारतीय दंड संहिता की धारा 419, 420, 120(बी), 468 और 471 के तहत आरोप पत्रित हो चुका है। यह उसके संगठित अपराध जगत से गहरे संबंध का प्रमाण है। छापामारी के दौरान पुलिस ने कुल 08 मोबाइल फोन, 06 सिम कार्ड और 02 मोटरसाइकिल बरामद किए। बताया जाता है कि ये मोटरसाइकिलें अपराधियों द्वारा लगातार स्थान बदलने और अपनी पहचान छुपाने के लिए उपयोग की जाती थीं।

इस सफल अभियान में साइबर थाना धनबाद के पुलिस पदाधिकारी पुलिस उपनिरीक्षक विश्वजीत ठाकुर, पुलिस अवर निरीक्षक विकास प्रसाद, महिला सहायक अवर निरीक्षक मेरी प्रफुल्लित लकड़ा तथा आरक्षक जयनारायण पंडित शामिल थे। पुलिस टीम की तत्परता, तकनीकी समझ और समन्वय के चलते साइबर अपराधियों के इस नेटवर्क का पदार्फाश हो सका। धनबाद पुलिस ने नागरिकों को सचेत किया है कि किसी अनजान नंबर से प्राप्त संदेश, लिंक या मोबाइल एप की फाइलें बिल्कुल भी डाउनलोड न करें। थोड़ी सी असावधानी बड़ी आर्थिक हानि का कारण बन सकती है। पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि साइबर अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी जारी रहेगा और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

शहीद श्यामल चक्रवर्ती शहादत दिवस की तैयारी को लेकर स्मारक समिति की बैठक संपन्न

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। आगामी 3 जनवरी को मनाए जाने वाले शहीद श्यामल चक्रवर्ती शहादत दिवस की तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से आज शहीद श्यामल चक्रवर्ती स्मारक समिति की महत्वपूर्ण बैठक एलसी रोड, हीरापुर स्थित सम्राट चौधरी के आवासीय कार्यालय में आयोजित की गई। यह शहादत दिवस प्रतिवर्ष आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के प्रथम गेट के निकट मनाया जाता है। बैठक की अध्यक्षता समिति के कार्यकारी अध्यक्ष बिंदा पासवान ने की, जबकि समिति के संरक्षक हरिप्रसाद पप्पू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि हरिप्रसाद पप्पू ने 3 जनवरी 1993 की उस ऐतिहासिक घटना को याद किया, जब आतंकवादियों ने हीरापुर विनोद मार्केट स्थित बैंक ऑफ इंडिया को लूटने का प्रयास किया था। उन्होंने बताया कि आम नागरिक श्यामल चक्रवर्ती ने अपनी जान की परवाह किए बिना राष्ट्रीय संपत्ति की रक्षा के लिए आतंकियों का बहादुरी से सामना किया और इसी दौरान वीरगत को प्राप्त हुए। पप्पू ने कहा कि उसी कांड में तत्कालीन एसपी रणधीर प्रसाद वर्मा भी शहीद हुए थे, जिन्हें केंद्र सरकार ने अशोक चक्र से सम्मानित किया। इसके विपरीत, देश की संपत्ति बचाने वाले साहसी नागरिक शहीद श्यामल चक्रवर्ती को आज तक न तो केंद्र और न ही राज्य सरकार ने किसी भी प्रकार का सरकारी सम्मान प्रदान किया। इस उपेक्षा पर उन्होंने गहरी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शहीद श्यामल चक्रवर्ती स्मारक समिति हर वर्ष 3 जनवरी को यह दिवस उनके सर्वोच्च बलिदान की स्मृति और सम्मान में मनाती है।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 3 जनवरी को कार्यक्रम को विशेष रूप से भव्य और गरिमामय रूप में आयोजित किया जाएगा, ताकि एक आम नागरिक के असाधारण साहस और देशभक्ति की गाथा अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। बैठक में प्रमुख रूप से सम्राट चौधरी, टुनटुन मुखर्जी, राणा चट्टराज, शुभम पासवान, संजय पासवान सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग तेज

राष्ट्रीय पत्रकार संघ के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत, झारखंड प्रदेश का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को रांची में राज्यपाल, मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष से मिला तथा उन्हें पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग से संबंधित विस्तृत ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकार अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए निरंतर जोखिमों का सामना कर रहे हैं। कई बार उन्हें रिपोर्टिंग के दौरान हिंसा, धमकी, अपहरण तथा जान से मारने जैसी गंभीर स्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। ज्ञापन के माध्यम से प्रतिनिधिमंडल ने यह भी अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पत्रकार सुरक्षा कानून पहले ही लागू है, जिसके तहत पत्रकारों को चिकित्सा सुविधा, आवास सहायता, पेंशन लाभ तथा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा उपाय उपलब्ध कराए जा रहे हैं। झारखंड में भी पत्रकारों के हित में इसी प्रकार का कानून लागू कर निर्भीक और स्वतंत्र पत्रकारिता को प्रोत्साहित किया जा सकता है। उन्होंने यह मांग भी रखी कि प्रस्तावित पत्रकार सुरक्षा कानून में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार के उत्पीड़न से सुरक्षा, मानहानि के मामलों में संरक्षण, पत्रकार के स्त्रोतों की गोपनीयता की रक्षा तथा कार्य के दौरान होने वाली प्रताड़ना से बचाव के स्पष्ट प्रावधान शामिल किए जाएं, ताकि पत्रकार बिना भय के समाज के समक्ष सत्य प्रस्तुत कर सकें। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद जहीरूद्दीन खान तथा धनबाद जिला अध्यक्ष शिव शंकर यादव ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। यदि पत्रकार असुरक्षित रहेगा, तो समाज तक सच्चाई पहुंचाना कठिन हो जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार से इस विषय पर संवेदनशीलता दिखाते हुए शीघ्र और ठोस निर्णय लेने की अपील की। प्रतिनिधिमंडल में जहीरूद्दीन खान, शिव शंकर यादव, प्रदीप सिंह, शिशिर कुमार मिश्रा और सुनील कुमार रवानी शामिल थे।

मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा ने छात्रों को दिलाई भ्रष्टाचार मुक्त भारत की शपथ

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक दिवस के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा ने झरिया और धनबाद क्षेत्र के कई प्रमुख शिक्षण संस्थानों में विशेष शपथ कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने का संकल्प दिलाया। इस जागरूकता अभियान का उद्देश्य युवाओं में ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिक मूल्यों को मजबूत करना था, ताकि भविष्य का भारत अधिक स्वच्छ, जवाबदेह और विश्वसनीय बन सके।

शपथ कार्यक्रम द्वारिका मेमोरियल फाउंडेशन अकादमी बिशुनपुर, धनबाद, केमिस्ट्री सेंटर झरिया और इको टाइम्स झरिया में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इन सभी संस्थानों में सैकड़ों विद्यार्थियों ने एकजुट होकर भ्रष्टाचार का विरोध करते हुए यह संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में कभी भ्रष्टाचार को स्थान नहीं देंगे, न स्वयं भ्रष्टाचार करेंगे और न ही किसी प्रकार के भ्रष्ट आचरण को बढ़ावा देंगे।

कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच, झरिया शाखा के अध्यक्ष डॉ० मनीष शर्मा, कार्यक्रम संयोजक विवेक जलुका, शाखा सचिव दीपक अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष विवेक लिल्हा, तथा कार्यकारिणी सदस्य सीए सनी कटेसरिया और रौनक अग्रवाल की विशेष उपस्थिति रही। सभी ने विद्यार्थियों को ईमानदारी अपनाने, सही मार्ग पर चलने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम की सफलता में द्वारिका मेमोरियल फाउंडेशन अकादमी के प्राचार्य मदन कुमार सिंह तथा केमिस्ट्री सेंटर के संचालक अमित शर्मा का सहयोग सराहनीय रहा। मंच के सचिव दीपक अग्रवाल ने कहा कि यदि युवाओं को प्रारंभिक अवस्था में ही भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों से अवगत कराया जाए, तो वे जीवन भर सही मूल्यों का पालन करते हुए समाज और राष्ट्र के लिए मिसाल बन सकते हैं।

सोनिया गांधी के जन्मदिन पर धनबाद जिला कांग्रेस ने हर्षोल्लास के साथ मनाया समारोह

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। जिला कांग्रेस मुख्यालय, हाउसिंग कॉलोनी धनबाद में धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में भारतीय राजनीति की गरिमा, संघर्ष, त्याग और समर्पण की प्रतिमूर्ति, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद सोनिया गांधी के जन्मदिन का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने की। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने केक काटकर एक-दूसरे को बधाई दी और खुशी का इजहार किया। साथ ही जिला कांग्रेस परिवार ने ईश्वर से श्रीमती सोनिया गांधी के स्वास्थ्य एवं दीघार्यु होने की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि हिंदुस्तान ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व पटल पर सोनिया गांधी अदम्य शक्ति, संघर्ष और त्याग की सजीव मिसाल हैं। उन्होंने देश की लोकतांत्रिक आत्मा की रक्षा के लिए अपमान, प्रहार और साजिशों को सहते हुए भी हर बार देशहित को निजी हितों से ऊपर रखा। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी मात्र एक संगठन नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का संघर्ष, समानता और न्याय की अंतिम उम्मीद है। आज जब राजनीति में गिरता स्तर, नफरत का माहौल और झूठ का बोलबाला दिखाई देता है, तब समझ में आता है कि सोनिया गांधी जैसी व्यक्तित्व क्यों मूल्य और मयार्दा की प्रतीक हैं।

उनका संयम, शांत नेतृत्व और समर्पण आज भी हर कांग्रेस कार्यकर्ता की धड़कन में जीवित है। कार्यक्रम में संबोधन देने वालों में कैयूम खान, इरफान खान चौधरी, सीता राणा, मृत्युंजय कुमार सिंह, नवीन पासवान, जियाउल हुसैन, नागेंद्र सिंह, महेंद्र दुबे, गंगा वाल्मीकि, दिनेश यादव, मनोज सिंह, दीपक पासवान, शाहित सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

कोसोफ ट्रस्ट ने धनबाद में चलाया ग्रीन-वे अभियान, पर्यावरण संरक्षण को लेकर विस्तृत चर्चा

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। धनबाद स्थित कोसोफ ट्रस्ट के सौजन्य से मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी शुरूआत राष्ट्रगान के साथ हुई और इसका नेतृत्व उदय कुमार गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक-अध्यक्ष रामबचन प्रियदर्शी ने हरा-भरा मेरा देश विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कम से कम दो से चार पेड़ अवश्य लगाने चाहिए, तभी देश वास्तव में हरा-भरा बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना महामारी ने पूरे विश्व को ऑक्सीजन के महत्व का पाठ पढ़ाया है, इसलिए पेड़ लगाना केवल जिम्मेदारी नहीं बल्कि जीवन रक्षा का आधार है। श्री प्रियदर्शी ने बताया कि हरित भारत अभियान की शुरूआत बड़ौदा से हुई थी और आज यह देशभर में स्वच्छ एवं हरित वातावरण के निर्माण के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि सड़क निर्माण, अवैध कटान और रोजगार के नाम पर तेजी से हो रही पेड़ों की कटाई ने पर्यावरण को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संस्था केवल पौधारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की सुरक्षा, सिंचाई और उनकी नियमित देखरेख भी सुनिश्चित करती है ताकि वे सुरक्षित, फलदार और मजबूत पेड़ों के रूप में विकसित हो सकें। श्री प्रियदर्शी ने हिंदू परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि अंतिम संस्कार के लिए लकड़ी की आवश्यकता होती है, ऐसे में पेड़ लगाना और उनका संरक्षण न केवल पर्यावरणीय बल्कि सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वच्छ हवा, हरियाली और स्वस्थ जीवन के प्रति संवेदनशील बनाना था। इस कार्यक्रम में कुणाल पांडेय, नितेश कुमार गुप्ता, उदय कुमार गुप्ता, पूनम, कुलेश्वर, डेरालाल, नागदेव जोगी सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

जनता दरबार कोषांग पदाधिकारी नियाज अहमद द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया

जिला प्रशासन का उद्देश्य - पारदर्शी, उत्तरदायी एवं समयबद्ध सेवा सुनिश्चित करना

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। जिला प्रशासन धनबाद द्वारा नागरिक सेवाओं को सुदृढ़ एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से नियमित रूप से आयोजित जनता दरबार में मंगलवार को उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देशानुसार प्रभारी जन शिकायत कोषांग पदाधिकारी नियाज अहमद द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में उपस्थित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए आम लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याएं एवं शिकायतें दर्ज कराई। इस दौरान सभी आवेदकों की बात ध्यानपूर्वक सुनी गई तथा आश्वस्त किया कि प्रत्येक शिकायत की गहन जांच कराते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। भेलाटांड के निवासी रमेश गोप ने जनता दरबार में दबंगों द्वारा उनकी जमीन पर जबरन कब्जा करने और मारपीट किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। वहीं निरसा से आए संतोष मंडल ने प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची से अपना नाम हटाए जाने के संबंध में शिकायत की। इसके अलावा सदर अस्पताल कॉलोनी की मंजू देवी ने अपने सरकारी आवास पर अवैध कब्जा किए जाने की शिकायत अधिकारियों को सौंपी। आज के जनता दरबार में प्रमुख रूप से जमीन विवाद, पेयजल आपूर्ति, रोजगार एवं नियुक्ति संबंधी मांग, भूमि पर दबंगों द्वारा कब्जा, सीएनटी एक्ट भूमि समस्या, रैयती जमीन की ऑनलाइन रसीद से जुड़े मुद्दे, स्वास्थ्य सहायता, शिक्षा से संबंधित समस्याएँ, तथा अन्य जन-कल्याणकारी योजनाओं के निष्पादन से जुड़ी शिकायतें प्राप्त हुईं। प्रभारी पदाधिकारी ने कहा कि प्रशासन का सर्वोपरि लक्ष्य है कि आम नागरिकों को उनके अधिकार, योजनाओं का लाभ एवं सेवाएं पारदर्शी, सरल एवं समयबद्ध रूप से प्राप्त हों। समस्याओं के त्वरित समाधान के माध्यम से नागरिकों का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत होता है, जो सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केंदुआडीह में जहरीली गैस रिसाव का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

विधायक राज सिन्हा ने पीड़ितों को मुआवजा, रोजगार और सुरक्षा की उठाई मांग

झारखंड दर्शन संवाददाता

धनबाद। धनबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक तथा झारखंड विधानसभा के सचेतक राज सिन्हा ने मंगलवार को सदन में केंदुआडीह क्षेत्र में पिछले कई दिनों से हो रहे कार्बन मोनोऑक्साइड (जहरीली गैस) रिसाव का मुद्दा गंभीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि धनबाद कोयला उत्खनन क्षेत्र होने के कारण यहां दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है, परंतु हाल के दिनों में केंदुआडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत राजपूत बस्ती और आसपास के इलाके में जहरीली गैस के लगातार रिसाव ने रैयतों के जीवन को संकट में डाल दिया है। गैस रिसाव की वजह से अब तक दो लोगों की मृत्यु हो चुकी है और दर्जनों लोग अस्पताल में उपचाररत हैं। क्षेत्र की वर्तमान स्थिति बेहद भयावह है, जिससे स्थानीय परिवारों के समक्ष निवास, रोजगार और भविष्य की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न पैदा हो गए हैं। विधायक सिन्हा ने सदन को जानकारी दी कि इस संबंध में कोल प्रबंधन, जिला प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों के साथ कई चरण की वाताएँ हुईं, जिसमें गैस रिसाव की रोकथाम और प्रभावित परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। इसके बावजूद, अब तक किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं हुई है और न ही प्रशासनिक स्तर पर इस समस्या पर आवश्यक गंभीरता दिखाई गई है। स्थानीय लोग हालात से चिंतित और असुरक्षित महसूस करते हुए आंदोलन करने को विवश हो रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि कार्बन मोनोऑक्साइड गैस रिसाव की रोकथाम और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया जाए।

सुभाषितम्

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है। - रविन्द्रनाथ टैगोर

वंदे मातरम् : भारतीय चेतना को ऊर्जा से भर देनेवाला अमर गीत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत जैसे उत्कट आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राष्ट्र में यदि किसी शब्द ने सबसे अधिक ऊर्जा, सबसे अधिक प्रेरणा और सबसे अधिक एकता का संचार किया है, तो वह है वंदे मातरम्। किंतु विडंबना यह है कि इसी भूमि पर जन्मे कुछ लोग आज इस राष्ट्रीय गीत को स्वीकार करने में भी हिचकते हैं। यह विरोध वास्तव में कहना चाहिए कि उस भावना का अस्वीकार है जिसने भारत को स्वतंत्रता के पथ पर आगे बढ़ाया और उसके नागरिकों में मातृभूमि के प्रति समर्पण की चेतना भरी। भारतीय संस्कृति में भूमि को माता मानना किसी धर्म-ग्रंथ का उपदेश नहीं है, यह तो सहस्राब्दियों से चली आ रही जीवनशैली है। जो धरती हमें अन्न देती है, जल देती है, जीवन देती है उसे 'मां' कहना स्वाभाविक है। किंतु आज यही सरल, स्वाभाविक भावना कुछ लोगों को अपने मजहबी चश्मे से देखकर भारी लगती है। यह सोच देखा जाए तो सिर्फ तर्कहीन होने तक सीमित नहीं है, इससे राष्ट्र की सामूहिक चेतना तो भी भारी ठेस पहुंचती है।

वंदे मातरम् की रचना से राष्ट्रगीत तक की यात्रा

एक दृष्टि यदि इसके इतिहास पर डालें तो 1870 के दशक में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने जब वंदे मातरम् की रचना की, तब वे शायद स्वयं भी नहीं जानते थे कि उनकी यह कविता एक दिन भारतीय स्वाधीनता के आह्वान का कारण बन जाएगी। सात नवंबर 1875 को 'बंगदर्शन' में प्रकाशित इस गीत को उन्होंने बाद में अपने ऐतिहासिक उपन्यास आनंदमठ में स्थान दिया। यह गीत साहित्य तक सीमित नहीं रहा, ये सीधे तौर पर मातृभूमि की आराधना है, प्रकृति का उत्सव है और भारतीय अस्मिता का घोष है। इसीलिए ही संविधान सभा ने 1950 में इसे राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार करके इसे राष्ट्र चेतना के केंद्र में स्थायी स्थान दिया है। इस एतिहासिक तथ्य को भी नहीं भूलना चाहिए कि 1905 के बंगाल विभाजन ने वंदे मातरम् को वह शक्ति दी, जिसने इसे आंदोलन की धड़कन बना दिया। छात्र, युवा, स्त्रियां, किसान सब इस गीत को गाते हुए ब्रिटिश शासन के विरुद्ध खड़े हुए। अरविंदो घोष, बिपिन चंद्र पाल, बाल गंगाधर तिलक, यहां तक कि क्रांतिकारी दलों ने भी इसे अपना प्रेरणामंत्र बनाया। कहना होगा कि परतंत्रता के अंधेरे में यही गीत सूर्य सा चमका और भारतीयों को साहस देता रहा। ब्रिटिश सत्ता को डर था कि यह गीत जनांदोलन को विश्वज्वाला बना देगा इसलिए स्कूलों से लेकर सार्वजनिक स्थलों तक इसके गायन पर प्रतिबंध लगाए गए। किंतु क्या साम्राज्य की ताकत एक गीत की शक्ति को रोक सकी नहीं। जितना दमन हुआ, उतनी ही तेज इसके स्वर उठे।

विश्वमंच पर भारतीय पहचान का घोष है वन्दे मातरम्

वर्ष 1907 में मैडम भीकाजी कामा ने जर्मनी के स्टटगार्ट में भारत का पहला तिरंगा फहराया। तिरंगे पर लिखा था 'वंदे मातरम्' वह क्षण तत्कालीन समय में प्रतीकात्मक नहीं रहा था, वह तो भारत की अंतरराष्ट्रीय घोषणा थी कि इस राष्ट्र की चेतना पुकार रही है, वह दबी नहीं है, वह जागृत है और अपनी स्वाधीनता तक अनवरत वह संघर्ष करती रहेगी। किंतु दुर्भाग्य जब पूरी दुनिया में 'वंदे मातरम्' भारतीय स्वाधीनता का पर्याय बन चुका था, तभी 1908 में मुस्लिम लीग ने इसे इस्लाम विरोधी बताकर विरोध शुरू किया। तर्क यह दिया गया कि गीत के कुछ छंद देवी-उपासना की ओर संकेत करते हैं। यह विरोध आगे बढ़ा और 1937 में कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में एक समिति बनाकर गीत की समीक्षा करवाई। मौलाना आजाद ने स्पष्ट कहा कि पहले दो पद किसी मजहबी भावना को नहीं ठेस पहुंचाते। परिणामस्वरूप गीत का संक्षिप्त दो पदों वाला स्वरूप स्वीकार किया गया। किंतु प्रश्न यह है क्या किसी धार्मिक भावना के नाम पर राष्ट्र की भावना को सीमित किया जा सकता है? क्या मातृभूमि को 'माता' कहना किसी भी मजहब की कसौटी पर अपराध है?

सेक्युलरवाद का अंधापन

समय बदला, सत्ता बदली, बहसें बदलीं, पर मानसिकता वही रही। आज भी कुछ राजनेता और संगठन इस गीत का विरोध केवल राजनीतिक या सांप्रदायिक पहचान के नाम पर सेक्युलकर चश्में से करना चाहते हैं। कभी इसे 'इस्लाम विरोधी' कहा जाता है, कभी 'सेकुलरिज्म के खिलाफ' बताया जाता है। इसी मानसिकता के चलते बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक बार-बार विरोध देखने को मिलता है। मदरसे तक इस पर फतवा जारी कर चुके हैं कि वंदे मातरम् कहना हराम है। सवाल उठता है, क्या इस धरती को मां कहना हराम है या वह मानसिकता हराम है जो राष्ट्रभक्ति को मजहबी चश्मे से तौलती है? कहना होगा कि आज 150 साल बाद भी वंदे मातरम् सिर्फ एक कविता नहीं है, यह भारतीयता की जागृत चेतना है, जिसमें संपूर्ण भारत का कण-कण समाया हुआ है। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस न जाने कितने ही वीरों के कंठों में यह गीत गाया जाता रहा है। यह वह धुन है जिसने एक परतंत्र देश को स्वतंत्रता की राह दिखाई है।

दृष्टिकोण सकारात्मक है, तो दुनिया सुंदर लगती है

विनय कुमार तिवारी

कहा जाता है कि दुनिया हमारे बाहर नहीं, बल्कि हमारे भीतर बसती है। हम जैसा सोचते हैं, वैसी ही दुनिया हमें दिखाई देती है। यह कथन केवल दार्शनिक विचार नहीं, बल्कि जीवन का निर्विवाद सत्य है। इसी सत्य को दो साधुओं की एक सरल-सी कथा अत्यंत सुंदर ढंग से प्रकट करती है। यह कहानी हमें बताती है कि एक ही परिस्थिति दो अलग-अलग व्यक्तियों में कितनी भिन्न प्रतिक्रियाएं उत्पन्न कर सकती है,और यह भिन्नता उनके भविष्य, मनोदशा, विश्वास तथा जीवन के प्रति दृष्टिकोण को किस प्रकार प्रभावित करती है। एक गांव में दो साधू रहते थे। वे दिन भर भीख मांगकर अपना जीवनयापन करते और शाम को मंदिर में पूजा-अर्चना करके दिन समाप्त करते थे। उनके पास कोई संपत्ति नहीं थी, बस गांव की सीमा से लगी एक छोटी-सी झोपड़ी थी, जिसमें वे रात बिताते थे। साधारण जीवन, साधारण सुविधाएं, किंतु मन में अध्यात्म का भाव, यही उनकी संपत्ति थी। एक दिन गांव में अचानक भीषण आंधी और तेज बारिश होने लगी। बादल गरजने लगे, हवाएं प्रचंड वेग से चलने लगीं और ऐसा लगने लगा जैसे प्रकृति अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रही हो।

गांव के लोग अपने घरों में दुबक गए थे। पेड़ झूम रहे थे, टहनियां गिर रही थीं और कच्चे मकानों को भारी क्षति पहुंच रही थी। शाम के समय दोनों साधू जब भीख मांगकर वापस लौटे, तो उनकी आंखों के सामने एक ऐसा दृश्य था जिसने उनके मनोभावों की परीक्षा ले ली। उनकी झोपड़ी का आधा हिस्सा तूफान में टूट चुका था। छत का बड़ा भाग उड़ गया था और मिट्टी की दीवारें धराशायी हो चुकी थीं। पहला साधू यह दृश्य देखते ही क्रोधित हो उठा। उसका चेहरा तमतमाने लगा, उसकी आंखों में निराशा और असहायता झलकने लगी। वह बुदबुदाते हुए ईश्वर को कोसने लगा, भगवान! तू हमेशा मेरे साथ ही अन्याय करता है। मैं दिन भर तेरा नाम लेता हूं। मंदिर में तेरी पूजा करता हूं। फिर भी तूने मेरी झोपड़ी तोड़ दी। गांव में चोरों, लुटेरों और झूठे लोगों को तो कुछ नहीं हुआ, पर हमारी, साधुओं की झोपड़ी तूने क्यों तोड़ दी? क्या यही तेरी कृपा है? हम तेरा नाम जपते हैं और तू हमें ही कष्ट देता रहता है। तू हमसे प्रेम नहीं करता! पहले साधू का यह क्रोध उस मानसिकता को दर्शाता है जो कठिन परिस्थिति आने पर ईश्वर और परिस्थितियों को दोष देती है। ऐसा मन शिकायतों से भरा होता है, और शिकायतों का बोझ व्यक्ति को और अधिक पीड़ा देता है।

यह सोच जीवन को अंधकारमय बना देती है, चाहे बाहरी परिस्थितियां कितनी ही सामान्य क्यों न हों। तभी दूसरा साधू वहां पहुंचा। उसने भी टूटी हुई झोपड़ी देखी, बारिश का असर देखा, टूटी दीवारों को देखा, पर उसके चेहरे पर उदासी नहीं, बल्कि प्रसन्नता की चमक उभर आई। वह झोपड़ी के बच गए हिस्से के पास खड़ा होकर खुशी से झूम उठा। उसने हाथ जोड़कर आकाश की ओर देखा और कहा प्रभु! तेरी कृपा अपरंपार है। इतनी भयंकर आंधी-तूफान में भी तूने हमारी आधी झोपड़ी बचा ली। वरना तो पूरी झोपड़ी ही उड़ जाती। तूने हमें कम से कम सर ढंकने की जगह तो दी।

आज मुझे विश्वास हो गया कि तू सचमुच हमारे साथ है। कल से मैं और अधिक श्रद्धा, भक्ति और प्रेम से तेरी पूजा करूंगा। मुझे तुझ पर अब और भी अधिक विश्वास हो गया है। तेरा ही आशीर्वाद है कि हम सुरक्षित हैं और यह झोपड़ी भी आधी बची है। जय हो प्रभु ! उसके भीतर एक गहरी कृतज्ञता थी। उसने संकट में भी अवसर, आपदा में भी राहत, और टूटन में भी बचाव का पहलू देखा। यही सकारात्मक सोच है, जो साधारण जीवन को भी आनंदमय बना देती है। यह कथा हमें एक बेहद महत्वपूर्ण संदेश देती है।। एक ही घटना को दो अलग-अलग व्यक्ति पूरी तरह विपरीत दृष्टिकोण से देख सकते हैं। पहला साधू विपरीत परिस्थिति में टूट गया, निराश हो गया और ईश्वर को ही दोष देने लगा। उसने स्थिति की नकारात्मकता को अपने भीतर गहराई तक प्रवेश करने दिया। उसका मन समस्याओं पर केंद्रित था, समाधान पर नहीं। दूसरी ओर दूसरा साधू परिस्थिति को स्वीकारते हुए उसमें अच्छाई खोजने लगा। उसने संकट के बीच भी ईश्वर की करुणा देखी, राहत खोजी और धन्यवाद व्यक्त किया। यही सकारात्मक दृष्टिकोण व्यक्ति को मानसिक रूप से मजबूत बनाता है। जब मन मजबूत होता है, तो आधी झोपड़ी भी आशीर्वाद लगती है, और जब मन कमजोर होता है, तो पूरी झोपड़ी भी कष्ट का कारण बन जाती है। हमारे जीवन की घटनाएं अक्सर हमारे नियंत्रण में नहीं होतीं, लेकिन हमारा दृष्टिकोण, हमारी सोच हमेशा हमारे नियंत्रण में होती है।

जीवन में कठिनाइयां आना तय है, कभी आर्थिक, कभी सामाजिक, कभी पारिवारिक, कभी मानसिक। परंतु हम उन कठिनाइयों को कैसे देखते हैं, यह पूरी तरह हम पर निर्भर करता है। यदि मन नकारात्मक होगा, तो हर स्थिति में कमी, दुख, कष्ट, दुर्भाग्य और शिकायतें ही दिखाई देंगी। पर यदि मन सकारात्मक होगा, तो हर परिस्थिति में अवसर, सीख, आशा और भविष्य का मार्ग दिखेगा। वास्तविकता यह है कि सकारात्मक सोच जीवन को सरल, सुंदर और सार्थक बनाती है। यह तनाव को कम करती है, आत्मविश्वास बढ़ाती है और किसी भी कठिन परिस्थिति में आगे बढ़ने की ताकत देती है। सकारात्मक सोच का अर्थ यह नहीं कि समस्या को न देखना, बल्कि समस्या के बावजूद समाधान और संभावनाओं को देखना है। दोनों साधू एक ही परिस्थिति में थे, एक ही झोपड़ी में रहते थे, दोनों ने ही एक समान तूफान देखा था। पर अंतर उनकी सोच में था। पहला साधू जहां हताश हुआ, वहीं दूसरा साधू प्रसन्न हो गया।

पहला साधू टूटन देखता रहा, दूसरा बचा हुआ भाग देखता रहा। पहला साधू कष्ट को केंद्र में रखता रहा, दूसरा कृतज्ञता को। यही सोच का अंतर किसी भी व्यक्ति के जीवन की दिशा निर्धारित करता है। हमारी सोच हमारी दुनिया को बनाती है। यह वैज्ञानिक सत्य है कि हमारे विचार हमारी भावनाओं का निर्माण करते हैं, भावनाएं हमारे कार्यों को प्रभावित करती हैं और कार्य हमारा भविष्य तय करते हैं। इसलिए यदि विचार सकारात्मक होंगे, तो भावनाएं भी सकारात्मक होंगी, और हमारा जीवन अपने आप सुंदर और सफल बनता चला जाएगा।

इसलिए जीवन में कितनी भी विकट परिस्थिति क्यों न आए, हमें दूसरे साधू की तरह सोच को सकारात्मक बनाए रखना चाहिए। हमें यह विश्वास रखना चाहिए कि हर संकट में ईश्वर या प्रकृति हमारे लिए किसी न किसी रूप में सुरक्षा, सीख या अवसर अवश्य छोड़ती है। केवल देखने का दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता है। अंत में यही संदेश इस कथा का सार है। की दुनिया तभी बदलेगी जब हमारी सोच बदलेगी। मनुष्य के जीवन में सबसे बड़ी शक्ति उसका दृष्टिकोण है। यदि दृष्टिकोण सकारात्मक है, तो दुनिया सुंदर लगती है। अतः हमें हर परिस्थिति को दूसरे साधू की नजर से देखने की आदत बनानी चाहिए। यही आदत हमें जीवन के हर तूफान से सुरक्षित निकालने में सक्षम बनाएगी और हमें आंतरिक शांति तथा शक्ति दोनों प्रदान करेगी।

विदेशी नेटवर्किंग कंपनियां : भारत के युवाओं की सबसे बड़ी लूट और आर्थिक आत्मघात का खतरनाक खेल

कुशवाहा राकेश महतो

भारत आज 21वीं सदी के तकनीकी युग में तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसी प्रगति के बीच एक भयानक सच्चाई छिपी हुई है। देश की युवा शक्ति विदेशी नेटवर्किंग कंपनियों के जाल में फंसकर अपने सपनों, बचत और भविष्य को खो रही है। बेरोजगारी से जूझते युवाओं की भीड़ इन ठग कंपनियों के लिए एक ऐसे विशाल बाजार में बदल गई है जहां भ्रम बेचकर अरबों रुपये कमाए जा रहे हैं। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि राष्ट्र की युवा पीढ़ी पर सीधा और योजनाबद्ध हमला है। भारत में बेरोजगारी का स्तर बढ़ता गया और इसी के साथ ठगों के लिए नए रास्ते भी खुलते गए। विदेशी नेटवर्किंग कंपनियां इस स्थिति को खुले अवसर के रूप में देखती हैं। यहां लाखों डिग्रीधारी युवा हैं, पर नौकरियां हजारों।

कौशल है, पर उसके अनुरूप अवसर नहीं। उम्मीदें हैं, पर उनके पूरे होने का रास्ता धुंधला है। ऐसे में विदेशी कंपनियां युवाओं के भीतर छिपे सपनों और असुरक्षित भविष्य का फायदा उठाकर उनके सामने ऐसी चकाचौंध बिखेरती हैं, जो मिनटों में दिमाग को भ्रमित कर देती है। वे भारत को राष्ट्र नहीं, बल्कि एक ऐसा 'खुला आर्थिक खेत' समझती हैं, जहां भारतीय मेहनत करते हैं और फसल विदेशी लोग काट ले जाते हैं। इन कंपनियों का सबसे बड़ा हथियार है डॉलर की चमक। युवाओं के मन में डॉलर का आकर्षण सदियों से बोया गया है। यदि किसी युवा को कहा जाय कि उसकी आय डॉलर में होगी, तो वह तुरंत प्रभावित हो जाता है। विदेशी नेटवर्किंग कंपनियां इसी कमजोरी को शोषित करती हैं। वे युवाओं को यह यकीन दिलाती हैं कि उन्हें डॉलर में पेमेंट मिलेगा और जैसे-जैसे डॉलर की वैल्यू बढ़ेगी, उनकी कमाई भी स्वतः बढ़ेगी। लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल विपरीत होती है। उनके वॉलेट में घूम रहे डिजिटल डॉलर का न कोई बैंक होता है, न कोई प्रामाणिक स्रोत, न आरबीआई की मान्यता और न ही अंतरराष्ट्रीय लेन-देन प्रणाली में उनका अस्तित्व। वे केवल स्क्रीन पर घूमते हुए कुछ नंबर होते हैं नकली, बेकार, और धोखे से भरे हुए। युवा को लगता है कि उसके ई-वॉलेट में 2000 डॉलर हो गए, फिर 5000 हो गए और वह आत्मविश्वास से भर जाता है। लेकिन सच्चाई यह है कि उसके पास न एक रुपया आता है, न एक डॉलर। यह सब एक डिजिटल भ्रम है जो केवल तब तक चलता है जब तक कंपनी भारत से पैसा जमा करती रहती है। जैसे ही रकम करोड़ों में पार हो जाती है, ऐप का सर्वर बंद, वेबसाइट गायब, और कंपनी रातोंरात साफ हो जाती है। इन नेटवर्किंग योजनाओं का पूरा ढांचा एक पिरामिड की तरह बनाया जाता है। पिरामिड की चोटी पर बैठे कुछ लोग करोड़ों कमाते हैं और नीचे खड़े लाखों युवा अपने भविष्य को दांव पर लगाकर सब कुछ खो देते हैं। शुरूआत में थोड़ा-सा पैसा वापस कर दिया जाता है ताकि भरोसा बने। इसके बाद हर युवाओं पर 'टीम बनाओ', 'रेफरल लाओ', 'तीन लोग जोड़ो', 'छह लोग जोड़ो' जैसी बातें थोप दी जाती हैं। विदेशी ऑफिस का नकली पता, चमकदार ऐप, विदेश में शूट किए गए वीडियो और चमकीले स्क्रीनशॉट सब मिलकर एक ऐसा झूठा साम्राज्य खड़ा करते हैं कि युवा इसे असली समझकर अपनी बचत, अपने सपने और कई बार अपने परिवार की संपत्ति तक लगा देता है। सबसे खतरनाक पहलू यह है कि भारत का पैसा किस तरह बाहर भेजा जाता है। यू पी आई के माध्यम से युवाओं से पैसा लिया जाता है और यह पैसा मिनटों में दुबई, हांगकांग, सिंगापुर, चीन, ब्रिटेन और अमेरिका में स्थित शेल कंपनियों में ट्रांसफर कर दिया जाता है। विदेशी सर्वरों पर आधारित होने के कारण भारत के कानून इन ऐप्स को छू तक नहीं सकते। जब युवा अपना पैसा निकालना चाहता है, तब के वाई सी पेंडिंग, इंटरनेशनल टैक्स, एडवांस सुरक्षा जाम, टीम इनकंप्लीट, विथड्रॉल विंडो बंद जैसे फालतू बहाने सामने आने लगते हैं। धीरे-धीरे सिस्टम ऐसा दिखाता है मानो उसने कभी पैसे देने का वादा किया ही न हो और अंत में निवेशक सब कुछ खोकर रह जाता है। युवा केवल आर्थिक नुकसान का शिकार नहीं होता, उसके जीवन पर इसका गहरा मानसिक प्रभाव भी पड़ता है। परिवार की उम्मीदें टूट जाती हैं, उसके आत्म विश्वास की नींव हिल जाती है और वह खुद को समाज में शर्मिंदा महसूस करता है।

कई युवा तो खेत गिरवी रखकर, सोना बेचकर, कर्ज लेकर इन नेटवर्किंग कंपनियों में पैसा लगाते हैं और जब कंपनी उन्हें धोखा देती है, तब उनका पूरा जीवन आर्थिक संकट में धंस जाता है। यह केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी त्रासदी है। भारत से हर साल अरबों रुपये इन नेटवर्किंग कंपनियों के जरिए बाहर जा रहे हैं। यह पैसा भारत के उद्योगों, शिक्षा, कृषि, स्टार्टअप और रोजगार के अवसरों में लगाया जा सकता था। इसके बजाय यह पैसा विदेशी ठगों की जेब में जा रहा है। इससे घरेलू निवेश पर नकारात्मक असर पड़ता है, बैंकिंग व्यवस्था अस्थिर होती है, डॉलर का काला बाजार सक्रिय होता है और भारतीय युवा शक्ति बेकार के सपनों और झूठी कमाई के चक्कर में फंसकर राष्ट्र के विकास में योगदान देने के बजाय खुद को टूटता हुआ पाता है। दुखद लेकिन सत्य यह है कि इस लूट में विदेशी ठग अकेले नहीं हैं। इनके साथ भारत में मौजूद कुछ लालची एजेंट भी समान रूप से दोषी हैं। ये एजेंट अपने ही बेरोजगार भाइयों और दोस्तों को जाल में फंसाते हैं। वे अपने कमीशन और लालच के लिए अपनी ही मिट्टी के लोगों को ठगने का काम करते हैं। यही लोग इस नेटवर्किंग ठगी का स्थानीय चेहरा हैं, जिनके कारण यह जाल भारत के हर शहर और गांव में फैल जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार को तत्काल कठोर कदम उठाने होंगे। विदेशी सर्वरों पर संचालित संदिग्ध ऐप्स और नेटवर्किंग योजनाओं पर तुरंत प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। पिरामिड और एम एल एम स्कीमों से संबंधित कानूनों को और अधिक मजबूत बनाना चाहिए। प्रमोटर, ब्रांड एंबेसडर और एजेंटों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही भारत की वित्तीय संस्थाओं को अंतरराष्ट्रीय डिजिटल वॉलेट्स की गहन जांच करने का अधिकार मिलना चाहिए। साइबर क्राइम विभाग को विदेशी प्लेटफॉर्म्स की निगरानी और उन पर कार्रवाई करने की तकनीकी क्षमता प्रदान करनी होगी। साथ ही राष्ट्रव्यापी स्तर पर वित्तीय जागरूकता अभियान शुरू किया जाना आवश्यक है, ताकि युवा चमकदार सपनों और डिजिटल जाल में फंसने से पहले सोच सकें। समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। शॉर्टकट की लालसा को त्यागकर युवाओं को असली कौशल और मेहनत की राह पर ले जाना होगा। सोशल मीडिया पर बैठे नकली गुरुओं, फर्जी सफलता की कहानियों और भ्रामक वीडियो से सतर्क रहना होगा। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि डॉलर, क्रिप्टो, मल्टी-लेवल नेटवर्किंग जैसे शब्दों के पीछे हमेशा वास्तविक कमाई छिपी नहीं होती। मेहनत की कमाई केवल व्यक्ति की नहीं होती, बल्कि उसके परिवार और देश की पूंजी होती है। आज यह साफ हो चुका है कि विदेशी नेटवर्किंग कंपनियां भारत को अंदर से खोखला कर रही हैं। यह ठगी केवल आर्थिक अपराध नहीं, राष्ट्र की युवा शक्ति पर सीधा और खतरनाक हमला है। जब राष्ट्र की संपत्ति बाहर बह रही हो और युवा भ्रम के जाल में उलझते जा रहे हों, तब चुप रहना भी उतना ही बड़ा अपराध हो जाता है।

लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हों सकारात्मक प्रयास

रमेश सर्राफ धमोरा

10 दिसम्बर मानवाधिकार दिवस पर विशेष

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते हैं। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसंबर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं, जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है। 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं और मानवाधिकार प्राप्य हैं। मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते हैं जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते हैं। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता। देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल है कि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है। भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया।

आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 23, 24, 39, 43, 45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के लिए सुनिश्चित हैं।

कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारों से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है। आज के दौर में कोई भी मानव को उनके वास्तविक अधिकार नहीं देना चाहता है। हमारे देश के संविधान में मानव को बहुत सारे अधिकार दिये गये हैं। मगर उन पर अमल नहीं हो पाता है। मानव अधिकारों की रक्षा के लिए बनाये गये कानून महज कागजों में सिमट कर रह जाते हैं। इतिहास गवाह है कि भारत ने कभी भी संस्कृति, धर्म या अन्य कारकों के आधार पर दूसरों को अपने अधीन करने की कोशिश नहीं की है। भारत एक ऐसा देश है जिसके मूल में मानवाधिकार की अवधारणा है। भारत के लोग मानवाधिकारों का सम्मान करते हैं और उनकी रक्षा करने का संकल्प भी लेते हैं। भारत विश्व स्तर पर आज भी मानवाधिकार का समर्थन करता रहा है।

मानवाधिकार दिवस की नींव विश्व युद्ध की विभीषिका से झुलस रहे लोगों के दर्द को समझ कर और उसको महसूस कर रखी गई थी। किसी भी इंसान की जिन्दगी, आजादी, बराबरी और सम्मान के अधिकार का नाम ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इन अधिकारों की न सिर्फ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोड़ने वाले को अदालत सजा भी देती है। पूरी दुनिया में मानवता के खिलाफ हो रहे जुल्मों-सितम को रोकने, उसके खिलाफ संघर्ष को नई परवाज देने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर शख्स को बराबरी का अधिकार देना लोकतंत्र का अहम घटक है। यही वजह है कि आज ज्यादातर सरकार इस अधिकार को कायम करने की कोशिश कर रही है। इंसानी अधिकार हमारे अस्तित्व और दुनिया में आत्मसम्मान से रहने की गारंटी होते हैं। हमारी भौतिक और आत्मिक सुरक्षा बरकरार रखते हुए लगातार तरक्की में अहम होते हैं। इसके अंतर्गत भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, शोषण से रक्षा का अधिकार, प्रवास का अधिकार, बाल शोषण, उत्पीड़न पर रोक, महिला हिंसा, असमानता, धार्मिक हिंसा पर रोक जैसे कई मजबूत कानून बनाए गए हैं। यही वजह है कि हर लोकतांत्रिक देश मानवाधिकार अधिकारों की सशक्त पैरवी करते नजर आते हैं।

इस दुनिया में जो भी मानव जन्म लेता है उसके साथ उसके कुछ अधिकार भी वजूद में आते हैं। कुछ अधिकार हमें परिवार देता है तो कुछ समाज, कुछ अधिकार हमारा मुल्क देता है, तो कुछ दुनिया लेकिन आज भी दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं जो या तो अपने अधिकारों से अंजान हैं या उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है। हर तबके, हर शहर और दुनिया के कोने-कोने में किसी न किसी वजह से लोगों को बराबरी के हक से महरूम रखने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इतिहास गवाह है कि दुनिया में हुई बड़ी से बड़ी क्रांति के पीछे अधिकारों का हनन ही अहम वजह रही है। हमेशा ही अपने अधिकारों के लिए इंसान को लंबी जंग लडनी पड़ी है।

आज का राशिफल

मेष : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी।

वृष : बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

मिथुन : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। होश में रहकर कार्य करें।

कर्क : राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

सिंह : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

कन्या : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा।

तुला : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। मान-सम्मान बढ़ेगा।

धनु : आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मङ्कषचतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा।

कुम्भ : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी।

मीन : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी।

संक्षिप्त खबरें

खेमलाल महतो का आरोप—झारखंड सरकार किसानों के साथ कर रही छलावा

बड़कागांव। भाजपा बड़कागांव पूर्वी उरीमारी मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो ने झारखंड सरकार पर किसानों के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब रघुवर दास की सरकार थी, तब किसानों को 1.85 रुपये प्रति किलो बोनस मिलता था। इसके बाद वर्तमान सरकार ने लगातार किसानों को दिए जाने वाले बोनस की राशि घटाई। खेमलाल महतो ने बताया कि 2022-23 में बोनस मात्र 10 पैसे प्रति किलो था, जबकि चुनावी वर्ष 2024-25 में इसे 100 रुपये प्रति क्विंटल किया गया। इस बार फिर से बोनस घटाकर केवल 19 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार हर साल धान की दर बढ़ाती रही, इस साल भी 69 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ोतरी हुई, लेकिन हेमंत सोरेन की सरकार ने किसानों के साथ सौतेला व्यवहार करते हुए बोनस घटा दिया। खेमलाल महतो ने कहा कि खेती में लागत लगातार बढ़ रही है, खाद, बीज और अन्य सामग्री महंगी हो गई है। यदि वर्तमान सरकार किसानों के हित में होती, तो रघुवर दास की सरकार में 1.85 रुपये का बोनस आज लगभग 28-30 रुपये प्रति किलो होना चाहिए था।

डॉ. थानेश्वर महतो के पुत्र विजय कुमार का जेएसएससी सीजीएल में चयन, क्षेत्र में खुशी की लहर

विष्णुगढ़। भेलवारा पंचायत के उरगी गांव निवासी समाजसेवी डॉ. थानेश्वर महतो के छोटे पुत्र विजय कुमार का जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी (लियो) के लिए चयन हुआ है। सफलता की खबर मिलते ही गांव में खुशी का माहौल बन गया। भेलवारा पंचायत की मुखिया लक्ष्मी कुमारी, वार्ड सदस्य तुलसी कुमार और मुखिया प्रतिनिधि गंगाधर महतो ने परिवार को मिठाई खिलाकर और शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। मौके पर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने विजय कुमार को बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। क्षेत्रवासियों ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे गांव के लिए गर्व की बात है।

विवेक उपाध्याय बने राष्ट्रवादी युवा ब्राह्मण महासंघ के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष

हजारीबाग। हजारीबाग के विवेक उक्षपाध्याय को राष्ट्रवादी युवा ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुरली मनोहर पांडेय द्वारा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। संगठन के प्रति उनकी सक्रियता और समाजहित में योगदान को देखते हुए यह दायित्व सौंपा गया है। विवेक उपाध्याय ने नेतृत्व द्वारा व्यक्त विश्वास के लिए आभार जताते हुए कहा कि वे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ संगठन को मजबूत बनाने, युवाओं को जोड़ने और सामाजिक समरसता व शिक्षाझसंस्कृति के क्षेत्र में सकारात्मक कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन हित उनके लिए सर्वोपरि रहेगा।

तेतरी देवी का ब्रह्मभोज सम्पन्न, हजारों लोगों ने दी अंतिम विदाई

हजारीबाग । हजारीबाग के दारू प्रखंड के तिलैयाझझुमरा स्थित विद्या सागर निवास में अखिल भारतीय कुशवाहा युवा महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष राजकुमार (बब्लू कुशवाहा) की माता तेतरी देवी का ब्रह्मभोज सह श्राद्ध कर्म मंगलवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के हजारों ग्रामीण, समाज के प्रतिनिधि, राजनीतिक हस्तियां और शुभचिंतक शामिल हुए। तेतरी देवी के निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। ब्रह्मभोज के दौरान लोगों ने उन्हें सहज, सरल और सेवा-भाव से भरी हुई व्यक्तित्व के रूप में याद करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उपस्थित लोगों ने बब्लू कुशवाहा और उनके परिजनों को सांत्वना देते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में विजय प्रसाद, रामाशंकर कुशवाहा, महेंद्र प्रसाद, अशोक कुमार, सागर कुमार, अमित कुमार, सुजित कुमार सहित कई ग्रामीण व समाजसेवी शामिल थे।

22 दिसंबर को हजारीबाग पहुंचेगा बाबा श्याम का पवित्र शीश

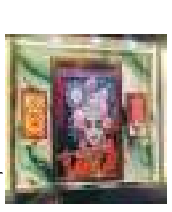

हजारीबाग। बाबा श्याम का पवित्र शीश 22 दिसंबर को हजारीबाग पहुंचेगा, जिसके स्वागत को लेकर शहर में उत्साह चरम पर है। आयोजन को भव्य स्वरूप देने के लिए शोभायात्रा की विशेष तैयारी की गई है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राजस्थानी साफा पहने महिलाओं की स्कूटी रैली होगी, जो श्याम नाम के जयकारों के साथ भक्ति का अनोखा वातावरण बनाएगी। इसके साथ ही युवाओं की मोटरसाइकिल रैली भी शोभायात्रा को ऊर्जावान बनाएगी, जिसमें युवा श्याम ध्वज और भगवा पताकाएं लहराते नजर आएंगे। ढोल नगाड़ों, शंखनाद और भजनों की ध्वनि पूरे मार्ग को धार्मिक माहौल में रंग देगी। विभिन्न स्थानों पर फूल वर्षा और श्रद्धालुओं के लिए विशेष दर्शन व्यवस्था की तैयारी की गई है। यह आयोजन श्री श्याम टाबरिया द्वारा भक्ति और समर्पण के साथ किया जा रहा है, जिसकी व्यवस्थाएँ अंतिम चरण में हैं।

आजसू ने हजारीबाग में निकाला शिक्षा के लिए भिक्षा आक्रोश मार्च

छात्रवृत्ति भुगतान की मांग को लेकर सड़क से समाहरणालय तक पैदल मार्च

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। आजसू ने मंगलवार को हजारीबाग में शिक्षा के लिए भिक्षा जन आक्रोश मार्च निकालकर छात्रों की लंबित छात्रवृत्ति भुगतान की मांग को जोरदार ढंग से उठाया। यह मार्च गांधी मैदान से शुरू होकर समाहरणालय परिसर तक पहुँचा। इस अवसर पर छात्रों के साथ हजारीबाग लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं आजसू महासचिव संजय मेहता भी मौजूद रहे। उन्होंने छात्रवृत्ति को छात्रों का संवैधानिक अधिकार बताते हुए कहा कि सरकार की उदासीनता से छात्र नाराज हैं और उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। मार्च में हजारीबाग के विभिन्न कॉलेजों और कोचिंग संस्थानों के छात्र-छात्राएँ बड़ी संख्या में शामिल हुए। छात्रों ने रास्ते में सरकार की उदासीनता और छात्रवृत्ति में हो रही देरी के खिलाफ कड़ा विरोध जताया। आजसू छात्र संघ लंबे समय से इस मुद्दे को लेकर संघर्षरत है। रांची में 27 नवंबर को हुए प्रदर्शन के बाद अब यह आंदोलन जिलावार रूप ले चुका है।

छात्र नेताओं ने कहा कि झारखंड के लाखों गरीब छात्र कई महीनों से छात्रवृत्ति से वंचित हैं, जिससे उनकी शिक्षा और भविष्य गंभीर संकट में है। छात्र संघ के अध्यक्ष ओम वर्मा और कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो ने स्पष्ट किया कि जब तक हर छात्र को उसकी पूरी छात्रवृत्ति नहीं मिलती, आंदोलन रुकेगा नहीं। प्रदेश उपाध्यक्ष ऋतुराज शाहदेव ने कहा कि छात्रवृत्ति दया नहीं, छात्रों का अधिकार है। जिला अध्यक्ष सत्यम सिंह ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक पार्टी का नहीं, बल्कि उन लाखों विद्यार्थियों की आवाज है, जिन्हें बेहतर शिक्षा और समान अवसरों की उम्मीद है। युवा छात्र नेता पीयूष चौधरी ने बताया कि आजसू छात्र संगठन सड़क से सदन तक छात्रों की आवाज उठाता रहेगा।

इस अवसर पर युवा आजसू प्रदेश संयोजक विकास सिंह, छात्र प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो, वरीय उपाध्यक्ष ऋतुराज शाहदेव, जिला संयोजक शुभम राणा, जिला उपाध्यक्ष विशु नायक, जिला सचिव मोहित यादव, नगर अध्यक्ष राहुल यादव समेत बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे। छात्रों का यह आक्रोश मार्च दिखाता है कि शिक्षा और छात्रवृत्ति के अधिकार को लेकर युवा अब गंभीर हो गए हैं और वे इसे अपने आंदोलन के माध्यम से सुनिश्चित कराने के लिए दृढ़ हैं।

आज हजारीबाग में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का दौरा

हजारीबाग। संगठन सृजन 2025 के अंतर्गत झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश आज हजारीबाग दौरे पर रहेंगे। वे एक दिवसीय कार्यक्रम में तीन जिलों का भ्रमण करेंगे। सुबह 7 बजे वे लोवाडीह स्थित अपने निजी आवास से चतरा के लिए प्रस्थान करेंगे और 10.30 बजे चतरा जिला कार्यक्रम में भाग लेंगे। दोपहर 1 बजे हजारीबाग पहुंचकर जिला कांग्रेस कार्यालय, कृष्ण बल्लभ आश्रम में ग्राम पंचायत और वार्ड कांग्रेस कमिटी के गठन तथा बीएलए चयन फार्म-2 की समीक्षा बैठक में शामिल होंगे। इसके बाद दोपहर 2 बजे वे बोकारो के लिए रवाना होंगे।

एनटीपीसी नॉर्थ वेस्ट परियोजना से पहली कोयला खेप रवाना, संचालन के नए चरण की शुरुआत

झारखंड दर्शन संवाददाता

बड़कागांव। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पकरी बरवाडीह नॉर्थ वेस्ट कोयला खनन परियोजना से कोयले से लदे पहले ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही परियोजना से कोयला प्रेषण गतिविधियों की औपचारिक शुरूआत हो गई।

यह कार्यक्रम पीबी नॉर्थवेस्ट परियोजना के माइन व्यू प्वाइंट पर आयोजित किया गया। समारोह में एनटीपीसी लिमिटेड और एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के निदेशक मंडल, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (खनन), सीईओ एनएमएल तथा कोयला खनन मुख्यालय से उच्च अधिकारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। पकरी बरवाडीह, पीबी नॉर्थवेस्ट और हजारीबाग क्षेत्र की विभिन्न कोयला खनन परियोजनाओं के अधिकारी तथा कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

पीबी नॉर्थवेस्ट परियोजना में 138.96 मिलियन मीट्रिक टन खननयोग्य भंडार है, जबकि वार्षिक उत्पादन क्षमता 3 मिलियन मीट्रिक टन निर्धारित की गई है। यह परियोजना अगले 49 वर्षों तक संचालित होगी और एनटीपीसी की दीर्घकालिक ईंधन जरूरतों को मजबूत करेगी। साथ ही यह देश की ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को भी सुदृढ़ करेगी। इस संबंध में जानकारी एनटीपीसी के पीआरओ दिलीप ठाकुर ने दी।

सरकार के फैसले के विरोध में उबले रैयत, बादम में मुख्यमंत्री का पुतला दहन

झारखंड दर्शन संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड के बादम में मंगलवार को रैयतों ने झारखंड सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सरकार द्वारा शनिवार को कैबिनेट बैठक में गैरमजरुआ खास और गैरमजरुआ आम जमीन को एनटीपीसी बादम कोल खनन परियोजना के लिए 30 वर्षों की लीज पर देने के निर्णय के खिलाफ रैयतों ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन किया। रैयतों ने कहा कि रुदी मौजा और बादम कोल खनन परियोजना अंतर्गत कई गांवों की जमीन को खनन के लिए लीज पर देना उनके साथ अन्याय है। उनका कहना है कि यह भूमि उनकी आजीविका का आधार है और कैबिनेट का फैसला जमीन छीनने जैसा है। रैयतों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार यह निर्णय वापस नहीं लेती है तो वे सड़क से लेकर झारखंड विधानसभा तक उग्र आंदोलन शुरू करेंगे। इस विरोध प्रदर्शन में संतोष महतो, सबुर महतो, महेंद्र महतो, विकास महतो, अरुण महतो, त्रिवेणी महतो, अनिल साव, सीताराम साव, मनोज साव, सुरेश महतो, मनोज कुमार, मोहम्मद सदीक, सूरज कुमार, अजय साव, दामोदर साव, देवनाथ महतो, रवि दांगी, भावेश कुमार, विष्णु गुप्ता, संतोष साव, हरिचरण गुप्ता, सुरेंद्र गुप्ता, अजय गुप्ता, फुलेनदर गुप्ता, गणेश साव, विक्रम गुप्ता, रोहन लाल गुप्ता, उमेश गुप्ता, कृष्ण गुप्ता समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

विभावि के राजनीति विज्ञान विभाग में भ्रष्टाचार निरोधक दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का वैश्विक थीम भ्रष्टाचार के विरुद्ध युवाओं की एकजुटताः आने वाले कल की ईमानदारी के निर्माण की दिशा में रहा।

मुख्य वक्ता डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि भ्रष्टाचार आर्थिक विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों दोनों को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने युवाओं से पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। साथ ही भ्रष्टाचार के चार पी –प्रेफरेंस, पावर, प्रिविलेज और पेमेंट–की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. सुकल्याण मोइत्रा ने की। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर समाज में जागरूकता और सही समझ की कमी सबसे बड़ी चुनौती है। उन्होंने ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी वैश्विक भ्रष्टाचार सूचकांक का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत 180 देशों में 93वें स्थान पर है, जिसे सुधारने की जरूरत है। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी प्रतीक कुमार ने किया। शोधार्थियों धर्मेंद्र कुमार, इनामुल अंसारी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। अंत में प्रश्नोत्तर सत्र हुआ, जिसमें भ्रष्टाचार से जुड़े कानून, रोकथाम और नैतिक मूल्यों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

भारतीय जागृति मिशन का चौथा स्थापना दिवस, तिरंगा यात्रा और सम्मान समारोह के साथ सम्पन्न

झारखंड दर्शन संवाददाता

विष्णुगढ़। प्रखंड के चेड़रा स्थित झारखंड मैरिज हॉल में भारतीय जागृति मिशन का चौथा स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र साव ने की, जबकि संचालन प्रवक्ता प्रमोद साव ने किया। समारोह की शुरूआत बटेश्वर प्रसाद मेहता, संस्थापक सुरेश गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम साहू, राष्ट्रीय सचिव पुली गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजा राम और जिला अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सहित अन्य सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन से हुई।

स्थापना दिवस के अवसर पर झारखंड मैरिज हॉल से तिरंगा यात्रा निकाली गई, जो सात मिल चौक, हॉस्पिटल चौक और ब्लॉक रोड होते हुए वापस आयोजन स्थल पहुंचकर समाप्त हुई। बड़ी संख्या में महिला और पुरुष इस यात्रा में शामिल हुए और भारत माता की जय, वंदे मातरम सहित विभिन्न नारों के साथ पूरे नगर में जागरूकता संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों को फूल माला और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने संस्था से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की अपील की, ताकि जनसेवा का कार्य और प्रभावी रूप से हो सके। मुख्य अतिथि बटेश्वर महतो ने कहा कि भारतीय जागृति मिशन हर पीड़ित की आवाज है। संस्था का उद्देश्य गरीब, शोषित और पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने के साथ-साथ प्रतिभाशाली बच्चों की शिक्षा, महिलाओं एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उत्थान, दहेज मुक्त विवाह को बढ़ावा देने और उच्च व प्राथमिक शिक्षा संस्थानों की स्थापना के लिए निरंतर प्रयास करना है।

कार्यक्रम में पूरण साव, विवेक कुमार, तेज बहादुर गुप्ता, शीशपाल साहू, प्रमोद साहू, पुली गुप्ता, तिलक राम, सुरेश गुप्ता, विजय लक्ष्मी आर्य, सुनील गुप्ता, विकास कुमार साहू, महेंद्र साहू, ओम साहू सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक, आधार सेवाओं को बेहतर बनाने के निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

हजारीबाग। समाहरणालय सभागार में मंगलवार को जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई। प्रशिक्षु आईएएस आनंद शर्मा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिले में आधार पंजीकरण और अद्यतन सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने निर्देश दिया कि आधार सेवाओं में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने हर पंचायत और प्रखंड स्तर पर आधार केंद्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में नाम सुधार, बायोमेट्रिक त्रुटि और अपडेट में देरी जैसी समस्याओं पर चर्चा हुई तथा लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए गए।

प्रशिक्षु आईएएस ने समाज कल्याण पदाधिकारी को सभी बाल विकास परियोजना कार्यालयों में आधार किट सक्रिय कराते हुए 0-5 वर्ष के बच्चों का आधार पंजीकरण पूरा करने को कहा। प्रखंड, पंचायत एवं शिक्षा विभाग के स्तर पर संचालित आधार केंद्रों की स्थिति पर भी विस्तार से समीक्षा हुई।

इसके अलावा, 5-7 एवं 15-17 वर्ष आयु वर्ग के लिए विशेष बायोमेट्रिक अपडेट अभियान चलाने का निर्देश MKS Enterprises को दिया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और वक्फ क्षेत्रीय कार्यालय रांची के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनी शिकायतें, अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

हजारीबाग। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जनता दरबार आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं के साथ पहुंचे। उपायुक्त ने सभी आवेदकों की बात ध्यानपूर्वक सुनी और संबंधित अधिकारियों को समयसीमा के भीतर निपटारा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में पेंशन स्वीकृति, राशन कार्ड त्रुटि सुधार, आवास, आपूर्ति व्यवस्था, भूमि विवाद, रोजगार और अन्य योजनाओं से जुड़ी कई शिकायतें सामने आईं। प्रमुख मामलों में एनटीपीसी से जुड़ा विस्थापन मुआवजा, अतिक्रमण की शिकायत, पीएम कुसुम योजना के तहत सोलर पंप, बेरोजगारी और खाशमहल भूमि लीज नवीकरण जैसे मुद्दे शामिल थे।

सत्र विधानसभा और सड़क—दोनों मोर्चों पर मुखर रहे विधायक प्रदीप प्रसाद

कानून-व्यवस्था, हजारीबाग के मुद्दों और प्रशिक्षकों की मांगों पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया

झारखंड दर्शन संवाददाता

रांची। शीतकालीन सत्र के दौरान हजारीबाग के विधायक प्रदीप प्रसाद मंगलवार को पूरे दिन जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रहे। उन्होंने जहां विधानसभा के बाहर सरकार की नीतियों के विरोध में विपक्ष के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया, वहीं सदन के भीतर हजारीबाग से जुड़े गंभीर मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगा। इसके बाद वे व्यावसायिक प्रशिक्षकों के आंदोलन स्थल पर पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना और मजबूती से समर्थन किया।

विधानसभा परिसर में आयोजित विरोध कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि राज्य की कानून-व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है। बढ़ती हत्याएं, महिलाओं पर अत्याचार, बालूझकोयलाझपत्थर माफियाओं की गतिविधियां और भूमि विवादों में बढ़ोतरी यह दशार्ती है कि प्रशासनिक व्यवस्था कमजोर पड़ गई है। उन्होंने कहा कि जनता को सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है।

सदन में उन्होंने हजारीबाग के सरकारी अस्पतालों में संसाधनों की कमी, आउटसोर्सिंग कंपनियों की अनियमितताएं, ऑनलाइन ओपीडी से ग्रामीण मरीजों की परेशानी, रेलसाइडिंग क्षेत्रों में प्रदूषण और कोल परिवहन से धूल-प्रदूषण जैसे अहम मामलों को उठाया। उन्होंने आग्रह किया कि इन मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई हो, ताकि लोगों को राहत मिल सके। सत्र की कार्यवाही के बाद वे व्यावसायिक प्रशिक्षकों के धरना स्थल पहुंचे। प्रशिक्षकों ने कम मानदेय, वर्षों से वृद्धि नहीं होने, नियुक्तियों में अनियमितता, बढ़ते कार्यभार और सेवा-सुरक्षा की कमी जैसे मुद्दों को उनके सामने रखा। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि कौशल विकास का पूरा ढांचा प्रशिक्षकों पर आधारित है, इसलिए उनकी मांगों पर जल्द और ठोस निर्णय होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं, अधिकारों और सुरक्षा के मुद्दों पर उनकी लड़ाई आगे भी जारी।

कोल परियोजनाओं में मुआवजा बढ़ाने की मांग, बड़कागांव विधायक ने सदन में उठाया मुद्दा

विस्थापितों को 24 लाख नहीं, 50 लाख प्रति एकड़ मिले मुआवजा: विधायक रोशन लाल

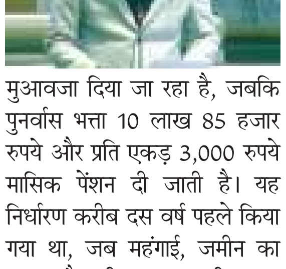

झारखंड दर्शन संवाददाता

बड़कागांव। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने कोल खनन परियोजनाओं में विस्थापितों को मिलने वाले मुआवजा एवं पुनर्वास राशि का मुद्दा जोरदार तरीके से सदन में उठाया। उन्होंने कहा कि बड़कागांव और केरेडारी प्रखंड क्षेत्र में चल रही कोल परियोजनाओं में विस्थापित परिवारों को जो राशि दी जाती है, वह वर्तमान समय में अत्यंत कम है और आज के आर्थिक परिवेश से मेल नहीं खाती। विधायक ने बताया कि फिलहाल प्रति एकड़ मात्र 24 लाख रुपये या उससे कम का मुआवजा दिया जा रहा है, जबकि पुनर्वास भत्ता 10 लाख 85 हजार रुपये और प्रति एकड़ 3,000 रुपये मासिक पेंशन दी जाती है। यह निर्धारण करीब दस वर्ष पहले किया गया था, जब महंगाई, जमीन का मूल्य और जीवन-यापन की लागत आज जैसी नहीं थी। विधायक ने विधानसभा में बात रखते हुए कहा मुआवजा राशि को 24 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये प्रति एकड़ किया जाए।पुनर्वास भत्ता को 10.85 लाख से बढ़ाकर 25 लाख प्रति वयस्क किया जाए। मासिक पेंशन को 3,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये किया जाए। विधायक ने कहा कि वे स्वयं विस्थापित परिवार से आते हैं, इसलिए विस्थापितों के दर्द और संघर्ष को बखूबी समझते हैं। उन्होंने कहा कि विस्थापितों के सम्मान, सुरक्षा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए सरकार को तुरंत सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए, ताकि प्रभावित परिवारों को उनके हक और अधिकार मिल सकें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विस्थापितों के अधिकार के लिए वे हर लड़ाई लड़ने को तैयार हैं।

संक्षिप्त खबरें

आयुष जांच शिविर में 233 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

पाकुड़। आयुष विभाग की ओर से जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए, जिनका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ बनाना तथा लोगों को आयुष चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूक करना था। इन शिविरों में कुल 233 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। जांच शिविर लिट्टीपाड़ा प्रखंड के जागेश्वर और मुदजुदा, महेशपुर प्रखंड के कागजपुर, पाकुड़ प्रखंड के रहसपुर तथा हिरणपुर प्रखंड के मंगलापाड़ा में लगाए गए। इन शिविरों में पहुंचे ग्रामीणों के रक्तचाप, मधुमेह, गठिया, जोड़ों के दर्द, बच्चों के रोग तथा अन्य सामान्य बीमारियों का परीक्षण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य भूमिका निभाने वाले चिकित्सकों डॉ० प्रेम प्रकाश, डॉ० मो. अफरोज आलम, डॉ० राजेश यादव, डॉ० मो० अबुतालिब शेख, डॉ० सौरभ विश्वास और डॉ० कुलेश कुमार ने ग्रामीणों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और उन्हें उपयुक्त चिकित्सा परामर्श दिया। शिविर में भारी संख्या में आए ग्रामीणों ने मुफ्त जांच और दवाइयों की सुविधा मिलने पर खुशी जताई और कहा कि ऐसे शिविरों से दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य लाभ हासिल करने में काफी सहायता मिलती है। ग्रामीणों ने आयुष विभाग के इस प्रयास की सराहना की और उम्मीद जताई कि भविष्य में भी ऐसे शिविर लगाए जाते रहेंगे।

पिता की प्रथम पुण्यतिथि पर संतोष सिंह ने गरीबों के बीच बांटे कंबल

मेहरमा। बाजितपुर पंचायत के बुधासन गांव निवासी समाजसेवी संतोष सिंह ने अपने पिता स्वर्गीय विजय कुमार सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर मानव सेवा को सर्वोपरि मानते हुए गांव के गरीब, असहाय तथा जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। कड़ाके की ठंड के बीच किए गए इस पुनीत कार्य की ग्रामीणों ने हृदय से प्रशंसा की। टाटा टिस्कोन ग्रुप, जमशेदपुर में मैनेजर के पद पर कार्यरत संतोष सिंह ने कहा कि उनके पिता हमेशा समाज की सेवा को सर्वोच्च मानते थे और उन्हीं की प्रेरणा उन्हें जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने के लिए प्रेरित करती है। कंबल प्राप्त कर ग्रामीणों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी। कई लोगों ने कहा कि कड़ाके की ठंड में यह पहल उनके लिए किसी राहत से कम नहीं है। कार्यक्रम में प्रमोद सिंह, योगेंद्र यादव, मनीष सिंह सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने बताया कि अभी तक सरकारी स्तर पर कंबल वितरण की शुरूआत नहीं हुई है, ऐसे में संतोष सिंह द्वारा किया गया यह प्रयास अत्यंत सराहनीय और प्रेरणादायक है। स्वर्गीय विजय कुमार सिंह अंगिका समाज के सक्रिय सदस्य रहे थे और वे किसानों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाते थे। उनका सामाजिक योगदान लोगों के बीच आज भी याद किया जाता है।

परियोजना क्षेत्र के ग्रामीणों के बीच डीबीएल प्रबंधन ने बांटे कंबल

पाकुड़। अमडापाड़ा प्रखंड के आलूवेड़ा स्थित डीबीएल पचवारा सेंट्रल कोल माइंस द्वारा सोमवार को परियोजना क्षेत्र के आमझरी गांव में कंबल वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कंपनी ने सीएसआर योजना के तहत ठंड के मौसम को देखते हुए बुजुर्गों तथा जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच कंबल वितरित किए, जिससे उन्हें ठंड से राहत मिल सके। कार्यक्रम के दौरान डीबीएल कोल माइंस के लाइजनिंग मैनेजर जेपी राय, संजय दास, प्रिंस कुमार, राजेश कर्ण तथा सीएसआर कर्मी मनोज मोदक ने ग्रामीणों को कंबल सौंपे। इस अवसर पर आमझरी गांव के ग्राम प्रधान परगना मुर्मू, सीताराम कोल सहित कई ग्रामीण मौजूद थे। ग्रामीणों ने कंपनी के इस सहयोगात्मक कार्य की सराहना की और कहा कि ठंड के इस मौसम में कंबल उनके लिए बड़ी राहत साबित होगा। ज्ञात हो कि डीबीएल प्रबंधन द्वारा विगत कई दिनों से परियोजना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में लगातार कंबल वितरण का कार्य किया जा रहा है। इस पहल से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है और उन्होंने कंपनी से भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्य जारी रखने की अपील की।

किसानों को दी गई प्रखंड में चल रही योजनाओं की जानकारी

साहिबगंज। सदर प्रखंड सभागार में मंगलवार को रबी कर्मशाला सह कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए प्रगतिशील किसानों और कृषक मित्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचलाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी बासुकी नाथ टुडू ने की। इस अवसर पर जिला कृषि कार्यालय से आत्मा परियोजना के उप परियोजना निदेशक मंटू कुमार, एचडीएफसी ऐग्रो इंश्योरेंस के जिला प्रतिनिधि अमित कुमार, प्रखंड समन्वयक सौरभ कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजीव पांडेय, एटीएम नीरज कुमार एवं अंशु कुमारी, जिला उद्योग केंद्र की प्रखंड समन्वयक रश्मि कुमारी, पूरब पंचायत के मुखिया संतोष गौड़ तथा कृषक मित्र मुन्ना रविदास, जितेंद्र यादव, दिलीप पासवान उपस्थित थे। कार्यशाला का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी और आत्मा परियोजना के उप परियोजना निदेशक ने संयुक्त रूप से किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रखंड एवं अंचल कार्यालय स्तर पर किसानों के हित में कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ लेकर किसान अपनी आय और कृषि उत्पादकता को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने किसानों को समय पर योजनाओं की जानकारी लेना और आवेदन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए प्रेरित किया। प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजीव पांडेय ने किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना और अन्य कृषि हितैषी कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

नाबालिग की खरीद-फरोख्त का चौंकाने वाला खुलासा

सरैयाहाट पुलिस ने बिहार से नाबालिग बच्ची को किया रेस्क्यू, चार तस्कर को धर-दबोचा

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। सरैयाहाट थाना पुलिस ने मानव तस्करी के संगठित नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए नाबालिग लड़की की खरीद-फरोख्त से जुड़े गंभीर मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने बिहार के मोतिहारी जिले में छापेमारी कर नाबालिग पीड़िता को सकुशल बरामद किया और इस पूरे कृत्य में शामिल चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में मानव तस्करी के विरुद्ध पुलिस प्रशासन की सख्ती को लेकर विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। घटना की शुरूआत 6 दिसंबर को तब हुई जब ग्राम बिरना निवासी सुशीला देवी ने अपनी 14 वर्षीय पोती की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया था कि लड़की एक माह पूर्व सिलाई सीखने के बहाने घर से निकली थी और वापस नहीं लौटी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की, जिसके दौरान पता चला कि लड़की मुजफ्फरपुर इलाके में है। इसी बीच, रात में आवेदिका सुशीला देवी द्वारा दूसरा आवेदन देते हुए आरोप लगाया गया कि उनकी पोती को 80,000 रुपये में मसोमात चुड़की देवी, पार्वती देवी उर्फ पानवती देवी और पिंकी देवी उर्फ प्रियंका देवी द्वारा अरुण सिंह, निवासी सगहरी, राजेपुर, मोतिहारी को बेच दिया गया है। आवेदन मिलते ही मामला और गंभीर हो गया तथा पुलिस ने तत्काल कांड दर्ज कर विशेष छापेमारी टीम गठित की। छापेमारी टीम ने देर रात सगहरी गांव में दबिश दी और अरुण सिंह के आवास से नाबालिग को बरामद कर लिया। मौके से अरुण सिंह को गिरफ्तार किया गया। उसके बाद पुलिस की दूसरी टीम ने छापेमारी कर तीनों महिला तस्करों को भी धर-दबोचा। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी राजेंद्र यादव के नेतृत्व में जयप्रकाश दास, सावन कुमार साहू, नेलशन निरल मानकी, नकी इमाम खान, मनोज कुमार सिंह, विरेंद्र कुमार, शैलेश मिश्र सहित पुलिस बल के अन्य जवान शामिल थे। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में व्यापक प्रशंसा हो रही है।

बिहार के वैशाली में बस-ऑटो की टक्कर, तीन लोगों की मौत

एजेंसी

पटना। बिहार के वैशाली जिले में हाजीपुर-लालगंज मुख्य मार्ग पर मंगलवार सुबह बस और ऑटो की आमने-सामने से टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि सात की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार हाजीपुर-लालगंज राज्य मार्ग 74 पर धनुषी गांव के पास ऑटो और बस में सीधी टक्कर हो गई। ऑटो हाजीपुर से यात्री लोड कर लालगंज जा रही थी। इसी दौरान लालगंज की ओर से आ रही तेज रफ्तार बस से ऑटो की सामने से टक्कर हो गई । इस दुर्घटना में ऑटो सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हैं। सभी घायलों को सदर अस्पताल हाजीपुर में भर्ती कराया गया है।

हादसे के बाद गुस्साएं स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए और हाजीपुर-लालगंज मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। सूचना मिलते ही एसडीपीओ गोपाल मंडल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को शांत कराने की कोशिश की। ग्रामीणों की मांग है कि मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए और घायल यात्रियों के इलाज में किसी भी तरह की लापरवाही न हो।

एसीबी की ताबड़तोड़ कार्रवाई से दुमका में हड़कंप, विनय चौबे प्रकरण के नए तार जुड़े

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। विनय चौबे प्रकरण एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है, क्योंकि एंटी करप्शन ब्यूरो ने सोमवार की सुबह दुमका और आसपास के क्षेत्रों में एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी कर पूरे जिले में हड़कंप मचा दिया। एसीबी की टीम ने कारोबारी नवीन पटवारी के ठिकानों पर दबिश दी, जो कथित रूप से श्रवण जालान के साले बताए जाते हैं। इससे पहले रविवार को भी एसीबी ने श्रवण जालान के आवास और व्यवसायिक ठिकानों पर बड़ी छापेमारी की थी, जिसके बाद मामला और अधिक गंभीर होता जा रहा है। सूत्रों के अनुसार सोमवार की छापेमारी के दौरान एसीबी ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, कंप्यूटर, मोबाइल डेटा और वित्तीय लेन-देन से जुड़े अनेक कागजात जब्त किए। सुबह से शुरू हुई यह कार्रवाई देर शाम तक जारी रही, जिससे संकेत मिलता है कि जांच टीम को कई अहम सुराग मिले हैं। जांच से जुड़े सूत्रों का मानना है कि विनय चौबे प्रकरण से संबंधित वित्तीय अनियमितताओं, अवैध लेनदेन और संपत्ति के विस्तार से जुड़े नए तार सामने आ रहे हैं। एसीबी की लगातार दो दिनों की कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि मामला अत्यंत गंभीर है और जांच एजेंसी अब बड़े नेटवर्क का पदार्फाश करने के मूड में है।

इन कार्रवाइयों के बाद दुमका में राजनीतिक, व्यावसायिक और प्रशासनिक हलकों में तेज हलचल बढ़ गई है। अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में और भी लोगों पर शिकंजा कस सकता है। दुमका में इस कार्रवाई ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया है कि किसी भी स्तर पर गलत काम करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

किशोर-किशोरियों के विकास के लिए बैसी लीडर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं : मुखिया

झारखंड दर्शन संवाददाता

दुमका। स्वयंसेवी संस्था 'साथी' द्वारा रामगढ़ प्रखंड के डांडो पंचायत भवन में किशोर-किशोरियों के विकास से संबंधित प्रावधानों को धरातल पर उतारने और उन्हें ग्राम स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू कराने के उद्देश्य से बैसी लीडरों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में मांझी हाड़ाम, नायकी, गुड़ित, प्राणिक, योगमांझी जैसे पारंपरिक समुदाय प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनकी भूमिका गांव के सामाजिक ढांचे में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। पंचायत की मुखिया मुडली देहरी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह पहल किशोरियों के सशक्तिकरण और उनके विकास की योजनाओं को समाज में लागू कराने में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि साथी संस्था द्वारा किया जा रहा प्रयास सराहनीय है और इससे पंचायत क्षेत्र में विशेषकर किशोरियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सामाजिक उन्नति को नई दिशा मिलेगी। मुखिया ने उपस्थित प्रधानों और बैसी लीडरों से आग्रह किया कि वे आगामी माह में ग्राम सभा आयोजित कर किशोरी सशक्तिकरण योजना तैयार करें और उसे पंचायत के माध्यम से जिला स्तर पर अनुमोदन के लिए भेजें।

साथी संस्था के निदेशक कालेश्वर मंडल ने कहा कि ग्राम सभा गांव की सर्वोच्च संस्था है, इसलिए सभी विकास योजनाओं का संचालन ग्राम सभा के माध्यम से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किशोरियों के विकास को गति देने के लिए यह आवश्यक है कि छिजित, योजना से वंचित, बाल यौन हिंसा से प्रभावित, बाल तस्करी का शिकार या बाल विवाह की आशंका वाली किशोरियों की पहचान कर उन्हें शिक्षा और सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि ग्राम सभा में किशोरियों की शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य तथा सुरक्षा का मूल्यांकन कर उसके अनुरूप कार्य योजनाएं तैयार की जानी चाहिए, ताकि इस पंचायत को किशोरी सशक्तिकरण के क्षेत्र में मॉडल पंचायत बनाया जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम में किशोरियों से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और समूह चर्चा के माध्यम से प्रस्तुतियां भी की गईं। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान सुनाई हांसदा, मनोज मुर्मू, मिरु मुर्मू, गणेश हेमब्रम, देवान टुडू, प्रमोद सेन, प्रखंड समन्वयक महादेव पासवान, पियर मेंटर शिवानी, बेरतीला सहित दर्जनों बैसी लीडर मौजूद रहे।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ को लेकर जागरूकता अभियान का आयोजन

झारखंड दर्शन संवाददाता

साहिबगंज। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास के निदेशानुसार संत थॉमस बालिका उच्च विद्यालय, धर्मपुर पतना में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत एक व्यापक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मंथन संस्था, चाइल्ड हेल्पलाइन तथा संरक्षण पदाधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख) के संयुक्त प्रयास से किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाना था, ताकि वे किसी भी कठिन परिस्थिति में साहसपूर्वक अपनी रक्षा कर सकें और समाज में अपनी पहचान मजबूती से स्थापित कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान संस्थागत देखरेख की अधिकारी चंदा कुमारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना भारत सरकार की एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से लड़कियों के प्रति समाज में व्याप्त भेदभाव को मिटाने, उन्हें शिक्षा से जोड़ने और सामाजिक तथा आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने छात्राओं को जीवन के विभिन्न पहलुओं सुरक्षा, शिक्षा और आत्मसम्मान के बारे में जागरूक रहने की सलाह दी। इस अभियान में बच्चियों को गुड टच-बैड टच की अवधारणा, बाल विवाह के दुष्परिणाम, बाल श्रम की कानूनी रोक, यौन शोषण से बचाव, पोक्सो अधिनियम की जानकारी, किशोर न्याय अधिनियम की मूल बातें, नशा मुक्ति के उपाय और स्पॉन्सरशिप, फोस्टर केयर, आफ्टर केयर तथा दत्तक ग्रहण प्रक्रिया से जुड़े प्रावधानों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। साथ ही एंटी साइबर क्राइम की जानकारी देते हुए जरूरी हेल्पलाइन नंबर 1930 तथा महिला सुरक्षा हेतु वन स्टॉप सेंटर के टोल-फ्री नंबर 181 के उपयोग के बारे में बताया गया। माहवारी स्वच्छता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी छात्राओं को दी गईं, ताकि वे स्वच्छ और स्वस्थ जीवन जी सकें। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि बाल विवाह, बाल श्रम, यौन शोषण और अन्य सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने में सरकारी प्रयासों के साथ-साथ समाज की सक्रिय भूमिका अनिवार्य है। कार्यक्रम में चंदा कुमारी, शोभा कुमारी, मोहम्मद इकबाल, सुमन कुमार, आराधना मंडल, रितेश कुमार लोहानी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

गोड्डा में पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान शुरू, प्रधान जज बोले- सुलह से ही मिलता है त्वरित न्याय

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। परिवार न्यायालय परिसर में सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान की शुरूआत की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य पारिवारिक मामलों में त्वरित न्याय और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देना है।

उद्घाटन समारोह में परिवार न्यायालय के प्रधान जज अनिल कुमार पांडेय, जिला जज पंचम नीरज कुमार विश्वकर्मा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शशि भूषण शर्मा, सचिव दीपक कुमार सहित कई न्यायिक दंडाधिकारी एवं अधिवक्ता उपस्थित थे।

अभियान का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रधान जज अनिल कुमार पांडेय ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया स्वभाव से जटिल और समयसाध्य होती है, ऐसे में मध्यस्थता न्याय पाने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है क्योंकि इसमें विवादित पक्षों के बीच सुलह-समझौता कराकर कम समय में मामले का निपटारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि देर से मिलने वाला न्याय कई बार निरर्थक हो जाता है इसलिए मध्यस्थता तंत्र को मजबूत करना हम सबकी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक लोग मध्यस्थता के महत्व को समझें और वर्षों से लंबित मामलों को सहमति के आधार पर हल किया जा सके। अभियान के तहत जिले के अनेक पारिवारिक मामलों को निपटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मध्यस्थता टीम में जितेंद्र दुबे, नूतन तिवारी, शादिक अहमद, धर्मेंद्र नारायण, राजकुमार घोष, अजय कुमार साह, दिलीप कुमार झा, श्वांति रानी, असलम, गौरी प्रिया, अनंत नारायण दुबे, अफसर हसनैन, कुंदन ठाकुर, रीनाकुमारी डे सहित कई मध्यस्थ सक्रिय रूप से मामलों का निष्पादन कर रहे हैं।

अभियान के दौरान न्यायिक अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे अपने विवादों को सुलह-समझौते से हल करने के लिए आगे आएं। ताकि अदालतों पर बोझ कम हो और समाज में शांति स्थापित हो।

पालोजोरी में 24 कुंडीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ 17 से 20 दिसंबर तक

झारखंड दर्शन संवाददाता

देवघर। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के दिव्य संरक्षण में पालोजोरी ब्लॉक क्षेत्र के ग्रीन ग्राउंड (एवरग्रीन मैदान) में आगामी 17 से 20 दिसंबर तक आयोजित होने वाले 24 कुंडीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ की तैयारियों को लेकर सोमवार को कृष्णा पैलेस पालोजोरी में एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई।

गोष्ठी की शुरूआत गायत्री मंत्र के सामूहिक जाप के साथ हुई। बैठक की अध्यक्षता यज्ञ समिति के अध्यक्ष शंभु अग्रवाल ने की। बैठक में महायज्ञ को भव्य एवं दिव्य रूप प्रदान करने से लेकर 17 दिसंबर को निकलने वाली विशाल कलश यात्रा की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला उपसमन्वयक उमाकांत राय ने कहा कि इस महायज्ञ का उद्देश्य न केवल समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करना है, बल्कि 'ग्रामे ग्रामे दीप यज्ञ' के माध्यम से परम पूज्य गुरुदेव की युगनिर्माण योजना और उनके विचारों को जनझ्रजन तक पहुंचाने का संकल्प भी है। उन्होंने कहा कि पूरे जिले में यह महायज्ञ लोकमंगल और राष्ट्रोत्थान का संदेश लेकर आएगा। गोष्ठी में मधुपुर ट्रस्टी अजित प्रसाद राय, मुख्य संयोजक शंभु अग्रवाल, मुखिया अंशुक साधु, मुखिया राजीव रंजन, कुमार आस्तिक गिरी, मुन्ना कापरी, विशाल पोद्दार, बिनोद कुमार साह, अमित साधु, ओमदीप यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने हेतु अपनी-अपनी जिम्मेदारियों की समीक्षा की और कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया।

महिला महाविद्यालय, गोड्डा में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में छात्राओं की रचनात्मकता दमक उठी

झारखंड दर्शन संवाददाता

गोड्डा। महिला महाविद्यालय, गोड्डा में मंगलवार का दिन इतिहास बन गया, जब महाविद्यालय परिसर में पहली बार विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। छात्राओं की प्रतिभा, उनके नवाचार तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अद्भुत संगम इस प्रदर्शन में देखने को मिला। प्रदर्शनी में कुल 21 स्टॉल लगाए गए, जिनमें जूलॉजी विभाग की छात्राओं द्वारा 16 उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किए गए, जबकि भौतिकी विभाग ने 4, अंग्रेजी विभाग ने 3 और राजनीति विज्ञान विभाग ने 1 स्टॉल के माध्यम से अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित की। इस आयोजन का विधिवत उद्घाटन महाविद्यालय की प्राचार्या ने किया। उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ० विवेकानंद सिंह उपस्थित थे। निर्णायक मंडल में डॉ० प्रियंका और डॉ० चंद्रशेखर आजाद शामिल हुए, जिन्होंने छात्राओं द्वारा बनाए गए मॉडलों का गहन निरीक्षण किया। विशेष अतिथि के रूप में डॉ. रंजन बहादुर की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों और प्रतिभागियों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में जूलॉजी सेमेस्टर 5 की छात्रा साहिबा महनूर ने अपने उत्कृष्ट मॉडल के दम पर पहला स्थान हासिल किया, जबकि दूसरा स्थान भौतिकी सेमेस्टर 1 की काव्या कांची को मिला। तीसरे स्थान पर जूलॉजी सेमेस्टर 5 की छात्रा रजश्री सिन्हा रहीं। आईक्यूएसी के निर्देशन में आयोजित इस प्रदर्शनी ने महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों को एक नई दिशा दी।

किशोरी सशक्तिकरण को बढ़ावा, प्रखंड कार्यालय, थाना और शिक्षा विभाग का भ्रमण

झारखंड दर्शन संवाददाता

बोआरीजोर। स्वयंसेवी संस्था 'साथी' के सहयोग से बड़ा बोआरीजोर, मेघी और जमुझरना पंचायतों की दर्जनों किशोरी समूह लीडरों ने मंगलवार को प्रखंड कार्यालय और थाना परिसर का भ्रमण कर विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों को सरकारी तंत्र, सुरक्षा कानूनों एवं विकास योजनाओं के प्रति जागरूक करना था।

किशोरियों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथलेश सिंह, थाना प्रभारी आशीष कुमार यादव, एएसआई अरविंद कुमार साह, प्रवीण कुमार तथा शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि अमित कुमार से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें बाल विवाह रोकथाम, बाल तस्करी, बाल यौन हिंसा, बाल श्रम और अन्य बाल अधिकार संबंधी कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने किशोरियों को शिक्षा पर विशेष ध्यान देने और अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि प्रखंड प्रशासन स्तर पर चलाई जाने वाली सभी योजनाओं का लाभ उन्हें प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाएगा और किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर वे सीधे संपर्क कर सकती हैं। थाना प्रभारी आशीष कुमार यादव ने किशोरियों को सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूक रहने और अपने समूहों में चर्चा कर अधिक से अधिक लड़कियों को इन विषयों से अवगत कराने की सलाह दी।

संक्षिप्त खबरें

हरिहरगंज में मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र विकसित करने की पहल तेज

हरिहरगंज। पलामू उपायुक्त के दिशा-निर्देश पर हरिहरगंज प्रखंड के विकास पदाधिकारी सह प्रभारी सीडीपीओ पारितोष प्रियदर्शी ने मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के अंबा-1 आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। प्रशासन की ओर से आंगनवाड़ी केंद्रों को मॉडल के रूप में विकसित करने की जो पहल शुरू की गई है, उसी के तहत यह निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने बच्चों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई-लिखाई, स्वास्थ्य, पोषण और दैनिक गतिविधियों से संबंधित जानकारी हासिल की। उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास को देखते हुए अध्ययन सामग्री भी वितरित की, ताकि छोटे बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि और उत्साह बना रहे। निरीक्षण के तहत केंद्र में विकसित की जा रही पोषण वाटिका का भी बारीकी से अवलोकन किया गया। बीडीओ ने कहा कि पोषण वाटिका बच्चों के स्वास्थ्य सुधार में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है क्योंकि इससे हरी सब्जियों की उपलब्धता सुनिश्चित होती है और पौष्टिक आहार के प्रति जागरूकता बढ़ती है। बीडीओ ने स्पष्ट किया कि प्रशासन की मंशा है कि प्रखंड क्षेत्र के सभी आंगनवाड़ी केंद्र आदर्श रूप में विकसित हों, ताकि बच्चों का मानसिक, शारीरिक और शैक्षणिक विकास सुनिश्चित किया जा सके।

कड़ाके की ठंड में मानवता की मिसाल पेश कर रही पिता-पुत्र की जोड़ी

गढ़वा। कड़ाके की ठंड में जहां आम लोग गर्म कपड़ों में दुबके रहते हैं, वहीं गढ़वा जिले में एक पिता-पुत्र की जोड़ी मानवता की ऐसी मिसाल पेश कर रही है, जिसने लोगों का दिल जीत लिया है। अनेक निःशुल्क बैंक के संस्थापक शौकत खान और उनके पुत्र साजिद खान पिछले दस वर्षों से भी अधिक समय से गरीबों और जरूरतमंदों के बीच कंबल और गर्म कपड़े वितरित कर रहे हैं। अपने कपड़ा बैंक गढ़वा के माध्यम से वे प्रतिदिन समाज के सबसे कमजोर तबके तक पहुंचकर उनकी मदद करते हैं। दिन के समय वे अपने बैंक में आने वाले जरूरतमंदों को कपड़े और कंबल उपलब्ध कराते हैं, जबकि रात में कार से पूरा शहर घूमकर सड़क किनारे सोने वाले, फुटपाथ दुकानदार, रिक्शा-ऑटो चालक, यात्रियों और बेसहारा लोगों को ढूंढ-ढूंढकर कंबल ओढ़ाते हैं। उल्लेखनीय है कि इस सेवा कार्य में उनके परिवार के छोटे-छोटे बच्चे भी शामिल होते हैं, जो रात के समय बसों-ट्रेनों में सफर कर रहे जरूरतमंद यात्रियों और राहगीरों को कंबल उपलब्ध कराते हैं। अब तक शौकत खान और उनके पुत्र साजिद खान एक लाख से अधिक जरूरतमंद लोगों को कंबल और गर्म कपड़े उपलब्ध करा चुके हैं।

एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति की पहचान गोपनीय रखना कानूनी अधिकार : पीएलवी अनीता मिंज

मेदिनीनगर। झालसा के निर्देश और पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा के मार्गदर्शन में मंगलवार को चैनपुर प्रखंड के पनेरीबांध और बांसडीह में एचआईवी/एड्स रोकथाम और कानूनी अधिकारों पर जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए पीएलवी अनीता मिंज ने कहा कि एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है और उसकी सहमति के बिना किसी भी स्थिति में सार्वजनिक नहीं की जा सकती। उन्होंने बताया कि एचआईवी की स्थिति के आधार पर रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, किराए पर मकान लेने सहित किसी भी क्षेत्र में भेदभाव करना कानूनन अपराध है। अनीता मिंज ने कहा कि एचआईवी पॉजिटिव लोगों को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है, जिसमें परामर्श और नियमित परीक्षण भी शामिल है। कार्यक्रम के दौरान पीएलवी ज्योति वर्मा ने भी ग्रामीणों को बताया कि एचआईवी पॉजिटिव लोग समाज का हिस्सा हैं और उनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव असंवैधानिक है। दोनों पीएलवी ने कहा कि जागरूकता ही इस बीमारी पर नियंत्रण का सबसे प्रभावी उपाय है।

शांतिनिकेतन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने किया रांची विधानसभा का भ्रमण

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखंड स्थित शांति निकेतन पब्लिक स्कूल के लगभग दो दर्जन मेधावी विद्यार्थियों ने मंगलवार को रांची विधानसभा का शैक्षणिक भ्रमण किया। ये सभी विद्यार्थी कक्षा चार से नौ तक के वे छात्र थे, जिन्होंने पिछले परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। विधानसभा पहुंचने के बाद छात्रों ने वहां की कार्यवाही को प्रत्यक्ष रूप से देखा और उन सभी प्रक्रियाओं को समझने का प्रयास किया, जिन्हें वे अब तक केवल पुस्तकों में पढ़ते आए थे। उन्होंने जाना कि विधायक किस प्रकार अपनी बात रखते हैं, स्पीकर सदन को किस तरह संचालित करते हैं और कानून निर्माण की पूरी प्रक्रिया कैसे आगे बढ़ती है। भ्रमण के दौरान मनिका विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामचंद्र सिंह द्वारा सदन में उठाए गए सवालों को विद्यार्थियों ने निकट से देखा और बाद में उनसे कई सवाल भी पूछे। विधायक श्री सिंह ने विद्यार्थियों को विधानसभा की कार्यप्रणाली, राज्य की राजनीतिक संरचना और कानून निर्माण की प्रक्रियाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उनकी बातें सुनकर विद्यार्थियों के चेहरे पर उत्साह और जिज्ञासा झलक रही थी।

उपायुक्त ने राजस्व संग्रहण की समीक्षा बैठक की

सभी विभागों को लक्ष्य हासिल करने में तेजी लाने के निर्देश

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी समीरा एस ने मंगलवार को जिले के सभी राजस्व-सम्बंधित विभागों की विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध अब तक की गई वसूली का विस्तृत आकलन किया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी विभाग अपनी कार्यगति को तेज करें और निर्धारित लक्ष्य को हर हाल में पूरा करें।

बैठक में सबसे पहले खनन विभाग की समीक्षा की गई। विभाग को 58433.31 लाख रुपये का वार्षिक लक्ष्य मिला है, जिसके विरुद्ध अब तक मात्र 9489.985 लाख रुपये यानी 16.24 प्रतिशत वसूली की गई है। इस पर उपायुक्त ने कड़ा निर्देश देते हुए कहा कि खनन क्षेत्र में राजस्व संग्रहण की गति बढ़ाने के लिए तत्काल प्रभाव से प्रभावी कदम उठाए जाएं। इसके बाद परिवहन विभाग की समीक्षा की गई, जिसे इस वित्तीय वर्ष में 7608.30 लाख रुपये की वसूली का लक्ष्य मिला था। विभाग ने अब तक 5607.77 लाख रुपये यानी 73.70 प्रतिशत राजस्व वसूली कर ली है। मोटरयान निरीक्षक, पलामू को दिए गए 449 लाख रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध सिर्फ 210.16 लाख रुपये यानी 46 प्रतिशत वसूली हुई, जिस पर उपायुक्त ने सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता जताई। उत्पाद विभाग की समीक्षा के दौरान उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि विभाग को दिए गए 16759.50 लाख रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध नवंबर माह तक 9713.32 लाख रुपये यानी 57.95 प्रतिशत वसूली हुई है। उपायुक्त ने विभाग को लगातार छापामारी अभियान चलाने और राजस्व बढ़ाने के निर्देश दिए।

मेदिनीनगर नगर निगम ने भी अपने लक्ष्य 1560.55 लाख रुपये के विरुद्ध 878.44 लाख रुपये यानी 56.29 प्रतिशत वसूली कर ली है। इसके साथ ही अवर निबंधन कार्यालय, राष्ट्रीय बचत योजना, विद्युत आपूर्ति विभाग समेत राजस्व से जुड़े अन्य विभागों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी विभागों को शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने और लंबित प्रक्रियाओं को जल्द पूरा करने को कहा। बैठक में भूमि हस्तांतरण से जुड़े लंबित मामलों की अंचलवार समीक्षा की गई। भू-लगान, निबंधन, दाखिलझ्खारिज, सकसेशन म्यूटेशन, पार्टीशन म्यूटेशन, भूमि सीमांकन, ई-रेवेन्यू कोर्ट की स्थिति और झारखंड लगान कलेक्शन की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने सभी सीओ को स्पष्ट निर्देश दिया कि म्यूटेशन मामलों का निर्धारित समय में निपटारा सुनिश्चित करें और भूमिसंबंधी प्रक्रियाओं में देरी न हो।

बैठक में अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, तीनों एसडीओ, सहायक समाहर्ता, भूमि सुधार उप समाहर्ता, सभी अंचल अधिकारी और अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

सन्नी-शार्दुल की जोड़ी ने पलामू में खेल को दिया नया आयाम

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। दिशोम गुरु स्व० शिबू सोरेन स्मृति पलामू कप सीजन-3 का तीसरा दिन रोमांच, उत्साह और जोश से भरपूर रहा। झामुमो नेता सन्नी शुक्ला एवं आशुतोष विनायक द्वारा आयोजित यह भव्य टूनार्मेंट जिले में खेल संस्कृति को नई दिशा देने का बड़ा माध्यम बनता जा रहा है। सोमवार को खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन, दर्शकों के उत्साह और आयोजन की भव्यता ने पूरे मैदान में खेल का अद्भुत माहौल बना दिया। दिन का पहला मुकाबला जिला स्कूल क्रिकेट क्लब और खान 11 गमहैता के बीच खेला गया, जिसमें जिला स्कूल क्रिकेट क्लब ने 78 रनों से जोरदार जीत दर्ज की। टीम के स्टार खिलाड़ी एहसान उल्ला ने शानदार ऑलराउंड खेल दिखाते हुए 37 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली और 2 विकेट चटकाए। उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैच का लाइव प्रसारण क्रिक हीरोज ऐप पर किया गया, जिसे बड़ी संख्या में दर्शकों ने देखा।

दिन का दूसरा मुकाबला रेड ड्रैगन और एयरपोर्ट 11 के बीच हुआ, जिसमें दोनों टीमों ने खेल भावना का बेहतरीन परिचय दिया। आज के मैन ऑफ द मैच पुरस्कार कांग्रेस के तेजतर्रार नेता मणिकांत सिंह और व्यवसायी राकेश पांडेय द्वारा प्रदान किए गए, जिससे खिलाड़ियों का उत्साह और बढ़ गया। टूर्नामेंट में अंपायर मंटू जी और छोटू जी की निष्पक्ष एवं सटीक अंपायरिंग की खूब सराहना हो रही है। उनके निर्णयों ने मैच को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई।

स्वच्छ नदी का संकल्प बना कोयल रिवर फ्रंट की भव्य गंगा आरती का केंद्र

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। नवजागरण कोयल गंगा आरती समिति द्वारा कोयल रिवर फ्रंट पर अत्यंत भव्य और श्रद्धामय माहौल में गंगा आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, श्रद्धालु, समाजसेवी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि के रूप में संत मरियम विद्यालय के चेयरमैन एवं युवा झामुमो नेता अविनाश देव ने भाग लिया। समिति के सदस्य राहुल शास्त्री और पूरी टीम ने मंत्रोच्चार के साथ आरती संपन्न कराई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम के दौरान अविनाश देव ने मां गंगा की तस्वीर पर पूजा-अर्चना की और उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मानव सभ्यता का उद्भव नदियों के तट से ही हुआ है। नदियां केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और परंपरा का प्रतीक हैं। उन्होंने दुःख जताया कि आज देश की अधिकांश नदियां प्रदूषण के गंभीर संकट का सामना कर रही हैं। भारत में कई नदियों का पानी पीने योग्य भी नहीं बचा है, जबकि विदेशी देशों की नदियाँ तुलनात्मक रूप से अधिक स्वच्छ हैं। उन्होंने कोयल गंगा आरती को केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि नदी संरक्षण का एक महत्त्वपूर्ण संदेश बताया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे यह संकल्प लें कि कोयल नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि नदी तभी स्वच्छ रह सकती है जब समाज सामूहिक रूप से इसकी जिम्मेदारी स्वीकार करे।

गढ़वा में मां गढ़ देवी मंदिर में अर्धनारीश्वर की भव्य प्रतिमा स्थापना 11 दिसंबर को

झारखंड दर्शन संवाददाता

गढ़वा। शहर के प्रसिद्ध मां गढ़ देवी मंदिर परिसर में धार्मिक न्यास बोर्ड के तत्वावधान में भगवान अर्धनारीश्वर की भव्य प्रतिमा स्थापना और प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं। इसी संबंध में मंदिर परिसर में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई, जिसमें पुजारी राजन पांडेय ने विस्तृत जानकारी दी। राजन पांडेय ने बताया कि मंदिर के प्रथम तल पर अर्धनारीश्वर की दिव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जो गढ़वा शहर की धार्मिक प्रतिष्ठा को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगी। कार्यक्रम की शुरूआत 11 दिसंबर को सुबह 7 बजे ध्वजारोहण के साथ होगी, जिसमें हनुमंत ध्वज को विधिवत रूप से स्थापित किया जाएगा। इसके बाद पूजन-अर्चन, कलश स्थापना और अन्य पारंपरिक अनुष्ठान आरंभ हो जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि प्रतिमा का प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव अगले वर्ष 19 जनवरी से 23 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। पांच दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव में आशीष वैध और उनकी पुरोहित टीम द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण, हवन, अभिषेक और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जाएंगे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी भी उपस्थित रहेंगे। मंदिर परिसर में प्रतिमा स्थापना और प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए तैयारियां तेजी से की जा रही हैं। प्रथम तल पर निर्माण और सजावट का कार्य अंतिम चरण में है। प्रेस वार्ता में मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष विनोद जायसवाल, अरविंद पटवा, सरदार रणजीत जगजीवन और सागर हिंदू सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

विधायक रामचंद्र सिंह ने विधानसभा में उठाए क्षेत्रीय विकास के महत्वपूर्ण मुद्दे

सरकार ने दिया सकारात्मक उत्तर

झारखंड दर्शन संवाददाता

बरवाडीह। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान मनिका विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामचंद्र सिंह ने अपने क्षेत्र की तीन महत्वपूर्ण सड़क योजनाओं और कुरील नदी पर प्रस्तावित पुल निर्माण में हो रही देरी की गंभीर समस्या को सदन में मजबूती से उठाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र लंबित रहने के कारण ये सभी योजनाएँ अधर में लटकी हुई हैं, जिससे हजारों ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो रहा है। सदन में प्रस्तुत जवाब में सरकार ने बताया कि लाभर पिकेटझटोंगरी सड़क तथा लाभर पिकेटझनावाडीह सड़क के सुधार और पुनर्निर्माण के लिए वन विभाग की अनुमति आवश्यक है। प्रस्ताव पलामू व्याघ्र परियोजना दक्षिणी प्रमंडल को भेजे जा चुके हैं, परंतु आवश्यक नक्शा, केएमएल फाइल और अन्य दस्तावेज प्रखंड प्रशासन द्वारा उपलब्ध नहीं कराए जाने के कारण प्रक्रिया रुकी हुई है। विधायक ने कहा कि इन मार्गों का निर्माण नहीं होना ग्रामीणों के लिए गंभीर समस्या पैदा कर रहा है और अनुमति में देरी किसी भी तरह उचित नहीं है। कुरील नदी पर गारूझ्हेसवा मार्ग के ऊपर बनने वाले पुल के लिए 0.32 किमी वन भूमि की स्वीकृति आवश्यक है। यह प्रस्ताव वन्यजीव विभाग द्वारा स्थल निरीक्षण के बाद अब राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड के पास विचाराधीन है। अनुमति मिलते ही पुल निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। विधायक रामचंद्र सिंह ने सदन में कहा कि ये तीनों परियोजनाएं क्षेत्र के विकास की जीवनरेखा हैं। इनके अधूरे रहने से स्वास्थ्य, शिक्षा, बाजार और परिवहन से जुड़े हजारों लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से अनुमति प्रक्रिया को त्वरित गति देने की मांग की। सरकार ने आश्वासन दिया है कि प्रखंड प्रशासन द्वारा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए जाने के तुरंत बाद दोनों सड़क परियोजनाओं के लिए वन विभाग से अनुमति जारी कर दी जाएगी, और पुल निर्माण के लिए राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्वीकृति मिलते ही काम शुरू करा दिया जाएगा।

जमूने में नशा मुक्ति अभियान चला, ग्रामीणों ने लिया नशा त्यागने का संकल्प

शशि रंजन बोले, जागरूकता से ही आएगा सामाजिक परिवर्तन

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड के अंतर्गत ग्राम जमूने में मंगलवार को नशा मुक्ति को लेकर एक महत्वपूर्ण जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यह अभियान जिला नशा मुक्ति केंद्र द्वारा संचालित आदिवासी महिला विकास समूह के तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नशामुक्ति परियोजना के तहत आयोजित किया गया था। उद्घाटन कार्यक्रम का शुभारंभ नशा मुक्ति अभियान के प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर शशि रंजन द्वारा किया गया, जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर पूरे कार्यक्रम का नेतृत्व किया। अभियान के दौरान सत्येंद्र कुमार, सोशल वर्कर रूचि कुमारी, काउंसलर अनुप कुमार, योग प्रशिक्षक रूबी देवी, नर्स फूल कुमारी, रसोईया अरुण मेहता सहित स्थानीय समुदाय के कई महिला-पुरुष उपस्थित रहे। शशि रंजन ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में नशा समाज का सबसे बड़ा शत्रु बनकर उभर रहा है। नशे की वजह से न केवल परिवार टूट रहे हैं बल्कि युवा पीढ़ी अपने भविष्य को स्वयं अंधकार की ओर धकेल रही है। सड़क दुर्घटनाओं से लेकर घरेलू हिंसा और अपराध तक, कई घटनाओं की जड़ में नशा ही मुख्य कारण पाया गया है। उन्होंने कहा कि यदि समाज को सही दिशा में ले जाना है, तो सबसे पहले नशे के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठानी होगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने आस-पास के लोगों को भी नशा न करने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम में उपस्थित आदिवासी महिला विकास समूह की बहनों ने यह संकल्प लिया कि वे गांव - गांव जाकर लोगों को जागरूक करेंगी और नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। कार्यक्रम के समापन पर ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से नशापान छोड़ने की प्रतिज्ञा ली।

कार्यक्रम संत मरियम स्कूल एवं एलन करियर इंस्टिट्यूट में संयुक्त संवाद कार्यक्रम का आयोजन

मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा में मिलेगा विशेष सहयोग

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर भवन में मंगलवार को शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल देखने को मिली, जब संत मरियम स्कूल और एलन करियर इंस्टिट्यूट रांची द्वारा संयुक्त संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने न केवल बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया, बल्कि इंजीनियरिंग और मेडिकल जैसे उच्च शिक्षा क्षेत्रों में प्रवेश की दिशा में भी नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ एलन रांची सेंटर हेड हेमंत योगी, एडमिन हेड देवेंद्र अवस्थी, संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव, प्राचार्य कुमार आदर्श, प्रवीण दुबे, विकास कुलभूषण, अविनाश पाठक तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में एलन टीम के विशेषज्ञों ने छात्रों को बोर्ड परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ भविष्य की प्रतियोगी परीक्षाओं की रणनीतियों के बारे में विस्तार से बताया। एडमिन हेड देवेंद्र अवस्थी ने कहा कि किसी भी प्रकार की सफलता तीन चीजों पर निर्भर करती है सही दिशा, प्रभावी रणनीति और लगातार अभ्यास। उन्होंने समय प्रबंधन, तनाव नियंत्रण और प्रतियोगी माहौल में सकारात्मक सोच बनाए रखने जैसे विषयों पर सबसे महत्वपूर्ण सुझाव दिए। डिवीजन हेड हेमंत योगी ने प्रेरणादायक संबोधन देते हुए कहा कि परिश्रम वह चाबी है जो हर कठिन से कठिन दरवाजे को भी खोल सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित करने और दृढ़ निश्चय के साथ उसके लिए प्रयासरत रहने की सलाह दी।

संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने कहा कि शिक्षा केवल अंकों का खेल नहीं है बल्कि इसका मूल उद्देश्य मजबूत चरित्र, अनुशासन और नैतिकता के साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने वाला नागरिक तैयार करना है। उन्होंने घोषणा की कि स्कूल पलामू जिले के मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को इंजीनियरिंग और मेडिकल क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्रीय संस्थानों में नामांकन के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। यह सहयोग न केवल फीस में कमी के रूप में मिलेगा, बल्कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए पूर्णतः निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था भी की जाएगी। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के कई सदस्य उपस्थित रहे और कार्यक्रम का संचालन प्रवीण दुबे ने किया। यह संवाद कार्यक्रम छात्रों के लिए न केवल अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ बल्कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पलामू के विद्यार्थियों के लिए नई उम्मीद और अवसर लेकर आया।

स्टेशन परिसर में जलाए गए अलाव से यात्रियों को मिली राहत

ठंडी रात में टिकट चेकिंग स्टाफ ऑर्गेनाइजेशन ने बढ़ाया मानवता का हाथ

झारखंड दर्शन संवाददाता

मेदिनीनगर। कड़ाके की ठंड से बचाने के लिए सोमवार की देर शाम डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन परिसर में ऑल इंडिया टिकट चेकिंग स्टाफ ऑर्गेनाइजेशन द्वारा अलाव की व्यवस्था की गई। ठंड बढ़ने के कारण स्टेशन परिसर में बड़ी संख्या में यात्री और गरीब तबके के लोग ठिठुर रहे थे। ऐसे में अलाव जलाए जाने से यात्रियों को बड़ी राहत मिली।

अलाव जलाने के समय जीआरपी थाना प्रभारी सतीश पांडेय, ऑल इंडिया टिकट चेकिंग स्टाफ ऑर्गेनाइजेशन के उपाध्यक्ष व ईस्ट सेंट्रल रेलवे मेंस कांग्रेस के केंद्रीय संयुक्त महासचिव बीएम पांडेय, मेंस कांग्रेस के डाल्टनगंज शाखा सचिव संजय पासवान सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। जैसे ही अलाव जलाया गया, स्टेशन परिसर में मौजूद बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग और यात्री उसके आसपास जुट गए और गर्मी पाकर राहत महसूस करने लगे। जीआरपी थाना प्रभारी सतीश पांडे ने कहा कि अचानक बढ़ी ठंड में अलाव की व्यवस्था कर यात्रियों की तकलीफ दूर करना एक सराहनीय कार्य है। उन्होंने बताया कि स्टेशन परिसर में रातभर सैकड़ों लोग ट्रेन की प्रतीक्षा में रहते हैं, वहीं कई गरीब परिवार स्टेशन परिसर में रात्रि विश्राम भी करते हैं। ऐसे में अलाव समाजसेवा का एक बड़ा उदाहरण है।

संक्षिप्त खबरें

मोनाल कप 2025: सचिवालय हरिकेन और सचिवालय ईगल्स ने दर्ज की शानदार जीत

देहरादून। मोनाल कप 2025 के अंतर्गत 09 दिसंबर 2025 को महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में दो रोमांचक मुकाबले खेले गए, जिनमें सचिवालय हरिकेन और सचिवालय ईगल्स ने अपने-अपने मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल से पहले मजबूत दावेदारी पेश की। पहले मैच में सचिवालय हरिकेन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 139 रन बनाए। टीम की ओर से विनोद शर्मा ने 43 रनों की अहम पारी खेली, जबकि ओमीश कुमार ने 31 रन जोड़े। लायंस की तरफ से माधव नौटियाल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके। 140 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लायंस की टीम 95 रनों पर सिमट गई। बल्लेबाजी में माधव नौटियाल ने 30 और धीरेन्द्र सिंह ने 22 रन बनाए। हरिकेन की ओर से ओमीश कुमार ने 4 विकेट और सुनील ने 3 विकेट लेकर विपक्षी टीम को बांधे रखा। इस प्रकार सचिवालय हरिकेन ने 44 रनों से मुकाबला अपने नाम किया। ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए ओमीश कुमार को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। दिन के दूसरे मैच में सचिवालय ईगल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट पर 183 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

एडिलेड टेस्ट में कमिंस की वापसी तय, हेजलवुड एशेज से बाहर

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की करीब पांच महीने बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी तय मानी जा रही है। वह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे एशेज टेस्ट में टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है क्योंकि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड पूरे एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने मंगलवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि हेजलवुड अब इस गर्मी में इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे। पिछले महीने शेफील्ड शील्ड के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया था और इसके बाद पिछले सप्ताह उनके अकिलीज में भी समस्या उभर आई, जिससे उनकी वापसी की उम्मीदें खत्म हो गईं। मैकडोनाल्ड ने कहा उनके लिए यह बेहद निराशाजनक है। कुछ ऐसे झटके लगे जिनकी हमें उम्मीद नहीं थी। हमें लगा था कि वह इस सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे, लेकिन दुर्भाग्य से अब उन्हें यह मौका नहीं मिल पाएगा। हेजलवुड अब फरवरी में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप को लक्ष्य बनाकर पूरी तरह फिट होने की कोशिश करेंगे। दूसरी ओर, पैट कमिंस के लिए सब कुछ योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए टॉम ब्लंडेल, मिचेल हे का डेब्यू तय

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले एक और बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज टॉम ब्लंडेल हैमस्ट्रिंग चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। ब्लंडेल को यह चोट पिछले हफ्ते क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान बल्लेबाजी करते समय लगी थी। ब्लंडेल के बाहर होने के बाद 25 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज मिचेल हे का टेस्ट डेब्यू तय माना जा रहा है। हे बुधवार (10 दिसंबर) से बेसिन रिजर्व में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड की ओर से पहली बार टेस्ट क्रिकेट में उतरेंगे। इससे पहले न्यूजीलैंड को एक साथ तीन और खिलाड़ियों के चोटिल होने का सामना करना पड़ा था। तेज गेंदबाज मैट हेनरी (काफ इंजरी), नाथन स्मिथ (साइड इंजरी) और ऑलराउंडर मिचेल सेंटनर (ग्रोइन इंजरी) सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो चुके हैं। उनके स्थान पर न्यूजीलैंड क्रिकेट ने ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क और तेज गेंदबाज माइकल रे को टीम में शामिल किया है।

आईपीएल 2026 ऑक्शन: अय्यर और रवि सबसे ऊंचे बेस प्राइस वाले भारतीय

टाटा आईपीएल 2026 ऑक्शन में कुल 350 खिलाड़ी बोली के लिए उपलब्ध रहेंगे

नई दिल्ली। एजेंसी

आईपीएल 2026 ऑक्शन से ठीक एक हफ्ते पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शॉर्टलिस्ट किए गए खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है। 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाले टाटा आईपीएल 2026 ऑक्शन में कुल 350 खिलाड़ी बोली के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस ऑक्शन की सबसे खास बात यह है कि 2 करोड़ रुपये की सबसे ऊंची बेस प्राइस वाली कैटेगरी में शामिल भारतीय खिलाड़ियों में सिर्फ वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई को ही जगह मिली है। आईपीएल 2026 ऑक्शन के लिए कुल 1390 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिनमें से 350 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया।

इस फाइनल लिस्ट में 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें 112 खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि 224 अनकैप्ड भारतीय और 14 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी भी ऑक्शन का हिस्सा होंगे, जिससे युवा प्रतिभाओं को बड़ा मंच मिलने की उम्मीद है। विदेशी खिलाड़ियों की मौजूदगी भी इस बार मजबूत नजर आ रही है। ऑक्शन में 9 देशों के क्रिकेटर शामिल होंगे, जिनमें इंग्लैंड से सबसे ज्यादा 21 खिलाड़ी, ऑस्ट्रेलिया से 19, न्यूजीलैंड से 16, साउथ अफ्रीका से 15, श्रीलंका से 12,

वेस्टइंडीज से 9, अफगानिस्तान से 10, बांग्लादेश से 7 और आयरलैंड से 1 खिलाड़ी शामिल है। भारतीय ऑलराउंडर जलज सक्सेना 39 साल की उम्र में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे, जबकि अफगानिस्तान के वाहिदुल्लाह जदरान महज 18 साल से थोड़ी अधिक उम्र के साथ ऑक्शन में सबसे युवा खिलाड़ी हैं। इस बार 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस में कुल 40 खिलाड़ियों ने एंट्री ली है। इस कैटेगरी में कैमरन ग्रीन, स्टीव स्मिथ, डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक, वानिंदु हसरंगा, लियाम लिविंगस्टोन, मैथीशा पथिराना, एनरिक नॉर्खिया, जेसन होल्डर, डेरिल मिचेल, जॉश इंग्लिस, मुजीब उर रहमान और नवीन-उल-हक जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय सितारे शामिल हैं।

भारतीय खिलाड़ियों में केवल वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई ही इस हाईएस्ट बेस प्राइस स्लैब में हैं। इसके अलावा 1.5 करोड़ रुपये और 1.25 करोड़ रुपये के बेस प्राइस में भी कई चर्चित नाम शामिल हैं, जिनमें रहमानुल्लाह गुरबाज, मैथ्यू शॉर्ट, झाय रिचर्डसन, फिन एलन, जॉनी बेयरस्टो, उमेश यादव, राहुल चाहर और चारिथ असलंका जैसे खिलाड़ी फ्रेंचाइजियों का ध्यान खींच सकते हैं। 75 लाख रुपये और उससे नीचे के बेस प्राइस में कई भारतीय युवा और अनुभवी खिलाड़ी भी मैदान में होंगे। इस सूची में सरफराज खान, पृथ्वी शॉ, दीपक हुड्डा, मयंक अग्रवाल, राहुल त्रिपाठी, नवदीप सैनी, चेतन साकरिया, कुलदीप सेन और दर्शन नालकंडे जैसे नाम शामिल हैं, जिन पर टीमों की खास नजर रहने वाली है। ऑक्शन में सभी 10 फ्रेंचाइजियां मिलकर कुल 77 खाली स्लॉट भरेंगी, जिनमें से 31 स्लॉट विदेशी खिलाड़ियों के लिए आरक्षित हैं। सभी टीमों के पास मिलाकर 237.55 करोड़ रुपये की राशि खर्च करने के लिए उपलब्ध है। कोलकाता नाइट राइडर्स के पास सबसे बड़ा पर्स 64.3 करोड़ रुपये का है, जबकि मुंबई इंडियंस के पास केवल 2.75 करोड़ रुपये बचे हैं।

सीएम हेमन्त सोरेन से झारखंड की अंडर-14 फुटबॉल टीम ने की मुलाकात

राज्य सरकार खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है : हेमन्त सोरेन

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय चैंपियन बनने पर दी बधाई

संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड विधानसभा में झारखंड की 'अंडर-14 बालक फुटबॉल टीम' ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने टीम के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगियों को राष्ट्रीय चैंपियन बनने पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री सोरेन ने कहा कि झारखंड में खेल के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य के युवाओं की प्रतिभा और समर्पण झारखंड के गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह उम्मीद जताई कि इसी प्रकार झारखंड के खिलाड़ी भविष्य में भी खेल जगत में नए आयाम स्थापित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश के उमरिया में 1 दिसंबर से 6 दिसंबर 2025 तक आयोजित 69वीं स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SGFI) राष्ट्रीय स्कूली फुटबॉल चैंपियनशिप में झारखंड की अंडर-14 बालक फुटबॉल टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय चैंपियन का खिताब अपने नाम किया था। फाइनल मुकाबले में झारखंड ने रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में पंजाब को 6-5 से पराजित कर यह गौरव हासिल किया। यह प्रतियोगिता झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (JEPC) के बैनर तले आयोजित हुई थी। खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री से बातचीत के दौरान बताया कि राज्य सरकार की खेल नीतियों एवं प्रोत्साहन योजनाओं से उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रेरणा मिल रही है।

जिला क्रिकेट लीग अंडर 16 में डीसीए की शानदार जीत

अररिया। स्थानीय नेताजी सुभाष स्टेडियम में खेले जा रहे कॉन्सम ट्राफी जिला क्रिकेट लीग अंडर-16 मुकाबले में डीसीए ने एफसीए को 8 विकेट से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर डीसीए ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जो पूरी तरह सही साबित हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए एफसीए की टीम 20 ओवर में 95 रन ही बना सकी। टीम की ओर से कृष्ण आर्यन ने सर्वाधिक 15 रन बनाए, जबकि शुभम बिराजी ने 14 रन का योगदान दिया। डीसीए की ओर से गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए यक्षेंद्र ने कसी हुई गेंदबाजी की और 3 विकेट लिए,जबकि हसन रजा ने 2 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए डीसीए की टीम मात्र 8 विकेट शेष रहते हुए आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। बल्लेबाजी में राहुल सिद्धार्थ ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 37 रन, जबकि शादमान ने 24 रन की उपयोगी पारी खेली और टीम को जीत दिलाई। अपने हरफनमौला प्रदर्शन के लिए शादमान को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम फाइनल्स में अर्जुन ने मैग्नस कार्लसन को हराया

पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को राउंड-रॉबिन चरण में मात दी

नई दिल्ली। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के ग्रूटबोस प्राइवेट नेचर रिजर्व में जारी फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम फाइनल्स में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को राउंड-रॉबिन चरण में मात दी। यह मुकाबला सोमवार को खेला गया। सात राउंड के बाद अर्जुन एरिगैसी ने 4.5 अंक जुटाए और तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया। जावोखिर सिंदारोव 5.5 अंकों के साथ शीर्ष पर रहे, जबकि लेवॉन एरोनियन ने 5 अंकों के साथ दूसरा स्थान पाया। ग्रुप स्टेज के शीर्ष तीन खिलाड़ियों को क्वार्टरफाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी चुनने का अधिकार मिला। इस अधिकार के साथ सिंदारोव ने सबसे पहले चयन किया। नॉकआउट चरण में अर्जुन एरिगैसी का सामना जर्मनी के विंसेंट कीमर से होगा, जबकि कार्लसन का मुकाबला फैबियानो करूआना से तय हुआ है। यह प्रतियोगिता सालभर चलने वाले फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम टूर की पांचवीं कड़ी है, जिसके पहले चरण जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका में आयोजित हो चुके हैं। फाइनल्स के विजेता को 2025 फ्रीस्टाइल चेस चैंपियन का खिताब मिलेगा। हालांकि, टूर स्टैंडिंग्स में मैग्नस कार्लसन अब भी शीर्ष पर हैं।

यदि वे फाइनल्स में चौथे स्थान पर भी रहते हैं, तो पूरे टूर के विजेता बनना उनके लिए सुनिश्चित हो जाएगा, जिसके साथ एक लाख डॉलर का बोनस पुरस्कार जुड़ा है।

क्वार्टरफाइनल मुकाबले: जावोखिर सिंदारोव बनाम परहम मगसूदलू, लेवॉन एरोनियन बनाम हंस नीमन अर्जुन एरिगैसी बनाम विंसेंट कीमर, मैग्नस कार्लसन बनाम फैबियानो करूआना

मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा जयंती पर होगा पांच दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट

संवाददाता

रांची। केंद्रीय सरना समिति की ओर से मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर आयोजित होने वाली पांच दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का औपचारिक ऐलान किया गया। केन्द्रीय सरना समिति अध्यक्ष बबलु मुंडा ने बताया कि टूर्नामेंट के लिए रजिस्ट्रेशन 9 दिसंबर 2025 से 28 दिसंबर 2025 तक किया जाएगा। प्रतिभागी टीमों के लिए पंजीकरण शुल्क 25,000 रुपए निर्धारित है। टूर्नामेंट 3 जनवरी 2026 से 7 जनवरी 2026 तक खेला जाएगा। हर दिन तीन मैच कराए जाएंगे, जबकि प्रत्येक मैच की अवधि 25 मिनट होगी। बेहतर प्रदर्शन करने वाले, खिलाड़ियों को भी व्यक्तिगत पुरस्कार दिए जाएंगे। डॉ. श्याम प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय फुटबॉल मैदान मे मैच निर्धारित किए गए हैं। मैच में भाग लेने वाले सभी *खिलाड़ियों को आधे घंटे पहले खेल के लिए तैयार रहने के लिए ऐलान किया है, विदेश के तीन खिलाड़ियों को ही मैच में खेलाया जाएगा।

जगलाल पाहन ने कहा कि फुटबॉल सिर्फ खेल नहीं बल्कि खिलाड़ियों को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाने वाला माध्यम है। उन्होंने याद दिलाया कि जयपाल सिंह मुंडा न सिर्फ एक महान खिलाड़ी थे, बल्कि झारखंड राज्य आंदोलन की मजबूत आवाज भी थे। उन्हीं की स्मृति में यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सरना समिति के बबलु मुंडा, प्रधान महासचिव अशोक मुंडा, मुख्य पहान जगलाल पाहन, शोभा कच्छप, महादेव , सुशांत, सुरेन्द्र, अमर, सुनील, प्रकाश मंडा, रमेश, अविनाश , गणपत मुंडा, राकेश, संदीप मंडल, अनमोल, मुकेश, राजन मुंडा, शिवधन मुंडा, आशीष मुंडा, आदि उपस्थित थे।

पुरस्कार राशि इस प्रकार निर्धारित की गई है

प्रथम पुरस्कार : 3 लाख रुपए
द्वितीय पुरस्कार : 2 लाख रुपए
तृतीय पुरस्कार : 41 हजार रुपए
चतुर्थ पुरस्कार : 41 हजार रुपए

व्यापार

आईआईटी-आईएसएम धनबाद के शताब्दी वर्ष समारोह में अडाणी ने छात्रों से देश की चुनौतियों पर चर्चा की

3 एस माइनिंग एक्सलेंस सेंटर और छात्रों को पेड इंटर्नशिप की घोषणा

नई दिल्ली। एजेंसी

आईआईटी-आईएसएम धनबाद के शताब्दी वर्ष समारोह में देश के जाने-माने उद्योगपति और अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी मंगलवार को शामिल हुए। उन्होंने यहां आईआईटी-आईएसएम धनबाद के छात्रों के लिए पेड इंटर्नशिप और 3एस माइनिंग एक्सलेंस सेंटर की स्थापना की घोषणा की। अडाणी ने इस अवसर पर देश की चुनौतियों और उसके समाधान पर भी चर्चा की। अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी जब शताब्दी समारोह में पहुंचे, तो पूरा ऑडिटोरियम जोश और गर्व से भर गया। हर चेहरा उत्साहित था, हर आंखों में भविष्य के सपनों की चमक थी। छात्रों की आंखों में चमक थी, मानो वे अपने

सपनों को साकार होते देख रहे हों। शिक्षकों के चेहरे पर गर्व की मुस्कान थी, और अतिथि भी इस ऐतिहासिक पल का हिस्सा बनने पर खुद को भाग्यशाली मान रहे थे। ऑडिटोरियम में तालियों की गूंज थी, मानो हर कोई इस विचार से सहमत हो कि भारत की असली ताकत उसकी मिट्टी में छुपी है। गौतम अडाणी ने अपने संबोधन की शुरूआत धनबाद की इस ज्ञानभूमि को प्रणाम करते हुए की। उन्होंने कहा कि अगर भारत को अपनी तकदीर संवारनी है, तो उसे अपनी धरती की ताकत को समझना होगा।

गौतम अदाणी ने बताया कि सौ साल पहले जब भारत ब्रिटिश शासन के अधीन था, तब भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस संस्थान की स्थापना की सिफारिश की थी। उनका कहना था कि एक राष्ट्र तभी महान बनता है, जब वह अपनी धरती की भाषा सीख लेता है। उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा सदियों पुरानी है और आईआईटी-आईएसएम धनबाद उसी परंपरा का आधुनिक रूप है।

गौतम अडाणी ने छात्रों को याद दिलाया कि इतिहास को भूलना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि जो तुम बनोगे, वही हमारा भारत बनेगा। अदाणी ने दुनिया में चल रहे 'नैरेटिव कॉलोनाइजेशन' की चर्चा की। उन्होंने कहा कि जो कहानी हम नहीं लिखेंगे, वो हमारे खिलाफ लिखी जाएगी। उन्होंने छात्रों को चुनौती दी कि वे ऐसे मॉडल बनाएं जो भारत की ऊर्जा गरिमा को सही मायनों में दशाएं। गौतम अडाणी ने इस मौके पर नए भारत की तस्वीर खींची। उन्होंने इसके लिए ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े डाटा के श्रोताओं के सामने रखा।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स 436 अंक लुढका

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पूर्व निवेशकों के मुनाफावसूली की वजह से मंगलवार को लगातार दूसरे दिन घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 436.41 अंक यानी 0.51 फीसदी लुढककर 84,666.28 अंक पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 120.90 अंक यानी 0.47 फीसदी टूटकर 25,839.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 22 शेयर में गिरावट और 8 शेयरों में तेजी रही। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 719.73 अंक लुढ़ककर 84,382.96 पर आ गया था। बड़े निजी बैंकों, तेल और आईटी शेयरों में भी उल्लेखनीय गिरावट आई। कारोबार के दौरान एक समय यह 232.55 अंक गिरकर 25,728 के स्तर तक आ गया था। सेंसेक्स के शेयरों में एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स में गिरावट हुई।

रिटेल निवेशकों को निफ्टी 50 इंडेक्स से जुड़े भारतीय शेयर बाजार में निवेश के अवसर दे रहा स्बेरबैंक

संवाददाता

रांची। रूस के सबसे बड़े बैंक स्बेरबैंक और जेएससी फर्स्ट एसेट मैनेजमेंट ने एक नया म्यूचुअल फंड 'फर्स्ट-इंडिया' लॉन्च किया है। यह फंड भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रमुख इंडेक्स निफ्टी50 (एनएसईआई) पर आधारित है, जिसमें देश की टॉप 50 कंपनियों के शेयर्स शामिल होते हैं। इस फंड के जरिए रूस के रिटेल निवेशकों को भारत के शेयर बाजार में प्रत्यक्ष हिस्सेदारी का मौका मिलेगा। यह लॉन्च एनएसई में आयोजित एक कार्यक्रम में स्बेरबैंक के सीईओ और एग्जीक्यूटिव बोर्ड के चेयरमैन हरमन ग्रेफ द्वारा उनकी भारत यात्रा के दौरान किया गया।

निफ्टी50 दुनिया भर के बाजार निवेशकों में सबसे ज्यादा देखे जाने वाले इक्विटी इंडेक्स में से

एक है। इसमें एनएसई में सूचीबद्ध 50 बड़ी और बेहद सक्रिय कंपनियों के शेयर्स शामिल हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के 15 अलग-अलग सेक्टर्स का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत में निफ्टी50 को ट्रैक करने वाले 45 से ज्यादा पैसिव फंड्स मौजूद हैं, जबकि भारत के बाहर ऐसे 22 पैसिव फंड्स ही चलते हैं। निफ्टी50 इंडेक्स साल 1996 में शुरू हुआ था और 22 अप्रैल, 2026 को इसके 30 साल पूर्ण हो जाएँगे। अशीष कुमार चौहान, एमडी और सीईओ, एनएसई, ने कहा ₹हमें खुशी है कि हम स्बेरबैंक को निफ्टी50 से जुड़े इन्वेस्टमेंट सॉल्यूशन्स लॉन्च करने में सहयोग दे रहे हैं, जो पूँजी के प्रवाह को मजबूत करेंगे और रूस के निवेशकों के लिए भारत की इक्विटी ग्रोथ को एक भरोसेमंद बेंचमार्क के जरिए खोलेंगे। यह पहल भारत के बाजारों में मजबूत विश्वास को दर्शाती है और भारत एवं रूस की वित्तीय साझेदारी को और गहरा बनाती है।

एनएसई स्बेरबैंक के साथ मिलकर बाजार कनेक्टिविटी बढ़ाने, नियमों और निवेशक-सुरक्षा मानकों को बनाए रखने और इन प्रोडक्ट्स के लिए लिक्विडिटी व पारदर्शिता तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि दोनों देशों के निवेशकों को नए अवसर मिल सकें।

संक्षिप्त खबरें

धर्म को संविधान से ऊपर मानने वाली जमात को समझायें राहुल गांधी : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी को संविधान का महत्व उस जमात को समझाना चाहिए, जो अपने धर्म को संविधान से ऊपर मानती है। ऐसा वह डंके की चोट पर कहती है। उप मुख्यमंत्री ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर लिखा कि इसी जमात के बल पर ही कांग्रेस ने दशकों तक देश पर शासन किया है। मतदाता सूची के शुद्धिकरण के कारण कांग्रेस और लठैतवादी दल परेशान हैं।

वाराणसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता सूची में त्रुटियां : सुधीर मिश्रा

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुधीर मिश्रा ने बताया कि वाराणसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची के प्रकाशन के पश्चात जब कार्यकर्ताओं ने अपना नाम खोजना चाहा तो प्रयास के बाद भी नाम नहीं मिल रहे थे। बाद में पता चला कि बंगाली टोला में जमा फार्म कहीं और चला गया है तो गोपी राधा में जमा फार्म का नाम विपिन बिहारी में चला गया है। इतनी बड़ी लापरवाही सामने आई है। सुधीर मिश्रा ने बताया कि इतनी घोर लापरवाही तब है, जब इस चुनाव के मतदाता सूची बनवाने की जिम्मेदारी कमिश्नर, जिलाधिकारी, एसडीएम के साथ दर्जनों राजपत्रित अधिकारी और सैकड़ों कर्मचारियों के साथ महीनों से लगे हैं। अभी भी समय है, इसमें सुधार की आवश्यकता है।

तैराकी के एनआईएस कोच की सड़क हादसे में मौत

झज्जर। जिला के बहादुरगढ़ में बालौर के निकट बाईपास रोड पर सोमवार देर रात कार की चपेट में आने से स्कूटी सवार तैराकी कोच की मौत हो गई। वह एचएल सिटी स्थित स्विमिंग पूल में तैराकों को प्रशिक्षण देने के लिए एचएल सिटी आ रहे थे। वह दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग में तैराकी कोच के तौर पर कार्यरत थे। उनकी आयु करीब 32 साल थी। हादसे की जानकारी मिलने पर बहादुरगढ़ सदर पुलिस घटनास्थल पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ के शव गृह में भिजवाया गया और मृतक तैराकी कोच नवनीत खत्री के परिजनों को सूचित किया गया। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जरूरी कार्रवाई शुरू कर दी है।

अनियंत्रित होकर कार पलटी, दो की मौत

बिलासपुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बीती देर रात एक तेज रफ़्तार कार के अनियंत्रित होकर पलटने से दो छात्रों की मौत हो गई है, जबकि चार साथी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जिन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बिलासपुर के कोनी थाना से मिली जानकारी के अनुसार बीती देर रात सक्ती जिले के डभरा क्षेत्र के खरकेना निवासी ईशु रत्नाकर (26 वर्ष) बिलासपुर में रहकर पीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। बीती रात वह अपने दोस्तों भास्कर राजपूत (22 वर्ष) निवासी जैतपुरी बेमेतरा, अभिषेक बघेल, शेखर चंद्रवंशी, दिशु रत्नाकर और श्याम सिंह राजपूत के साथ कार क्रमांक ओडी 15 एम 4400 से रतनपुर रोड की ओर खाना खाने जा रहा था।

170 ग्राम हेरोइन तथा तेजधार हथियार के साथ एक महिला समेत तीन लोग गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू के बाहरी क्षेत्र आरएस पुरा में आज नाके के दौरान पुलिस ने एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 170 ग्राम हेरोइन तथा तेजधार हथियार भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार आज सुबह दलजीत चौक आरएस पुरा में पुलिस ने नाका स्थापित किया था, तभी उन्होंने सामने से आ रहे फार्च्यूनर वाहन जिसमें तीन लोग सवार थे को रूकने का इशारा किया लेकिन वाहन चालक ने वाहन को मौके से भगाने का प्रयास किया।

बाइक साइन बोर्ड से टकराई, एक की मौत

झुंझुनू। झुंझुनू जिले के मंडावा रोड पर सोमवार रात को हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जावेद (26) पुत्र इस्माइल, फतेहपुर के वार्ड 18 का रहने वाला था और झुंझुनूं में एक शादी समारोह में शामिल होने आया था। हादसा वापस लौटते समय तेतरा गांव के पास हुआ। पुलिस के अनुसार जावेद की बाइक अचानक बेकाबू हो गई और सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड के लोहे के पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि जावेद को सिर और शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं और उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के समय बाइक पर जावेद के साथ एक अन्य युवक भी सवार था। उसे ज्यादा चोटें नहीं आईं और उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही मंडावा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। दुर्घटना के बाद मृतक के परिजन सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग अस्पताल पहुंच गए।

सीएम डॉ. यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में बुंदेलखंड के विकास पर रहा विशेष फोकस

'मसवासी ग्रंट' के लिए औद्योगिक प्रोत्साहन पैकेज को दी मंजूरी

भोपाल। एजेंसी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में बुंदेलखंड के औद्योगिक विकास और रोजगार संपन्न बनाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, सड़कों के निर्माण सहित नौरादेही अभ्यारण्य में चीता के रहवास के लिए विकास कार्यों को स्वीकृति जैसे अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मंत्रि-परिषद के सदस्यों ने बुंदेलखंड के विकास पर केंद्रित विकास के महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने पर करतल ध्वनि से स्वागत किया गया। बैठक में छतरपुर और दमोह के मेडिकल कालेजों में पदों की स्वीकृति सहित शासकीय

चिकित्सालयों के उन्नयन और नवीन पदों के सृजन को भी स्वीकृति दी गई।

मंत्रि-परिषद ने बुंदेलखंड क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सागर के औद्योगिक क्षेत्र 'मसवासी ग्रंट' के लिए एक विशेष औद्योगिक प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दी। स्वीकृति अनुसार भूमि प्रब्याजी और वार्षिक भू-भाटक की दर केवल एक रुपये प्रति वर्गमीटर निर्धारित की है। इसके अतिरिक्त, विकास शुल्क चुकाने के लिए 20 समान वार्षिक किश्तों की सुविधा दी गई है और संधारण शुल्क 8 रुपये प्रति वर्गमीटर वार्षिक तय किया गया है। निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए स्टाम्प और पंजीयन शुल्क में 100% प्रतिपूर्ति की स्वीकृति दी गई है। साथ ही, इकाइयों को वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की तारीख से पांच वर्षों तक विद्युत शुल्क में छूट दी गई है।

वित्तीय सहायता पैकेज के तहत वृहद श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों पर उद्योग संवर्धन नीति 2025 और निवेश प्रोत्साहन योजना 2025 के नियम लागू होंगे, जबकि एमएसएमई (टरटए) इकाइयों के लिए एमएसएमई विकास नीति-2025 और एमएसएमई प्रोत्साहन योजना-2025 के प्रावधान प्रभावी होंगे। सीमेंट निर्माण इकाइयों को इस विशेष वित्तीय सहायता पैकेज का लाभ नहीं मिलेगा। यह विशेष पैकेज आगामी पांच वर्षों के लिए प्रभावशील रहेगा।

दमोह, छतरपुर और बुधनी मेडिकल कॉलेज के लिए नियमित और आउटसोर्स पदों की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय दमोह, छतरपुर और बुधनी के संचालन के लिए 990 नियमित और 615 आउटसोर्स पदों की स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार प्रत्येक चिकित्सा महाविद्यालय में 330 नियमित पद सृजन और 205 व्यक्तियों को आउटसोर्स पर नियोजित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

मंत्रि-परिषद द्वारा सागर में वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व नौरादेही को चीतों के तीसरे रहवास के रूप में विकसित करने के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है। उल्लखेनीय है कि सितंबर 2022 में कुनो राष्ट्रीय उद्यान श्योपुर में पहला और अप्रैल 2025 में गांधी सागर अभयारण्य मंदसौर में दूसरा चीता रहवास प्रारंभ किया गया है।

सागर से दमोह 76 किलोमीटर फोरलेन मार्ग निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा सागर-दमोह मार्ग, लंबाई 76.680 किमी 4-लेन मय पेव्ह्ड शोल्डर के साथ हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (ह्लअट) के अंतर्गत उन्नयन एवं निर्माण के लिए परियोजना वित्तीय लागत 2,059 करोड़ 85 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई। स्वीकृति अनुसार लागत का 40% हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल के अंतर्गत मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा राज्य राजमार्ग निधि से जीएसटी सहित वहन किया जाएगा। शेष 60% राशि का प्रावधान संचालन अवधि में 15 वर्षों तक 6 माही एन्युटी के रूप में राज्य बजट के माध्यम से किया जाएगा। इसके अतिरिक्त भू अर्जन एवं अन्य कार्यों के लिए 323 करोड़ 41 लाख रुपए का भुगतान भी राज्य बजट से किया जाएगा। परियोजना अंतर्गत 13 अंडरपास, 3 वृहद पुल, 9 मध्यम पुल, एक आरओबी, 13 वृहद जंक्शन और 42 मध्यम जंक्शन का निर्माण किया जायेगा।

कांगो के राष्ट्रपति ने रवांडा पर शांति समझौते के उल्लंघन का लगाया आरोप

किंशासा। एजेंसी

कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) के राष्ट्रपति फेलिक्स त्शिसेकेदी ने सोमवार को रवांडा पर हाल ही में हुए शांति समझौते का उल्लंघन करने का गंभीर आरोप लगाया है। यह आरोप ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ ही दिन पहले त्शिसेकेदी ने वॉशिंगटन में एक समारोह में भाग लेकर उन समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे, जिनका उद्देश्य कांगो के खनिज-समृद्ध पूर्वी क्षेत्र में चल रहे वर्षों पुराने संघर्ष को समाप्त करना था। राष्ट्रपति ने यह बयान संसद को संबोधित करते हुए दिया। रवांडा की ओर से इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

एम23 की बढ़ती गतिविधियों ने बढ़ाई तनावपूर्ण स्थिति

अमेरिका और कतर की मध्यस्थता में पिछले महीनों में कांगो, रवांडा और एम23 विद्रोही गुट के बीच कई शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसके बावजूद क्षेत्र में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। सप्ताहांत में

रवांडा समर्थित बताए जा रहे एम23 विद्रोहियों ने बुरुंडी सीमा के पास स्थित लुवुंगी गांव पर कब्जा कर लिया। दो स्थानीय निवासियों ने स्थानीय मीडिय से इसकी पुष्टि की और विद्रोहियों की बैठक का एक वीडियो भी साझा किया। हालांकि, रवांडा इन विद्रोहियों को समर्थन देने से लगातार इनकार करता रहा है।

36 लोगों की मौत, स्थिति और बिगड़ने की आशंका

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, लुवुंगी से पीछे हटते कुछ कांगोली सैनिकों की पास के शहर सांगे में स्थानीय वाजालेंदो रक्षा बलों के साथ झड़प हो गई। रविवार को सांगे में बमबारी या ग्रेनेड हमले की रिपोर्ट मिली, जिसमें कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई। एक नागरिक संगठन द्वारा साझा की गई तस्वीरों में रंगीन गैर-सैन्य कपड़ों में खून से लथपथ कई शव दिखे। इनमें दो बच्चे भी शामिल बताए गए। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमला किस पक्ष ने किया और किस प्रकार के हथियार का इस्तेमाल हुआ। कांगो की सेना और एम23 दोनों ने इस मामले पर कोई टिप्पणी करने से इनकार किया है।

समझौते के बावजूद बढ़ रहा अविश्वास

पिछले सप्ताह दोनों देशों कांगो और रवांडा ने जून में किए गए अमेरिका-समर्थित शांति समझौते को दोहराया था और वॉशिंगटन में नए समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए थे। इसके बावजूद ताजा घटनाओं ने क्षेत्र में स्थिरता लाने के प्रयासों पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। पूर्वी कांगो में लंबे समय से जारी संघर्ष और ताजा हिंसा से यह स्पष्ट है कि शांति प्रक्रिया अब भी बेहद नाजुक स्थिति में है।

गांधी-नेहरू परिवार आज भी राजा की तरह करता है व्यवहार : ब्रजेश

रायबरेली। एजेंसी

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गांधी परिवार पर जमकर हमला किया। मंगलवार को रायबरेली में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे ब्रजेश पाठक ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि नेहरू-गांधी परिवार राजा की तरह व्यवहार करता है और अब भी खुद को सत्ता में मानता है। पाठक ने संसद में दिए प्रियंका गांधी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी का दिया बयान यह बताता है कि गांधी परिवार आज भी अपने आपको सत्ता में मानता है। इसलिए ही वे राजा की तरह व्यवहार करते हैं। ब्रजेश पाठक ने कहा कि देश में बंटवारे की जिम्मेदार नेहरू-गांधी परिवार ही है। उन्होंने दावा किया कि अब जनता ने गांधी परिवार को नकार दिया है।

मीडिया के कफ सिरप मामले के सवाल पर उप मुख्यमंत्री पाठक ने कहा कि कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा। सरकार इस मामले पर अपनी नजर बनाए हुए है। इससे पूर्व जनपद आगमन पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भाजपा कार्यालय अटल भवन में संगठनात्मक कार्यों के साथ एसआईआर अभियान की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विपक्षी दल इसलिए परेशान है कि अवैध घुसपैठियों का नाम कट रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी घुसपैठिया मतदाता सूची में न रहे, यह हमारी प्राथमिकता है।

गुलदार के हमले से एक व्यक्ति की मौत

चंपावत। चम्पावत जिले के बराकोट विकासखंड स्थित ग्राम सभा चुयरानी के धरगड़ा तोक में मंगलवार सुबह गुलदार के हमले में एक ग्रामीण की मौत हो गई। इस घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गई है। मृतक की पहचान धरगड़ा तोक, चुयरानी निवासी कल्याण सिंह अधिकारी के पुत्र देव सिंह अधिकारी के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, देव सिंह सुबह घर से कुछ दूरी पर शौच के लिए गए थे। इसी दौरान गुलदार ने अचानक उन पर हमला कर दिया। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई। देव सिंह अधिकारी अपने पीछे 9 और 10 वर्ष के दो नाबालिग बेटों को छोड़ गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए। ग्रामीणों ने वन विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और बताया कि पिछले एक महीने के भीतर क्षेत्र में गुलदार के हमले से दूसरी मौत है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि सोमवार शाम को गुलदार ने मृतक की पत्नी पर भी हमला करने का प्रयास किया था। ग्रामीणों ने क्षेत्र में वन विभाग की गश्त बढ़ाने और सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू करने की भी मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

प्लाट दिलवाने के नाम पर लाखों की धोखाधड़ी का मामला, दो युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। ट्राइडेंट हिल्स, पंचकूला में प्लॉट दिलवाने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी के मामले में कार्रवाई करते हुए इकोनोमिक सेल फतेहाबाद ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुनील कुमार उर्फ संजू पुत्र शमशेर सिंह निवासी हरसौला, थाना तितरम, जिला कैथल तथा राधाकृष्ण उर्फ राधु पुत्र गुरदयाल सिंह निवासी अमरावती एंक्लेव, कलका रोड, पंचकूला के रूप में हुई है। मंगलवार को इकोनोमिक सेल फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक संदीप सिंह ने बताया कि पीड़ित राजबीर सिंह निवासी कन्हड़ी द्वारा शिकायत दर्ज करवाई गई थी कि आरोपियों ने ट्राइडेंट हिल्स, पंचकूला में प्लॉट दिलवाने के नाम पर विभिन्न तिथियों में बैंक स्थानांतरण यानि आरटीजीएस और नकद के माध्यम से कुल 73 लाख रुपये की राशि हड़प ली। आरोपियों ने आपस में मिलीभगत कर झूठे आश्वासन, फर्जी बुकिंग और गलत जानकारी देकर पीड़ित को गुमराह किया।

मुख्यमंत्री योगी के दौरे पर बरेली में बड़ा ट्रैफिक बदलाव

बरेली। एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य वीवीआईपी के बरेली आगमन के मद्देनजर शहर में ट्रैफिक पुलिस ने दो दिन का बड़ा बंदोबस्त लागू कर दिया है। इसलिए बुधवार सुबह 7 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक (11 दिसंबर) भारी वाहनों की शहर में पूरी तरह नो एंट्री रहेगी। एसपी ट्रैफिक मो. अकमल खान ने एडवाइजरी जारी कर सभी मार्गों पर सख्त डायवर्जन लागू करने के निर्देश दिए हैं। शहर के मुख्य प्रवेश मार्ग-परसाखेड़ा रोड नंबर-01, विल्वा पुल, लालपुर कट, विलयधाम, नवदिया झाड़ा, ट्रांसपोर्ट नगर, रामगंगा तिराहा और बुखारा मोड़ पर भारी वाहनों को रोकने के लिए कड़ी नाकेबंदी की जा रही है। बताया गया कि किसी भी वाहन को शहर की तरफ प्रवेश नहीं दिया जाएगा और थाना प्रभारियों को पर्याप्त पुलिस

बल तैनात रखने के निर्देश हैं।

दिल्ली और रामपुर से आने वाले भारी वाहन एवं रोडवेज बसें, जिन्हें बदायूं जाना है, उन्हें झुमका तिराहा से बड़े बाईपास होते हुए विल्वा, विलयधाम, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी, दातागंज व देवचरा के रास्ते निकाला जाएगा। वहीं लखनऊ की दिशा में जाने वाले वाहनों को भी इसी बाईपास मार्ग से गुजरना होगा।

लखनऊ से दिल्ली जाने वाले भारी वाहन फरीदपुर और इन्वर्टिस तिराहे से बड़े बाईपास पर चढ़ाकर भेजे जाएंगे। नैनीताल व पीलीभीत से बदायूं जाने वाले भारी वाहनों को भी शहर में घुसने की बजाय वैकल्पिक मार्ग से सीधे निकाला जाएगा।

प्रदेश में 24 लाख परिवारों को पीएम आवास मिला है: अरुण साव

सुचारू रूप से चल रही धान खरीदी, समस्याओं का हो रहा समाधान

रायपुर। एजेंसी

छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार जनहित में कार्य करने वाली सरकार है। कोई नीति में उन्हें तकलीफ है तो उस पर निर्णय लेने का काम सरकार करती है। प्रदेश में धान खरीद सुचारू रूप से चल रही है। पांच साल जनता को ठगने वाली कांग्रेस भ्रम फैला रही है। यह बात उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज मंगलवार को नवा रायपुर निवास कार्यालय में पत्रकारों से कही। साव ने कहा कि, राज्य सरकार ने किसानों से धान खरीद की पुख्ता व्यवस्था की है। जैसे-जैसे धान की आवक हो रही है। सरकार उसकी व्यवस्था सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि, किसानों का निर्धारित धान, एक एक दाना सरकार खरीदेगी। इसके लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी को इस विषय

पर चिंता करने की जरूरत नहीं है। जो कहा है, वह करेंगे।

साव ने कहा कि, कांग्रेस शुरू से ही किसानों में भ्रम फैलाने का काम कर रही है। किसानों से झूठ बोलकर भड़काने की कोशिश की है। जबकि प्रदेश में सुचारू रूप से धान खरीदी चल रही है। जहां भी दिक्कत आ रही है, सरकार उसके समाधान के लिए त्वरित कार्यवाही कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि, साय सरकार जनहित में कार्य करने वाली सरकार है। जनता को कोई तकलीफ आएगी तो उसे दूर करने की सरकार की जवाबदारी होती है। कोई नीति और योजना में वास्तव में तकलीफ है तो उसे दूर करने का काम कल्याणकारी सरकार का होता है। ये कांग्रेस की तरह जनता को ठगने और लूटने वाली सरकार नहीं है। ये विष्णु साय की सुशासन सरकार है। जनहित में जो भी निर्णय करना पड़ेगा तो करते हैं।

साव ने कहा कि, प्रदेश में 24 लाख परिवारों को पीएम आवास मिला है। इतने लाखों परिवारों को कांग्रेस ने आवास से वंचित रखा था। बहुत बड़ा अन्याय गरीब परिवारों के साथ किया था। माताओं बहनों को 500, रुपये देने का वादा कर नहीं दिया। धोखेबाजी कर ठगने का काम किया। हमने 23 महीने की सरकार में 22 किस्त दे चुके है।

कार्यक्रम टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत किया जनभागीदारी कार्यक्रम का आयोजन

विवि की राष्ट्रीय सेवा योजना की अक्षय रोग निवारण के लिए सराहनीय पहल : प्रो. नरसी

- विश्वविद्यालय ने निक्षय मित्र योजना के तहत लिया 48 अक्षय रोगियों को गोद

हिसार। एजेंसी

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिए गांव देवा, सातरोड़ कलां, बहबलपुर व नंगथला के अक्षय रोग से पीड़ित रोगियों के लिए विशेष राशन वितरण का आयोजन किया गया। राशन वितरण का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने हरी झंडी दिखाकर किया। कुलपति ने मंगलवार को स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा

योजना की यह पहल अक्षय रोग निवारण के लिए एक सराहनीय कदम है। 2022 में शुरू किए गए टीबी मुक्त भारत अभियान का लक्ष्य देश से टीबी (तपेदिक) को खत्म करना है। इस प्रकार के कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी से टीबी रोगियों को पोषण, निदान और व्यावसायिक सहायता प्राप्त होती है। सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से रोगियों की देखभाल और उपचार परिणामों में सुधार को बढ़ावा मिलता है। इस अभियान के तहत व्यक्तियों और संगठनों द्वारा टीबी रोगियों को गोद लेकर सहायता (पोषण किट, व्यावसायिक प्रशिक्षण) प्रदान करना एवं निक्षय पोषण योजना के तहत इलाज के दौरान हर महीने पोषण सहायता (लगभग 500रू) प्रदान करना आदि शामिल हैं। कुलसचिव डॉ विजय कुमार ने कहा कि अक्षय रोगियों को गोद लेकर जन-भागीदारी के कार्यक्रम से टीबी के खिलाफ लड़ाई में गति मिलेगी। देश टीबी मुक्त बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर होगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों की चार टीमें बनाई गई है जो गोद लिए गांव में जाकर अक्षय रोग से पीड़ित रोगियों के लिए विशेष सामग्री का वितरण सामान्य हस्पताल हिसार के अधिकारियों के दिशा निर्देश में करेंगे। एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. महावीर प्रसाद ने बताया टीवी मुक्त भारत अभियान के तहत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसमें ऑनलाइन पोर्टल पर भी रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। कोई भी व्यक्ति अथवा संस्था पोर्टल पर पंजीकरण करवा के अक्षय रोगियों को ऑप्ट कर सकते हैं ।यह अभियान निक्षय डिजिटल पोर्टल के माध्यम से सामुदायिक समर्थन के लिए भी एक मंच प्रदान करता है। यह अभियान टीबी रोगी पोषण के लिए दुनिया की सबसे बड़ी क्राउड-सोर्सिंग पहलों में से एक है।

जिसमें रोगी को मोरल स्पोर्ट के साथ- साथ फाइनेंशियल सपोर्ट भी मिलती है और उनको मुख्य धारा से जोड़कर जीवन यापन करने में मदद भी मिलती है। इस अवसर पर डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. मुकेश शर्मा, एनएसएस प्रोग्राम अधिकारी डॉ. विकास जांगड़ा, डॉ. सुनीता रानी, डॉ. सुमित कुमार, टीबी हॉस्पिटल हिसार से टीबी स्पेशलिस्ट डॉ. विनोद गोयल व मनदीप मलिक काउंसलर, रेड क्रॉस के फील्ड कोऑर्डिनेटर सुरेंद्र श्योराण, लिपिक दलबीर, नरेश एवं 30 एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

खैरागढ़ : 107 पंचायतों में मनरेगा जानकारी अब क्यूआर कोड पर

खैरागढ़। एजेंसी

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले के छुईखदान विकासखंड की सभी 107 ग्राम पंचायतों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निदेर्शानुसार प्रत्येक माह की 7 तारीख को मनरेगा आधारित रोजगार दिवस का आयोजन किया जा रहा है। वनांचल से मैदानी पंचायतों तक आयोजित हो रहे इन शिविरों में मनरेगा से जुड़े दिशा-निदेर्शों, प्रक्रियाओं और अधिकारों की विस्तृत जानकारी ग्रामीणों तथा जॉब कार्डधारियों को दी जा रही है। रोजगार सहायक मौके पर ही मनरेगा में संधारित सात रजिस्टर व वर्क/केस फाइल प्रस्तुत करते हैं, साथ ही जॉब कार्ड प्रविष्टियों को अद्यतन कर यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रत्येक श्रमिक तक तथ्यात्मक एवं पारदर्शी जानकारी पहुंचे। ग्रामीणों को नए परिवारों का पंजीयन, जॉब कार्ड में सदस्यों के नाम जोड़ने, अपूर्ण आवासों की पूर्णता, मातृत्व भत्ता, क्षतिपूर्ति सहित विभिन्न लाभों के बारे में भी स्पष्ट रूप से बताया जा रहा है। छुईखदान विकासखंड के अधिकारियों ने आज मंगलवार को बताया कि इस वर्ष रोजगार दिवस की विशेष पहल के रूप में क्यूआर कोड आधारित सूचना प्रणाली को जोड़ा गया है। अब कोई भी व्यक्ति अपने मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर मनरेगा योजना से संबंधित संपूर्ण जानकारी-जैसे पिछले वर्षों के श्रमिक बजट, स्वीकृत कार्य, लागत, व्यय और प्रगति-एक ही स्थान पर देख सकता है।

आसान और लाभकारी बिजनेस है मत्स्य पालन

कॅरियर के हैं भरपूर अवसर

2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डालें।

भारत भर में मत्स्य पालन एक जाना पहचाना व्यवसाय रहा है। कृषि से इसको जोड़कर जरूर देखा जाता रहा है, किंतु हकीकत में यह काफी उन्नत और लाभकारी व्यवसाय है। वर्तमान में कोरोनावायरस के कारण बड़ी संख्या में गांवों की ओर लोगों का पलायन हुआ है। कई लोगों को रोजगार की समस्या भी उत्पन्न हुई है, क्योंकि जमे जमाए व्यवसाय या फिर शहर में करने वाली नौकरी छूटने के बाद लोग गांव की ओर लौटे हैं। गांव में चूंकि अधिकतर लोगों के पास कम-अधिक जमीन होती ही है और ऐसी स्थिति में मत्स्य पालन उन सबके लिए एक लाभकारी व्यवसाय हो सकता है।

तालाब को ठीक से करें तैयार

अक्सर लोग किसी तालाब की खुदाई के बाद तुरंत ही मछली के बीज डाल देते हैं, लेकिन यह ठीक मेथड नहीं है। सबसे पहले तालाब की सफाई करने के बाद उसमें 200 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से चूने का छिड़काव जरूरी है। इसके अलावा महुए की खली और ब्लीचिंग पाउडर डालने से भी मछली पालन के लिए तालाब बेहतर कंडीशन में तैयार हो जाता है। यह सारा कार्य आप ठंड के मौसम में ही कर ले, ताकि ठंड का मौसम बीतते-बीतते मछली का बच्चा डालने योग्य आप का तालाब तैयार हो जाए। साथ ही तालाब में ढैंचा नामक घास भी बोया जाता है, ताकि बाद में यह खाद बन जाए और मछली पालन के लिए उपयुक्त रहे। यह तकरीबन 40 किलो प्रति हेक्टेयर के हिसाब से तालाब में बोया जाता है। साथ ही गोबर की खाद डालने से भी वनस्पति जल्दी उग जाती है। अगर समय पर तालाब में अच्छी घास नहीं होती है तो गोबर के साथ सुपर फास्फेट और यूरिया का घोल तालाब में डालना लाभकारी हो सकता है। हालांकि मछली का बीज डालने से काफी पहले ही यह कार्य करना चाहिए। मछली का बीज डालने के बाद खाद डालना खतरनाक हो सकता है। उपरोक्त कार्य करने के कम से कम 1 महीने बाद ही तालाब में पानी भरकर, ठंड का मौसम बीतने के बाद मछली का बीज डाले। साथ ही तालाब के पानी की गुणवत्ता और उस में ऑक्सीजन की ठीक मात्रा हो, इसके प्रति अतिरिक्त सजगता आवश्यक है।

मछलियों की ब्रीड पर खास ध्यान दें

अगर आपका तालाब ठीक ढंग से तैयार हो गया है, किंतु मछलियों के बीज आप सही ढंग से नहीं डालते हैं, तो आपके लिए यह लाभकारी नहीं रहेगा। मुख्य रूप से देशी और विदेशी ब्रीड की मछलियां लोग डालते हैं। इसमें देसी में रोहू, कतला, मृगल इत्यादि प्रचलित प्रजातियां हैं, तो विदेशियों में सिल्वर कॉर्प, ग्रास कार्प इत्यादि प्रमुख हैं। कई लोग जब बाहर से मछली लेकर आते हैं तो उसे एक दो परसेंट नमक के घोल में कुछ देरी के लिए रखते हैं, ताकि अगर मछली के बीज में कोई बीमारी है तो उसका असर कम हो जाए। हालांकि यह बहुत देर तक नहीं होना चाहिए और 2 से 3 मिनट के बाद मछली के बच्चों को तालाब में डाल देना चाहिए। ध्यान रखने वाली बात यह है कि मछलियों की मात्रा तालाब में ना तो बहुत ज्यादा होना चाहिए और बहुत कम भी नहीं होनी चाहिए। आप तालाब में सही अनुपात में मछलियों का बीज डाले। अगर एक या दो मछली आपके तालाब में मर जाती है, तो उसे तत्काल निकाल कर बाहर करें समय-समय पर बीज की वृद्धि और उसकी जांच करना आपको नुकसान से बचा सकता है। मछलियों के लिए यूं तो किसी विशिष्ट चारे की जरूरत नहीं होती है, खासकर तब जब आप का तालाब पुराना हो गया हो, किंतु चावल का आटा और मूंगफली की खली इत्यादि मछलियों को तेजी से बढ़ाती है। इसके अलावा प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा युक्त चारे की मात्रा मछलियों के लिए पर्याप्त रूप से उपलब्ध हो, इसके प्रति भी सजग रहे। ध्यान दें मछली का बीज सही क्वालिटी का हो, तो सही मात्रा में भी अवश्य हो, अन्यथा बाद में मछलियां ठीक ढंग से बढ़ेंगी नहीं।

मार्केट को समझना जरूरी है

अब जब आपके पास मछली के बीज तैयार हो जाते हैं तो आसपास की मार्केट का एक अध्ययन जरूर करें और देखें कि आपके आसपास किस तरह की मछलियों की खपत ज्यादा होती है। लोग आखिर क्या खरीदते हैं?

ऐसे में जब आप मछली मार्केट जाएंगे, तो एक ग्राहक बनकर मछलियों की ब्रीड से लेकर उसकी कीमत तक का पता कर सकते हैं। उसी अनुरूप आप अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाएं। अगर बड़ी मछलियों की खपत अधिक है, तब आपके तलाब में कम मछलियों का बीज रहना चाहिए, जबकि अगर छोटी मछलियों की खपत है तो तालाब में बीज अगर अधिक भी डालेंगे तो आपको फायदा ही होगा। कुल मिलाकर सही टाइम पर मछलियों को बेचना और सही व्यापारियों से संपर्क में रहना आपको लाभ दिला सकता है। कई बार मछली के व्यापारी आपके तालाब पर आकर खुद ही सारी मछलियां ले जाते हैं। हालांकि रेट में अगर ज्यादा डिफरेंस है तो आप मछलियों को खुद भी मार्केट तक पहुंचा सकते हैं।

इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसे मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है। मतलब अगर आपके तालाब में कुछ मछलियां बड़ी हो गई हैं और कुछ मछलियां छोटी हैं, तो बड़ी मछलियों को या तो निकाल कर दूसरे तालाब में डालें या उन्हें मार्केट में भेज दें, क्योंकि बड़ी मछलियों का आहार अधिक होगा और वह छोटी मछलियों का चारा भी खा जाएगी। इसलिए मछलियों की ग्रेडिंग करना आवश्यक है ताकि मछलियों की ग्रोथ में एक निरंतरता रहे। साथ ही मछलियों में इंटरनल और एक्सटर्नल बीमारी के प्रति सजग रहें, अन्यथा आपको पता भी नहीं चलेगा कि कब आपकी पूंजी भारी नुकसान में बदल गयी। इसके अलावा नई नई जानकारियां आप भिन्न माध्यमों से लेते रहें और अलग-अलग मछली पालकों के संपर्क में रहें। ऐसे में नई चीजें आपको पता चलेंगी।

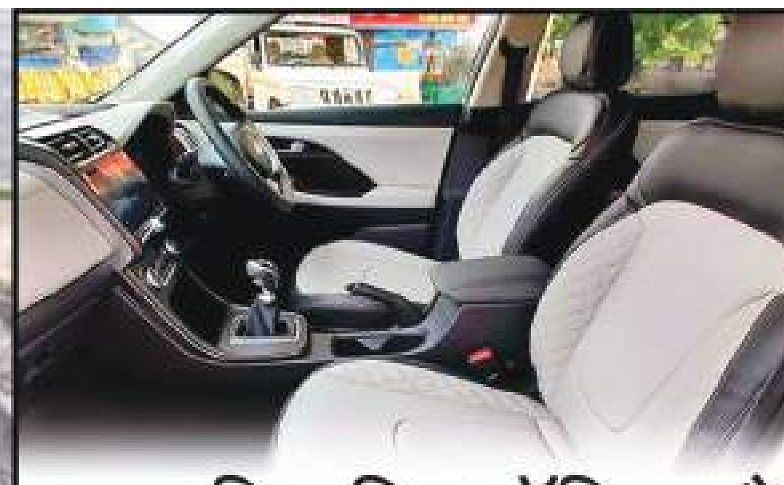

बहुत क्रिएटिव कॅरियर है कार एसेसरीज डिजाइनिंग

एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं।

कार एसेसरीज डिजाइनिंग एक ऐसा कॅरियर क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम लोगों को ही जानकारी होती है। लेकिन यह एक ऐसा क्रिएटिव कॅरियर क्षेत्र है, जिसमें ग्रोथ की संभावना बहुत अधिक है। यह एक ऑटोमोबाइल डिजाइनर के काम का एक हिस्सा है, लेकिन यह केवल कारों और इसके सामान के लिए पूरा करता है। कार एक्सेसरी डिजाइनर ऐसे व्यक्ति हैं जो कार एक्सेसरीज और पार्ट्स के लिए नए डिजाइन बनाते हैं। वे न केवल देखभाल की संरचना में सुधार करते हैं, बल्कि इसकी कार्यक्षमता भी बढ़ाते हैं। ऐसा करते समय, एक कार एक्सेसरी डिजाइनर को वाहन की सुरक्षा को ध्यान में रखना चाहिए और दिए गए मापदंडों के तहत काम करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको इस कॅरियर क्षेत्र के बारे में विस्तारपूर्वक बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक कार एसेसरीज डिजाइनर तीन क्षेत्रों में से एक में काम करते हैं- इंटीरियर डिजाइनिंग, एक्सटीरियर डिजाइनिंग या कलर और ट्रिम डिजाइन। वे ड्राइंग, मॉडल और प्रोटोटाइप का उपयोग करके कार एक्सेसरी पार्ट्स, असेंबली और सिस्टम के ड्राफ्टिंग डिजाइन बनाते हैं। उनका मुख्य काम होता है कि वे कार को विजुअली अधिक अपीलींग बनाएं।

स्किल्स - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक कार एसेसरीज डिजाइनर को हाइड्रोलिक, इलेक्ट्रिक और मैकेनिकल सिस्टम के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए जो वाहन में उपयोग होने जा रहे हैं। इसके अलावा उन्हें ग्राहक की पूरी आवश्यकता को समझना चाहिए और डिजाइन और इसके उत्पादन के उपयोग के बारे में बड़े पैमाने पर शोध करना चाहिए। उनके भीतर कुछ अलग व हटकर सोचने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कंप्यूटर व कार का तकनीकी ज्ञान उनके काम को अधिक आसान बनाता है।

योग्यता - एक कार एसेसरीज डिजाइनर बनने के लिए डिजाइन के प्रासंगिक विशेषज्ञता में कम से कम स्नातक की डिग्री होना अनिवार्य है। आप बैचलर ऑफ डिजाइन, बीएससी इन डिजाइन, बैचलर ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, बी डीएस इन ऑटोमोटिव डिजाइन करके इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिस विश्वविद्यालय या कॉलेज से उम्मीदवार अपनी डिग्री हासिल करता है, उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा मान्यता प्राप्त होना चाहिए।

आमदनी - कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व क्रिएटिविटी के आधार पर बढ़ती जाती है। हालांकि एक कार एसेसरीज डिजाइनर की एवरेज सालाना सैलरी सात से आठ लाख के बीच होती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नवी मुंबई
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- एरिना एनिमेशन, बैंगलोर
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई
- वीआईडीएम इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन एंड मैनेजमेंट, नई दिल्ली
- वाईएमसीए इंस्टीट्यूट फॉर ऑफिस मैनेजमेंट, नई दिल्ली

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में कॅरियर बनाने के लिए क्या करें?

कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट आपके भविष्य के कॅरियर के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संसाधनों के निवेश की एक लंबी प्रक्रिया है। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया विभिन्न अवधारणाओं को अपनाती है, जैसे- आत्म-जागरूकता, कॅरियर विकास योजना और करियर अन्वेषण, जीवन भर सीखने की क्षमता और नेटवर्किंग। कॅरियर में अर्ध-कुशल से लेकर कुशल और अर्ध पेशेवर से पेशेवर तक के सभी प्रकार के रोजगार शामिल हैं। कॅरियर प्रबंधन प्रक्रिया लक्ष्यों और उद्देश्यों को स्थापित करने के साथ शुरू होती है। यह कार्य थोड़ा कठिन हो सकता है, जब व्यक्ति के पास कॅरियर के अवसरों और उनकी प्रतिभा और क्षमताओं के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है। हालांकि, पूरी करियर प्रबंधन प्रक्रिया परिभाषित लक्ष्यों और उद्देश्यों की स्थापना पर ही आधारित होती है।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट का मुख्य उद्देश्य

सामान्य शब्दों में परिचालन प्रबंधन किसी संगठन के लाभ को अधिकतम करने के उद्देश्य से एक कुशल तरीके से सामग्रियों और श्रम को वांछित वस्तुओं और सेवाओं में परिवर्तित करने से संबंधित है। यह उपलब्ध संसाधनों की खरीद और उपयोग करके उत्पादन को अधिकतम करता है, जिसमें कच्चे माल, उपकरण, प्रौद्योगिकी, सूचना और अन्य क्षेत्र शामिल हैं। उत्पादन की प्रक्रिया की योजना, डिजाइनिंग, आयोजन, नियंत्रण और अनुकूलन के साथ इसका अधिक सम्बन्ध होता है। संचालन प्रबंधन यह सुनिश्चित करता है कि एक इकाई कुशलतापूर्वक और सफलतापूर्वक इनपुट को आउटपुट में कैसे बदल देती है। यह स्पष्ट है कि संचालन प्रबंधन डिलीवरी ओरिएंटेड होता है। हालांकि, संचालन प्रबंधन को लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के समान नहीं माना जाना चाहिए। संचालन प्रबंधन व्यापक है और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन इसका एक हिस्सा है। लॉजिस्टिक्स प्रबंधन किसी अभियान, योजना, परियोजना या रणनीति के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए श्रमिकों, सामग्री और अन्य संसाधनों की खरीद, निष्पादन और नियंत्रण की योजना बनाता है। विनिर्माण और सेवा संगठनों दोनों को ही संचालन प्रबंधन के कार्य की आवश्यकता होती है, जो एक प्रक्रिया को शुरू से लेकर अंत तक कवर करता है। सदियों से विनिर्माण उद्योग फल-फूल रहे हैं। अब सेवा क्षेत्र में तेजी के साथ परिचालन प्रबंधकों के लिए अवसर कई गुना बढ़ गए हैं।

ऑपरेशन्स मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए क्या करें?

अन्य विषयों की तरह प्रबंधन शिक्षा में भी कई विषय होते हैं। प्रबंधन के छात्रों को प्रबंधन के सभी प्रमुख विषयों के अवलोकन के साथ संयुक्त रूप से सामान्य प्रबंधन के तहत विषयों और सिद्धांतों से गुजरना पड़ता है। हालांकि, दो साल की स्नातकोत्तर डिग्री या डिप्लोमा में प्रबंधन की एक विशेष शाखा में विशेषज्ञता का प्रावधान है। प्रबंधन की प्रसिद्ध शाखाओं में विपणन, वित्त, मानव संसाधन आदि शामिल हैं। संचालन प्रबंधन के लिए आपको निम्नलिखित कौशल की आवश्यकता होती है :

- नेतृत्व
- नीति, योजना और रणनीति की समझ
- नीतियों और प्रक्रियाओं को विकसित करने, लागू करने और समीक्षा करने की क्षमता
- बजट, रिपोर्टिंग, योजना और लेखा परीक्षा की देखरेख करने की क्षमता
- आवश्यक कानूनी और नियामक दस्तावेजों की समझ

इसके साथ-साथ आपको इन बातों पर भी ध्यान देने की आवश्यकता होती है :

- सुनिश्चित करें कि आप सही मेट्रिक्स पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं
- मुख्य समस्याओं को पहचानने के लिए हमेशा डेटा का उपयोग करें
- नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ अप-टू-डेट रहने में विश्वास करें
- स्वचालन से पहले प्रक्रियाओं पर ध्यान दें
- ध्यान से लोगों के साथ कम्युनिकेट करें

ऑपरेशन्स मैनेजर बनने के लिए आवश्यकता योग्यता

संचालन प्रबंधक के संबंधित क्षेत्र में कम से कम स्नातक की डिग्री की आवश्यकता होती है। व्यवसाय प्रशासन में स्नातक की डिग्री के साथ, छात्रों को ज्ञान और विपणन योग्य कौशल विकसित करना होता है, जिसे वे अपने कॅरियर के दौरान बना सकते हैं। इसके अलावा, एक संचालन प्रबंधक होने के लिए, किसी के पास मजबूत नेतृत्व और पारस्परिक कौशल, शानदार संचार और ग्राहक की आवश्यकताओं की समझ होनी चाहिए। संचालन प्रबंधक बनने के लिए शैक्षणिक योग्यता निम्नलिखित है :

- विषय संयोजन- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा में कोई भी स्ट्रीम
- उम्मीदवारों के पास 10 + 2 + 3 प्रणाली के माध्यम से योग्यता और किसी भी विषय में न्यूनतम 50% अंकों से उत्तीर्ण के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए
- उम्मीदवारों के पास ऑपरेशंस मैनेजमेंट में एमबीए (ऑपरेशंस) या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ऑपरेशनल मैनेजमेंट में मास्टर्स डिग्री का भी बहुत महत्व होता है

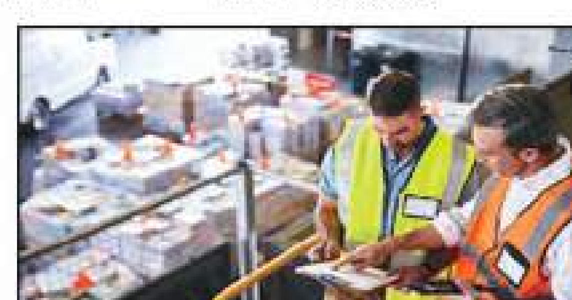

ऑपरेशन्स मैनेजर के जॉब रोल्स

- सप्लाई चेन मैनेजर
- एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस मैनेजर
- प्लांट मैनेजर
- ह्यूमन रिसोर्सेज मैनेजर
- परचेस मैनेजर
- फैसिलिटी मैनेजर
- इन्वेंटरी कण्ट्रोल मैनेजर

रोजगार के अवसर

एक ऑपरेशन मैनेजर के रूप में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने की इच्छा रखने वालों के लिए रोजगार के ढेरों अवसर होते हैं। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में संचालन प्रबंधकों के लिए बहुत स्कोप है। कुछ शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं :

- स्वास्थ्य
- कॉर्पोरेट व्यवसाय
- बहुराष्ट्रीय कंपनियां
- हॉस्पिटैलिटी
- विनिर्माण और खुदरा
- वित्तीय संस्थाएं
- बीमा क्षेत्र
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ई-कॉमर्स
- वेयरहाउसिंग
- निर्माण
- सलाहकारी फर्में

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक निमिषा कुमारी द्वारा शिवा सांई पब्लिकेशन प्रा० लि० काठीटांड़, रातू रांची, झारखंड 835222 से मुद्रित व 364, को ऑपरेटिव कालोनी, बोकारो स्टील सिटी, बोकारो, 827003 से प्रकाशित। प्रबंध संपादक विनय कुमार तिवारी* (*पी आर बी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) आर एन आई न०- JHA/HIN/ 2018/ 76658 फोन न०8340571405, 9955023741